जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 5 अप्रैल, 2026

ये प्राइस नहीं, सरप्राइज है !

₹4000/ Sq. Ft में फ्लैट !
₹5000/ Sq. Ft में कोठी !

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

आंदोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

अब राजस्थान पवित्र ही खाएगा

ऑर्डर करने के लिए: प्रोडक्ट के आगे टिक लगाइए और फोटो 90704 90704 पर भेज दीजिए।

रिटेलर हो या कस्टमर :
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

54000 + RETAILERS | SUPERMARKETS | WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON zepto

T&C Apply

विचार बिन्दु

शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान नहीं, कर्म है। –हर्बर्ट स्पेन्सर

आयुर्वेद का रोचक इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से कम 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्रायः 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध हैं, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझा।इस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं: वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारी के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटने का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता लगी रहती है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विश्व में जैसे-जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ़ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढ़ती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ऋग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ऋग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धित का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार में देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये। दैवव्यपाश्रय चिकित्सा का यह श्रेष्ठ काल रहा है।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पड़ाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलतः अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अतः स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियां वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास की यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारी योग जुड़ गये। हालांकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि की बजाय बहुत औषधियां योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्त्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ (दैवव्यपाश्रय चिकित्सा) आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

> **आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये।**

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राम्हणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यो ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यर्थाततः युक्ति-व्यापाश्रय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसन) में बदल गई। इस प्रकार अंततः आयुर्वेद पूर्णतः वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वांग्मय मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलतः कायचिकित्सा से संबंधित ठान्थ है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलतः शल्यचिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखा कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने बिल्कुल नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में प्रथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आप यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेष अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बड़ी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनतंत्र एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं काय-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोत्तर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोत्तर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों की प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढ़ता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पादपों को पहचाना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ठांथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित भरोसा किया। साथ ही, स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रुग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढ़ती विशेषज्ञता भी बड़ी रोचक है। चरक संहिता में यद्यिप आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केन्द्रित रही। काश्यप संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धति में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानी नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपस डेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2025 के दौरान प्रकाशित कुल 65,508 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 16,146 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम 15 लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

एक राष्ट्र, एक चुनाव- लोकतंत्र का नया क्षितिज

सुनील भार्गव

भारतीय लोकतंत्र अपनी जीवंतता और विविधता के लिए विश्व विख्यात है। स्वतंत्रता के पश्चात से अब तक लोकसभा और विधानसभाओं के 400 से अधिक चुनावों ने हमारी चुनावी प्रणाली की पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्रमाणित किया है। लेकिन गत कुछ दशकों में निरंतर चुनावी मोड में रहने की विवशता ने देश के विकास और शासन की गति को कहीं न कहीं बाधित किया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा प्रशासनिक सुधार के साथ ही भारतीय लोकतंत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला एक दूरदर्शी विचार है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट और 18 सितंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दी गई इसकी स्वीकृति ने इस दिशा में एक निर्णायक कदम बढ़ाया है। राजस्थान जैसे राज्य, मे पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के संदर्भ में भी इस सुधार की प्रासंगिकता है।

हमारी देश में 1951-52 के पहले आम चुनाव से लेकर 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ ही संपन्न होते थे। लेकिन 1968-69 में कुछ विधानसभाओं के समय पूर्व भंग होने और 1970 में चौथी लोकसभा के समय से पहले विघटन ने इस सुनहरे चक्र को तोड़ दिया। राजस्थान के संदर्भ में विधानसभा चुनावों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और पंचायतों के अलग-अलग समय पर होने वाले चुनावों ने राज्य को एक स्थाई चुनावी शिविर में बदल दिया है। इस विखंडन ने राजकोष पर बोझ बढ़ाने के साथ ही प्रशासनिक मशीनरी को भी जनसेवा से हटाकर चुनावी ड्यूटियों में उलझाए रखा है।

रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने 21,500 से अधिक नागरिकों और 47 राजनीतिक दलों से परामर्श के बाद जो खाका खींचा है, वह अत्यंत व्यावहारिक है। समिति ने दो चरणों में कार्यान्वयन का सुझाव दिया है। प्रथम चरण में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों का समन्वय और द्वितीय चरण में इन चुनावों के 100 दिनों के भीतर नगरपालिकाओं और पंचायतों (स्थानीय निकायों) के चुनाव संपन्न कराना है। राजस्थान गवाह है कि पिछली कांग्रेस सरकार ने अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए पंचायत चुनावों को फुटबॉल बना दिया था। पंचायती राज के चुनावों को लगभग दो साल तक लंबा खींचकर कांग्रेस ने ग्रामीण राजस्थान के विकास पर अघोषित आपातकाल लगा दिया था। महीनों तक चलने वाले चरणों और बार-बार लगने वाली आचार संहिता के नाम पर विकास कार्यों को ठप रखना और प्रशासनिक मशीनरी को पंगु बना देना कांग्रेस की कार्यशैली रही। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पानी व बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं फाइलों में दबी रह गई।

चुनाव के समय लगने वाली आचार संहिता के परिणामस्वरूप नई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा और चालू परियोजनाओं का क्रियान्वयन रुक जाता है। वर्तमान में, चुनाव कराने के लिए शिक्षकों, पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की बार-बार तैनाती की जाती है। एक राष्ट्र, एक चुनाव से इस जनशक्ति का अपव्यय रुकेगा। दूरदराज के मरुस्थलीय इलाकों में मतदान केंद्रों तक सुरक्षा और रसद पहुंचना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। एक साथ चुनाव होने से यह रसद संबंधी चुनौती एक ही बार में हल हो जाएगी।

चुनावों पर होने वाला भारी खर्च अंततः करदाताओं का ही पैसा है। बार-बार मतदाता सूची तैयार करना, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था पर अरबों रुपये खर्च होते हैं। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव पर अनुमानित व्यय 1.35 लाख करोड रुपए का हुआ था अर्थात एक वोट की औसतन लागत 1400 रुपए थी।

समिति द्वारा एकल मतदाता सूची और एकल फोटो पहचान पत्र की सिफारिश राजस्थान निर्वाचन आयोग और भारत निर्वाचन आयोग के बीच डेटा के दोहराव को समाप्त कर वित्तीय बोझ को कम करेगा।कोविंद समिति का तर्क है कि यह व्यवस्था स्थानीय मुद्दों को उपयुक्त मंच पर लाने का अवसर देगी। एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रशासनिक सुविधा और सहकारी संघवाद की भावना को सशक्त करने का एक माध्यम है। देश की 80 प्रतिशत जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि देशवासी अब चुनावी थकान से मुक्ति और विकास की निरंतरता चाहते हैं। राजस्थान इस सुधार को अपनाकर मरुधरा के विकास की गति को तीव्र कर सकता है। बार-बार चुनावी शोर-शराबे के बजाय, एक साथ चुनाव शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करेगा। यह सुधार हमें सबसे कुशल और संगठित लोकतंत्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

–सुनील भार्गव,
सीए एवं आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ।

सोशल मीडिया का किशोरों व युवाओं पर प्रभाव

मीनाक्षी धारीवाल

सोशल मीडिया आज की जिंदगी का एक बहुत जरूरी हिस्सा बन गया है विशेषकर किशोरों एवं युवाओं के लिए। तेज़ी से स्मार्ट फोन अपनाने व सस्ते इंटरनेट के साथ यूट्ययूब इंस्टाग्राम, फ़ेसबुक, वाट्सएप, स्नैपचैट आदि प्लैटफ़ार्म युवाओं के बातचीत के तरीके,लाइफ़स्टाइल,राय और पहचान बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। सोशल मीडिया सीखने, जुड़ने और स्वयं को साबित करने के कई मौके देता है लेकिन इसका अतिउपयोग कई मुसीबतें भी खड़ी कर सकता है जो किशोरों और युवाओं के सामाजिक, शैक्षिक व मनोवैज्ञानिक विकास पर कुप्रभाव डालता है। अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा पीढ़ी इसके अंधेरे और उजाले पक्ष को अच्छे से समझे और जिम्मेदारी के साथ इसका उपयोग करे ताकि न स्वयं और न समाज व राष्ट्र को कोई हानि पहुंचे।

सोशल मीडिया का सबसे सकारात्मक प्रभाव यही है कि दुनिया के किसी भी कोने से युवा अपने दोस्तों,परिवार या सहकर्मियों से बातचीत के द्वारा जुड़ सकते हैं। एक सर्वे में 72 प्रतिशत युवाओं का कहना था कि सोशल मीडिया ने उन्हें आपस में जुड़े रहने, पढ़ाई, कौशल विकास में बहुत मदद की विशेषकर कोविड के समय। यह डिजिटल लिटरेसी, संवाद,रचनात्मकता और उधमिता जैसे क्षेत्रों में कौशल विकास के मौके भी खूब देता है। सोशल मीडिया ने सामाजिक न्याय, मानसिक स्वास्थ्य, वातावरणीय मुद्दों आदि अनेक विषयों पर जागरूकता बढ़ाने और युवाओं की आवाज़ को मुखर बनाने का काम बखूबी किया है। सामाजिक विषयों जैसे मी टू, क्लाइमेट चेंज कैम्पेन, लैंगिक समानता, भ्रष्टाचार निरोधी अभियान आदि को इसलिए ही सफलता मिली क्योंकि इनमें किशोरों और युवाओं ने ऑनलाइन भाग लिया। किशोर व युवा अपनी समस्याओं को ऑनलाइन सपोर्ट कम्यूनिटी ग्रुप्स में अक्सर साझा करते हैं। सोशल मीडिया उन्हें मेंटल हैल्थ से जुड़े हुए जागरूकता समूहों व हेल्पलाइन से जोड़ देता है जहां ये अपनी दैनिक समस्याओं का निवारण कर सकते हैं। इन लाभों के अलावा इसका अत्याधिक प्रयोग किशोरों व युवाओं पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव भी डाल रहा है। वर्तमान की सबसे बड़ी चिंता उनका मानसिक स्वास्थ्य है जो इससे अत्याधिक प्रभावित हो रहा है। एक सर्वे बताता है कि जो किशोर सोशल मीडिया पर हर दिन दो घंटे से अधिक समय बिताते हैं, उनमें चिंता, अवसाद व तनाव के लक्षण अधिक दिखाई दे रहे हैं और घर, पढ़ाई व अन्य गतिविधियों मे उनकी रुचि कम हो गई।

सोशल मीडिया संस्कृति अधिकतर आदर्श लाइफ़स्टाइल व आडंबरों का दिखावा हो गई है। आई सी एस एस आर के सर्वे में पाया गया कि 65 प्रतिशत किशोर खुद की तुलना इंफ्लुएंसर से करते हैं और खुद को कम आँकते हैं, यह एक ऐसा पैटर्न है जो आत्मविश्वास कम करता है और अस्वास्थ्यकर शारीरिक छवि की समस्याओं को बढ़ाता है। लाईक्स, कमेंट्स और फोलोवेर्स पाने का दबाव अक्सर असली सेल्फ वर्थ के बजाय ऑनलाइन प्रसिद्धि के आधार पर मान्यता की भावना पैदा करता है। सायबरबुलिंग, ट्रोलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न आदि किशोरों और युवाओं में भावनात्मक परेशानियों को बहुत ज्यादा बढ़ा देते हैं। टीनएजर्स को ट्रोलिंग, बॉडीशेमिंग वाले कमेंट्स का सामना भी करना पड़ सकता है। नॉर्थ इंडिया सर्वे में पाया गया कि इन्स्टाग्राम व व्हाट्सएप पर 4 में से 1 किशोर सायबरबुलिंग का सामना कर रहा है। इससे उनमें भावनात्मक असुरक्षा, समाज से दूरी और आत्महत्या के विचार तक आ सकते हैं। यह न तो उनके लिए और न ही समाज व राष्ट्र के लिए हितकारी है, जो युवा ताकत स्वयं के व राष्ट्र के विकास में लगनी चाहिए वह व्यर्थ ही नष्ट हो रही है। किशोर व युवा फीड्स स्क्रोल करने, रील्स देखने या ऑनलाइन चैटिंग में इतना ज्यादा समय बिता रहें हैं कि उनकी नियमित दिनचर्या, नींद व शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा खतरा मंडरा रहा है। इससे उनकी एकाग्रता में कमी, पढ़ाई में खराब प्रदर्शन, खेलकूद में व पारिवारिक गतिविधियों में दिलचस्पी कम होती जा रही है। सोशल मीडिया का इनके सामाजिक व्यवहार पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। ऑनलाइन दोस्त और इंटरएक्शन तो बहुत है लेकिन वास्तविक जीवन की व्यावहारिकता व असली दोस्त नदारद हैं, आमने-सामने की बातचीत व सम्बन्धों को निभाने का कौशल न के बराबर है जो की एक चिंता जनक तथ्य है। सोशल मीडिया ट्रेंड्स व साथियों के दबाव के चलते उनके व्यवहार पर व दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ता है, कभी-कभी जोखिम भरे व्यवहार में सम्मिलित होकर वे अपना, परिवार का व समाज का बहुत बड़ा नुकसान भी कर देते हैं। किशोर व युवा लोग सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत फोटो व लोकेशन साझा कर देते हैं जिससे उनकी निजता पर आघात हो सकता है।

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया का किशोरों व युवाओं पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है, जो मौके भी देता है और चुनौतियाँ भी। हालांकि यह संवाद, सीखने, रचनात्मकता व सामाजिक जागरूकता को बढ़ाता है लेकिन इसका बहुत ज्यादा व बिना नियंत्रण का प्रयोग किशोरों व युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य, अकादमिक प्रदर्शन और सामाजिक सम्बन्धों पर गंभीर असर डाल सकता है। इसलिए माता-पिता, शिक्षकों और पॉलिसी बनाने वालों के लिए यह ज़रूरी है कि वे युवाओं व किशोरों को सोशल मीडिया का ज़िम्मेदारी से और संतुलित प्रयोग करने के लिए मार्ग प्रशस्त करें। 2025-26 के इकोनोमिक सर्वे के अनुसार 15-29 वर्ष के किशोरों व युवाओं में अत्यधिक सोशल मीडिया एडिक्शन है। सोशल मीडिया एडिक्शन की भयावहता का अंदाज़ा इस घटना से लगाया जा सकता है जो फरवरी 2026 में घटित हुई। जब तीन किशोर बहनों ने (12-16 वर्ष) एक साथ आत्महत्या कर ली जो कि फोन पर 20 घंटे ऑनलाइन कंटैंट और गेमिंग में बिताती थी। ज्यादा समय स्क्रीन पर रहने से अलगाव व अवसाद की भावना ने उन्हें घेर लिया जिससे वे स्वयं बाहर निकलने में असमर्थ रही होंगी अतः आवश्यक है कि ऐसे बच्चों को घरवालों का सहयोग मिले और साथ ही परामर्श भी मिले तो स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है और बच्चों को ऐसा कदम उठाने से रोका जा सकता है।

अब प्रश्न यह उठता है कि किशोरों व युवाओं कि मदद कैसे की जाये? इसका जवाब हम कुछ रचनात्मक उपायों को अपना कर दे सकते हैं। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देकर, स्वास्थ्य सीमाएँ बनाकर, स्क्रीन से दूर रहकर शारीरिक व पारंपरिक गतिविधियां अपनाकर बहुत हद तक इस समस्या का निवारण किया जा सकता है। किशोरों को वास्तविक दुनिया से अवगत कराया जाये, सामाजिक व्यवहार कौशल घर और विद्यालय में सिखाया जाये और मेंटल हैल्थ सपोर्ट दिया जाए ताकि वे अवसाद, चिंता व साइबर बुलिंग से अपना बचाव कर सकें और माताओं की कोख फिर इस वजह से न उजड़े। अगर सोशल मीडिया का प्रयोग समझदारी से किया जाए तो युवाओं व किशोरों का सामाजिक व व्यक्तिगत विकास सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकता है।

-डॉ. मिनाक्षी धारीवाल,
कनोडिया महाविद्यालय

शिविरा पंचांग 2026-27 में अवकाश कटौती पर शिक्षक संघ का विरोध

राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजा

- **संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि अवकाश कटौती को शीघ्र वापस नहीं लिया तो आंदोलन किया जाएगा**
- **'ग्रीष्मकालीन अवकाश को 30 जून के बजाय 20 जून तक सीमित करना प्रदेश की भीषण गर्मी को देखते हुए अनुचित है'**

अनूपगढ़, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) ने शिविरा पंचांग 2026-27 में अवकाशों में की गई कटौती का कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने शिक्षा मंत्री को इस संबंध में सुधार करने की मांग को लेकर एक पत्र भेजा है।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण बारूपाल ने इस कटौती को अव्यावहारिक बताया। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन, मध्यावधि और संस्था प्रधान के विवेकाधीन अवकाशों में कमी शिक्षकों और छात्रों दोनों के हितों के खिलाफ है। प्रदेश महामंत्री सोहन जोहरम के अनुसार, ग्रीष्मकालीन अवकाश को 30 जून के बजाय 20 जून तक सीमित करना प्रदेश की भीषण गर्मी को देखते हुए अनुचित है। साथ ही, संस्था प्रधान के विवेकाधीन अवकाश में कटौती से स्कूलों का संचालन प्रभावित होगा और प्रशासनिक जटिलताएं बढ़ेंगी। संगठन ने बताया कि पूर्व में शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी इस कटौती का विरोध किया गया था। इसके बावजूद विभाग ने एकतरफा निर्णय लागू किया, जिसे निराशाजनक बताया गया है। शिक्षक संघ का कहना है कि शैक्षिक सुधार अवकाश घटाने से नहीं, बल्कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त कर शिक्षण पर केंद्रित करने से संभव है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि अवकाश कटौती को शीघ्र वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

अवैध बजरी से भरे वाहन जब्त

जोधपुर, (कासं)। लूणी थाना पुलिस ने अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बजरी से भरे वाहनों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि लूणी नदी से अवैध रूप से बजरी का खनन कर उसका परिवहन किया जा रहा था। इस संबंध में सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान बजरी से भरा एक डम्पर, एक खाली डम्पर तथा एक बिना नंबर की जेसीबी मशीन जब्त की गई। इस अवैध खनन में संलिप्त आरोपियों में रमेश पटेल पुत्र केवलराम पटेल, तेजाराम पुत्र भलाराम जाट, लिखमाराम पुत्र केवलराम पटेल, विरेंद्र पुत्र सोनाराम पटेल तथा बिरमनाथ पुत्र देवनाथ को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया।

राशिफल रविवार 5 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, विशाखा नक्षत्र रात्रि 12:08 तक, वज्र योग दिन 2:44 तक, विष्टि करण दिन 12:00 तक, चन्द्रमा सायं 5:28 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मीन, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा दिन 12:00 तक है। आज संकष्ट चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:56 पर होगा। आज इस्टर सण्डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:50 से 9:24 तक, लाभ-अमृत 9:24 से 12:30 तक, शुभ 2:03 से 3:36 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:42

मेष

परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मिथुन

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कर्क

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या

स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। किसी भी कारण से मन में भय बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

तुला

विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। दिनचर्या एवं स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से तनाव बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर

महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ

आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

मीन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 241 प्रभात जयपुर, रविवार 5 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

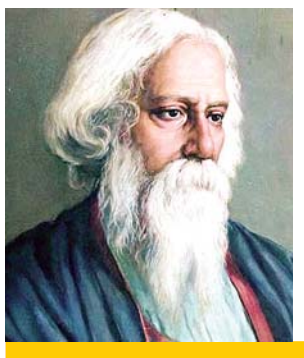

Rabindranath Tagore saw great potential in Canada

Tagore called on Western society to slow down. "It is evident that the modern age is riding on a tornado of rapidity, jealously competing with its own past, every moment in speed and production," he said

"No such roses see I in her cheeks"

अब तक का सबसे ज्यादा हिंसा प्रधान चुनाव होगा, बंगाल में

ममता बनर्जी इस बार राजनीतिक वातावरण को विषाक्त बना रही हैं, एक के बाद एक नई कहानी गढ़ कर प्रचारित करके

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। बंगाल में बढ़ते तापमान और असहनीय उमस के साथ-साथ चुनाव प्रचार भी गर्माता जा रहा है।

राजनीतिक दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ, और खासकर वे, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी फैला रही हैं, हैरान कर रहे है। बंगाल की महिलाओं को संबोधित करते हुए, ममता ने कहा है कि भाजपा "लक्ष्मी भंडार" योजना के तहत उनके बैंक खातों में जमा पैसे चुराने या हड़पने की साजिश रच रही थी।

बात को घुमाने की महारथी ममता महिलाओं को चेतावनी दे रही हैं कि वे अपने बैंक खाते का विवरण उन अजनबियों को न बताएं, जो यह दावा कर रहे हैं कि वे पश्चिम बंगाल सरकार के हैं। उनका कहना है कि जैसे ही विवरण उपलब्ध होंगे, भाजपा उनके पैसे निकाल लेगी।

साथ ही, वे यह भी कह रही हैं कि सत्ता में आने पर भाजपा मीट, मछली, अंडा पर प्रतिबंध लगा देगी। ममता यह संदेश लगातार सार्वजनिक सभाओं में फैला रही हैं "न मछली, न मीट।" " इस तरह के सीधे और बेतुके हमलों का सामना करते हुए, अन्य राजनीतिक दल, जिनमें भाजपा भी शामिल है, टीएमसी पर हमले करने के बजाय, संकट प्रबंधन की स्थिति में दिख रहे हैं।

यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी बातें सुन रहे लोग वास्तव में उन्हें कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। स्थिति जो भी हो, लेकिन परिस्थितियां बंगाल में लगातार आक्रामक होती जा रही हैं। ऐसे में, इस बार भी चुनावों के हिंसक होने का डर है।

जैसा कि पहले होता आया है, ममता यह कहानी चला रही हैं कि भाजपा बंगाल की संस्कृति के अनुकूल नहीं है। अगर यह पहले उचित रूप से प्रसारित किया गया होता, तो भाजपा के बंगाल विंग में कुछ ऐसे जिद्दी बंगाली भी हैं, जो बंगाल की संस्कृति के लिए खड़े और अड़े हुये हैं। भाजपा के राज्य अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य उनमें से एक हैं, जो एक सच्चे बंगाली हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अगर कोई अजनबी उनसे उनके बैंक अकाउण्ट की "डिटेल" पूछे तो कतई मत दीजिए, क्योंकि आपके बैंक के खाते की डिटेल्स लेकर, भाजपा आपके एकाउण्ट में बंगाल की सरकार ने जो पैसा "लक्ष्मी भण्डार" योजना के तहत जमा करवाया है, वह निकाल लेगी।
- इससे पहले, एक के बाद एक आमसभा में, मंच से मु.मंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर भाजपा प.बंगाल में सत्ता में आ गई तो "मछली व मांस के सेवन पर प्रतिबंध लगा देगी।"
- शायद ममता बनर्जी इन कहानियों को प्रतिपादित करके, कांग्रेस व भाजपा को रक्षातमक मुद्रा में लाना चाहती हैं और ये राजनीतिक पार्टियों, तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करने में असमर्थ हो जाएंगी, उनका परिश्रम तो अपनी पार्टियों के खिलाफ चलाए जा रहे मिथ्या प्रचार का जवाब देने में ही चला जाएगा।

ओलावृष्टि व बारिश से राजस्थान में फसलें तबाह

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। देश के एक बड़े हिस्से में अचानक आए इस बदलाव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में कई राज्यों में तेज आंधी-तूफान के साथ भारी ओलावृष्टि और बिजली कड़कने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

- मौसम विभाग ने समूचे उत्तर भारत से मध्य भारत तक भारी बारिश और अंधड़ की चेतावनी दी।

मौसम विभाग ने उत्तर से लेकर मध्य भारत तक के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इन सभी इलाकों में लोगों को सावधान रहने को कहा गया है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर के लिए भी ऑरेंज अलर्ट है, जहां भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।

देश के कई अन्य हिस्सों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसका मतलब है कि वहां मौसम खराब हो सकता है और लोगों को सचेत रहने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 परीक्षा अन्ततोगत्वा रद्द हुई

परीक्षा रद्द करने के हाईकोर्ट को एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखकर खंडपीठ ने सशंय समाप्त किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 4 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2021 की परीक्षा को रद्द करने वाले एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखा है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि पेपरलीक में लिप्त हुए लोगों को हटाने की कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि आर.पी.एस.सी. में राजनीति के आधार पर चयन नहीं होना चाहिए और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए कानून लाया जाना चाहिए। कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार व अन्य की ओर से दायर अपीलों पर फैसला सुनाते हुए दिए। खंडपीठ ने गत 19 जनवरी को सभी पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

खंडपीठ ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय और तत्कालीन सदस्य मंजू शर्मा व संगीता आर्या सहित अन्य की अपीलों को भी खारिज कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा आरपीएससी में सदस्य बनाई गई मंजू शर्मा व संगीता आर्या का कहना था कि उनका नाम एफ.आई.आर की चार्जशीट में गलत तरीके से जोड़ा गया है, क्योकि जिन बाबूलाल कटारा व रामूराम राईका के जिन बयानों के आधार पर हमें आरोपी बनाया गया है, वे खुद पेपरलीक के मुख्य आरोपी हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि, इंटरव्यू में किसी अभ्यर्थी को ज्यादा अंक देकर फायदा पहुंचाने की साजिश करना असंभव है, क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या बहुत ज्यादा होती है। यह किसी सदस्य को पूर्व में मालूम नहीं होता कि, कौन अभ्यर्थी कहां जाकर इंटरव्यू देगा।

वहीं अदालत ने एकलपीठ की ओर से आर.पी.एस.सी. की कार्यशैली को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय व सदस्य मंजू शर्मा व संगीता आर्या की अपीलों को खारिज किया।
- हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि पेपरलीक में लिप्त आर.पी.एस.सी. सदस्यों को तत्काल हटाने की कार्रवाई शुरू करे। साथ ही यह भी देखे कि आर.पी.एस.सी. में राजनीति के आधार पर चयन नहीं होना चाहिए और कानून बनाकर चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएं।
- पेपरलीक रद्द करवाने के लिए मूल याचिकाकर्ता कैलाश चंद शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने कोर्ट में पैरवी की थी।

केरल में शशि थरुर के काफिले का रास्ता रोका

रास्ता रोकने वाले झुण्ड ने थरुर के सुरक्षा स्टाफ पर हमला भी किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। कांग्रेस सांसद शशि थरूर का काफिला कथित तौर पर केरल के मलप्पुरम जिले में रोका गया और उनकी टीम के एक सुरक्षाकर्मी पर हमला किया गया। यह घटना शुक्रवार को हुई।

कांग्रेस सांसद थरूर जब एक चुनावी अभियान कार्यक्रम के सिलसिले में वांडूर में जा रहे थे, तो उनका काफिला थिरुवली चेल्लीथोडु ब्रिज के पास रोका गया।

प्रदर्शन स्थल से आया एक वीडियो दर्शा रहा है कि तिरुवनंतपुरम सांसद फ्रंट सीट पर बैठे हैं और उनके वाहन के आसपास लोग घिरे हुए हैं। कुछ को चिल्लाते हुए सुना जा सकता है।

70 वर्षीय कांग्रेस नेता ने शनिवार सुबह एक्स पर इस घटना की पुष्टि की।

सांसद ने एक्स पर पोस्ट किया, "कल रात हुई अप्रिय घटना में जब मेरे सुरक्षा गार्ड पर हमला किया गया, तो उसके प्रति चिंता जताने वाले सभी संदेशों और कॉल्स ने सचमुच मेरे हृदय को छू लिया है वे (गार्ड) सुरक्षित हैं और मैं अप्रभावित रहा। सभी मित्रों और शुभचिंतकों का धन्यवाद।"

उन्होंने यह भी कहा कि काफिला आगे बढ़ा और उन्होंने घटना के बाद दो और कार्यक्रम सम्पन्न किए।

उन्होंने कहा, "हमने कल निडर होकर अपने कार्यक्रम को जारी रखा और दो और कार्यक्रम योजनानुसार पूरे किए। और हमारा कार्यक्रम प्रभावित नहीं हुआ।"

सुरक्षा कर्मियों की शिकायत के आधार पर वांडूर पुलिस ने मामला दर्ज किया है, तीन लोगों को हिरासत में लिया है और दो वाहनों को जब्त किया गया है।

- घटना मलप्पुरम जिले की है, जहाँ थिरुवल्ली पुल के पास कुछ लोगों ने थरुर के काफिले का रास्ता रोका, सुरक्षा स्टाफ से मारपीट की। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस घटना की जाँच कर रही है।
- थरुर ने भी एक्स पर एक पोस्ट में घटना की पुष्टि की, और सभी शुभचिंतकों का आभार जताया।

केदारनाथ में भारी बर्फबारी

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड), 04 अप्रैल। अप्रैल माह की शुरुआत के साथ ही मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में बीती रात से लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में फिर से बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है। हाल ही में जिन रास्तों से बर्फ हटाई गई थी, वे एक बार फिर पूरी तरह बर्फ से ढ क गए हैं। मंदिर परिसर भी पूरी तरह बर्फ से आच्छादित हो गया है। लगातार हो रही बर्फबारी से वहां चल रहे यात्रा तैयारियों के कार्य प्रभावित हो गए हैं। मजदूरों द्वारा की गई कड़ी मेहनत पर मौसम ने पानी फेर दिया है, जिससे व्यवस्थाओं को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती सामने खड़ी हो गई है।

बताया जा रहा है कि इस बार अप्रैल में भी मौसम सामान्य नहीं है और लगातार खराब बना हुआ है। ऐसे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को कपाट खुलने को लेकर प्रशासन में भारी चिंता।

'केजरीवाल पर चड्ढा के खिलाफ एक्शन का दबाव डाला गया'

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने नाम गोपनीय रखते हुए भी यह भी कहा कि पार्टी का एक गुट राघव की बढ़ती लोकप्रियता से जलता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। पार्टी नेतृत्व से आहत आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढ़ा ने खुद पर लगाये गये सभी आरोपों को खारिज कर दिया और पार्टी में अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसा उदाहरण पेश करें, जब उन्होंने संसदीय कार्यवाही में भाग नहीं लिया।

राज्यसभा सांसद चड्ढ़ा ने शनिवार को कहा, "मैं संसद में प्रभाव पैदा करने जाता हूँ, शोर मचाने नहीं।" उन्होंने आरोपों को "झूठा" और "संगठित अभियान का हिस्सा" बताया।

एक वीडियो में, चड्ढ़ा ने यह दावा खारिज किया कि उन्होंने विपक्षी बहिष्कारों में हिस्सा नहीं लिया, और इसे "सफेद झूठ" बताया।

अपने वीडियो को फिल्म धुरंधर की एक लोकप्रिय पंक्ति के साथ खत्म करते हुए, चड्ढा ने कहा: "घायल हूँ, इसलिए घातक हूँ।"

उन्होंने अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी उदाहरण पेश करें, जब उन्होंने संसदीय कार्यवाही में भागीदारी नहीं की, और कहा कि संसदीय कार्यवाही सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड की जाती है। मृदु भाषी और वाक्पटु चड्ढा ने यह भी खारिज किया कि उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से संबंधित प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से मना किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राघव चड्ढा ने भी आम आदमी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और संसदीय कार्यवाही में शामिल नहीं होने के आरोप को सरासर झूठा बताया।
- राघव ने कहा, संसद कर दाताओं के पैसे से चलती है, वे वहाँ काम करने जाते हैं, हल्ला करने नहीं। उन्होंने विपक्ष के वॉक आउट में शामिल नहीं होने के आरोप को भी झूठा बताया।
- मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के मसले पर उन्होंने कहा, उनसे किसी भी पार्टी नेता ने प्रस्ताव पर साइन करने के लिए नहीं कहा था।
- एक्स पर पोस्ट किए गए अपने वीडियो संदेश में राघव चड्ढा ने भविष्य की रणनीति के बारे में कोई स्पष्ट संकेत तो नहीं दिया पर धुरंधर फिल्म के डायलॉग से अपनी मंशा जता दी कि वे कुछ तो प्लान कर रहे हैं, राघव ने कहा "घायल हूँ इसलिए घातक हूँ।"

ट्रम्प का ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम

वॉशिंगटन, 04 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय में यह जलमार्ग नहीं खोला गया, तो अमेरिका कड़ी कार्रवाई कर सकता है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रुथ सोशल" पर पोस्ट करते हुए कहा कि समय तेजी से खत्म हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले ईरान को 10 दिन का समय दिया गया था, लेकिन अब यह अवधि घटाकर 48 घंटे कर दी गई है।

होर्मुज़ स्ट्रेट वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पहले ईरान को दस दिन का समय दिया था पर अब घटाकर 48 घंटे कर दिया है।

अमेरिका के राजनैतिक पटल पर एक और भारतीय रिनी संपत का उदय

रिनी वॉशिंगटन डीसी के मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से प्रत्याशी बनने के लिए चुनाव मैदान में हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य पर एक और भारतीय अमेरिकन नेता उभर रही हैं। ये हैं 31 वर्षीय रिनी संपत, तमिलनाडु के थेनी की मूल निवासी, जो वॉशिंगटन डीसी मेयर के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं।

वे एक सरकारी ठेकेदार हैं और शहर में मेयर प्राइमरी बैलेट पर दिखाई देने वाली पहली दक्षिण एशियाई हैं।

उनका अभियान "फिक्स द बेसिक्स" (बुनियादी समस्याओं में सुधार) पर केन्द्रित है, जिसमें बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम लागत और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार का वादा किया गया है। वे खुद को राजनीतिक बाहरी के रूप में पेश कर रही हैं।

रिनी संपत एक भारतीय-अमेरिकी प्रोफेशनल और उभरती राजनीतिक हस्ती हैं, जो 2026 के वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव में हिस्सा ले रही हैं।

थेनी में जन्मीं संपत सात वर्ष की आयु में अमेरिका चली गईं। वे 31 वर्ष की हैं और एक दशक से अधिक समय से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं। प्रोफेशनल रूप से, वे सरकारी ठेकेदार और साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल के रूप में काम करती हैं।

संपत ने यूनिवर्सिटी ऑफ सादर्न कैलिफ़ोर्निया में पढ़ाई की, जहां 2015में छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में पूरे प्रदेश का ध्यान आकर्षित किया।

युनिवर्सिटी में अपने समय के दौरान, उन्होंने कैंपस सुरक्षा, विविधता और छात्र अधिकारों की वकालत की और नस्लवाद और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई।

- 31 वर्षीय रिनी जब सात साल की थी, तब अपने परिवार के साथ तमिलनाडु से अमेरिका गईं थी।
- युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया में पढ़ी रिनी सम्पत वहाँ छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप काफी चर्चित थीं। वर्तमान में वे साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल होने के साथ-साथ सरकारी ठेकेदार भी हैं।
- अगर उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मेयर पद का प्रत्याशी चुन लिया जाता है तो वे मेयर चुनाव के मत पत्र पर नज़र आने वाली पहली दक्षिण एशियाई हस्ती होंगी।

वे 2026 वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में भाग ले रही हैं। विशेष रूप से, वे इस पद के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवारों में शामिल हैं।

संपत खुद को पोलिटिकल आउटसाइडर के रूप में प्रस्तुत करती हैं, जो स्थापित राजनीतिक समूहों से जुड़ी हुई नहीं है। उनका अभियान "फिक्स द बेसिक्स" के थीम पर केन्द्रित है, जिसमें शामिल हैं: इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार (सड़कों, गड्ढ़ों की मरम्मत), पोटोमैक नदी में अपशिष्ट जल की समस्याओं का समाधान, आपातकालीन सेवाओं, जैसे 911 का रैस्पॉन्स देने के समय में सुधार। उन्होंने मौजूदा नेतृत्व की आलोचना करते हुए कहा कि शहर की सरकार बुनियादी सेवाओं में विफल रही है।

संपत के अनुसार, उन्होंने चुनाव में भाग लेने का निर्णय खराब शहर सेवाओं, जैसे बर्फीले तूफान पर रैस्पॉन्स प्रतिक्रिया, और इन्फ्रास्ट्रक्चर की विफलताओं से उत्पन्न निराशा के कारण लिया।

वॉशिंगटन डीसी में डेमोक्रेट्स का वर्चस्व है और 1975 के बाद से इस शहर में कभी भी रिपब्लिकन मेयर नहीं रहे। इसके पहले, शहर का प्रशासन अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त कमिश्नरों के बोर्ड द्वारा चलाया जाता था। कोलंबिया जिले का प्रशासन लोकप्रिय रूप से चुने गए मेयर और 13 सदस्यीय जिला परिषद द्वारा किया जाता है।

उन्होंने कहा, "वॉशिंगटन डीसी के मेयर के रूप में मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगी कि हमारा शहर अपने निवासियों के प्रति अपनी बुनियादी जिम्मेदारियों को पूरा करे। प्रशासन गड्ढ़ों को भरें। पोटोमैक में विनाशकारी अपशिष्ट जल रिसाव को रोके। कीमतें कम करें। 911 की प्रतीक्षा समय में सुधार करे।"

प्राइमरी चुनाव 16 जून को और आम चुनाव 3 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

मेयर चुनाव में अन्य उम्मीदवार हैं, जनीस लुईस जॉर्ज, केन्यन मैकडफी, गैरी गुडवेदर, रॉबर्ट एल ग्रॉस और रॉन्डा हैमिल्टन।

नासिक में बड़ा हादसा

नासिक, 04 अप्रैल। महाराष्ट्र के नासिक जिले के दिंडोरी तालुका में देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। एक मारुति एक्सएल 6 कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पानी से भरे कुएं में जा गिरी, जिसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल थे। हादसा शुक्रवार रात डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ।

पुलिस के अनुसार,पीड़ित लोग डिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। इन बच्चों में सात से 14 साल की उम्र की पांच लड़कियां और 11 साल का एक लड़का शामिल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कुएं में कार गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत।

संक्षिप्त

साइबर-फ्रॉड मामले दो ठग गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन हंटर के तहत जिला स्पेशल टीम ने पुरानी टोंक थाना क्षेत्र से दो साइबर ठगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो बाईक व अन्य सामान जब्त किए। इस दौरान डीएसटी टीम ने ऑपरेशन हंटर के तहत साइबर ठगी के मामले में कार्यवाही करते हुए 90 लाख रुपए के फ्रॉड का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोबाइल पर फर्जी लिंक भेजकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे और 100 से ज्यादा फर्जी सिम का इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से पासबुक, एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, कई मोबाइल, साथ ही दो महंगी बाइके जब्त की है। इन आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध एनसीआरपी पोर्टल पर करीब 21 ऑनलाइन शिकायतें दर्ज कह है तथा दोनों आरोपियों से गहनता से पूछताछ जारी है साथ ही साइबर नेटवर्क की गहनता से जांच भी की जा रही है। इस कार्यवाही में टीम ने आरोपी नमोनारायण उर्फ नमो पुत्र रामफूल मीणा उम्र 19 साल एवं आकाश पुत्र रामेश्वर मीणा उम्र 20 साल निवासी खोहल्या थाना बनेठा को गिरफ्तार किया है।

अभय सैनी शाहपुरा सम्मानित

शाहपुरा। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा घोषित 12 वीं बोर्ड विज्ञान वर्ग में होनहार छात्र अभय सैनी पुत्र विजय सैनी शाहपुरा ने 94.20 अंक प्राप्त कर शाहपुरा का नाम रोशन किया है। अभय सैनी जनता बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय न्यू कॉलोनी शाहपुरा का छात्र है। शनिवार को अभय सैनी का दी बार एसोसिएशन शाहपुरा जिला जयपुर राजस्थान के पूर्व कोषाध्यक्ष व आम आदमी पार्टी के शाहपुरा विधानसभा के ब्लाक अध्यक्ष, माली सैनी महासभा जयपुर देहात के उपाध्यक्ष शाहपुरा तहसील, नोटरी पब्लिक भारत सरकार एडवोकेट महेश कुमार सैनी नायन ने स्वागत किया। इस दौरान हिमांशु सैनी नायन, समाज सेविका ममता सैनी, तनिष्का सैनी, सोनम सैनी, अनिष्का सैनी, तनिष्का सैनी, गुरुदेव डीजे साउण्ड के प्रोपराइटर इंद्राराज सैनी, अर्जुन लाल सैनी मेडिकल नायन ने स्वागत कर बधाई। अभय सैनी के पिता विजय सैनी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीएम आवास का करेगें घेराव

दौसा (निसं.)। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर 8 अप्रैल को प्रदेश भर के ग्राम विकास अधिकारी अपनी मांगो के समर्थन में सीएम आवास का घेराव करेगें। जिला मंत्री मुकेश चन्द मीणा ने बताया कि राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के चलाये जा रहे पदोन्नित नहीं तो काम नहीं आंदोलन के तहत 23 मार्च को संपूर्ण राजस्थान में प्रत्येक ज़िला मुख्यालय पर ज़िला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मार्फ़त मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, केबिनेट मंत्री मदन दिलावर के नाम ग्राम विकास अधिकारियो को पदोन्नित दिये जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपे गए थे। लेकिन अभी तक सरकार ने ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग की महत्वपूर्ण मांग पदोन्नित एवं केडर स्ट्रेंथन पर कोई कार्यवाही नहीं की है, जिससे ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग में रोष है।

अमृत भारत योजना के तहत फुलेरा रेलवे स्टेशन की कब बदलेगी तस्वीर

फुलेरा जंक्शन पर यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने से अधर-उधर भटकना पड़ता है।

- धीमी रफ्तार कार्य के चलते 3 वर्षो से रेलयात्री हो रहें परेशान

फुलेरा। रेलवे विभाग की ओर से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों ने जहां स्टेशन की तस्वीर बदलने की उम्मीद जगाई है, वहीं फुलेरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पिछले तीन सालों से धीमी गति से हो रहे काम के कारण रेलयात्रियों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है साथ ही रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं को भी तरसना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि फुलेरा रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 6 अगस्त 2023 को वर्चअल शिलान्यास किया गया था, तब से निर्माण कार्य चल रहा है और अभी कार्य गति को देखते हुए पूरा कार्य होने में लगभग एक वर्ष और लगने की सम्भावना जताई जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के अंतर्गत इस योजना में फुलेरा स्टेशन का पुनर्विकास करीब 34.38 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर पूजा मित्तल के अनुसार, स्टेशन पर अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं विकसित की जा रही हैं और पुरानी सुविधाओं का उन्नयन किया जा रहा है। स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1, 4 और 5 को हाई लेवल किया जा चुका है, वहीं प्लेटफॉर्म नंबर 5 का विस्तार भी किया गया है। नई बिल्डिंग में बुकिंग ऑफिस चालू कर दिया गया है। साथ ही सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग, विश्रामालय, वीआईपी कक्ष और अलग-अलग प्रवेश-निकास द्वारों का निर्माण लगभग पूर्ण बताया जा रहा है। साथ ही 12 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज के गर्डर लॉन्चिंग का कार्य जारी है और नए भवन को हेरिटेज लुक देने की योजना है। फुलेरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पांच प्लेटफार्म बने हुए हैं, परंतु मूत्रालय व शौचालय की व्यवस्था तक नहीं है। प्लेटफार्म संख्या 2-3 के मध्य जयपुर की ओर मात्र एक शौचालय बना हुआ है। जानकारी अनुसार फुलेरा रेलवे स्टेशन के मुख्य प्लेटफार्म 2 व 3 की कुल लम्बाई लगभग 800 मीटर है, जिसके एक छोर पर शौचालय बना हुआ है। 20 से 24 डिब्बों की ट्रेन जिसकी लम्बाई भी लगभग 500-550 मीटर के आसपास होती है। इन ट्रेनो में यात्रा करने वाले मुसाफिरों को शौचालय का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जबकि फुलेरा जंक्शन से जयपुर, अजमेर, रींगस व जोधपुर की ओर यानि चारों दिशाओं में रेलयात्रा की जा सकती है।

होली स्नेह मिलन मनाया

टोंक। नगरफोर्ट क्षेत्र के मांडकला में अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वावधान में होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें समाज की धर्मशाला के जीर्णोद्धार की रूपरेखा बनाई गई। कार्यक्रम में भामाशाहों ने लाखों रुपए सहयोग की घोषणा की, इस समारोह में समाज के लोगों ने भाग लिया और वक्ताओं ने शिक्षा व सामाजिक सुधार पर जोर दिया। कार्यक्रम में टोंक सहित बूंदी और सवाई माधोपुर के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवाई विधायक रामसहाय वर्मा ने करते हुए कहा कि शिक्षा के बिना समाज का विकास संभव नहीं है। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देने और सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की बात कही। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएल नवल ने अंधविश्वास से दूर रहने और उच्च शिक्षा पर जोर दिया। वही जिलाध्यक्ष शंकर लाल हाथीवाल ने समाज में कुरीतियां खत्म करने और सामाजिक व राजनीतिक एकता मजबूत करने की बात कही।

'घरेलू व व्यावसायिक सिलेंडर नहीं मिलने से उधोग-धंधे बंद व आमजन परेशान'

- पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा व नेता प्रतिपक्ष जूली का स्वागत, डोटासरा व जूली ने राज्य सरकार पर जमकर साधे निशाने

कोटपूतली। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व राजस्थान विधानसभा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के राजधानी जयपुर से खैरथल- तिजारा में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने जाते वक्त कोटपूतली आगमन पर पूतली कट के पास कांग्रेस एससी विभाग के जिलाध्यक्ष, कांग्रेस नेता व पूर्व पार्षद तारा पूतली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका साफा व माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

इस मौके पर डोटासरा व जूली ने राज्य सरकार पर जमकर निषाने साधे। नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा कि प्रदेश में गैस की कमी है तो लोगों से कम उपयोग की अपील करें। वर्तमान हालातों का असर उधोगों पर ही नहीं बल्कि आम आदमी पर भी पडा हैं।

अगर सरकार अपील करेगी तो लोगों सहयोग करेंगें। कोरोना काल में तो इनके कहने पर ताली- थाली भी बजा ली थी। देश की जनता एकजुट होकर सहयोग करना चाहती हैं, लेकिन ये लोग पैनिक क्रिएट कर रहे हैं, जिससे गैस की कालाबाजी हो रही हैं।

पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि घरेलू व व्यावसायिक सिलेंडर नहीं मिलने से उधोग बंद हो चुके हैं एवं आमजन परेशान हैं। उधोग बंद होने से मजदूर वापस जा रहे हैं क्योंकि ना तो उनके रहने की व्यवस्था हैं एवं ना ही खाने- पीने की, पीएम मोदी की विदेश नीति फैल हैं, देश व प्रदेश की डबल इंजन सरकार असफल साबित हो चुकी हैं। दोनों नेताओं ने बेरोजगारी, पंचायती राज व निकाय चुनावों पर राज्य सरकार को जमकर घेरते हुये कहा कि भजन लाल सरकार पूर्णतया: विफल साबित हो चुकी हैं।

इस दौरान कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा, जिला उपाध्यक्ष अमरसिंह गुर्जर, कमलेश मीणा, रवि मीणा, युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रदीप कसाना, दारासिंह कसाना, संदीप डेलीगेट, महेंद्र पूतली, भूपसिंह पूतली, देशराज आर्य, आर्यन, मौसम आर्य, रवि सेहरा, मोहित शेखावत, मोहित सैनी, सच्ची टोरडा, देवराज पावटा, सुरेन्द्र मीणा, नरेश सैनी, सुनील कुमार, कुलदीप जाट, अंकित शर्मा, हेमंत शर्मा, योगेन्द्र शेखावत, आशीष खेडा, सावन मीणा, अरुण मीणा, जीतू राजपूत, संजय खेडा, रूप स्वामी, रमेश सैनी ठेकेदार, अनिल अमाई, सोनू जांगिड़ समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहें।

फसलों में 50 प्रतिशत तक नुकसान

रुदावल भरतपुर, (निस)। रुदावल क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम आए तेज अंधड़ से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। तेज अंधड और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों में भी भारी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के गांव कोठीखेड़ा एवं संतोकपुरा, कंजौली, माडापुरा, नगला बोसोली सहित लगभग सभी गांवों में अंधड व बारिश, ओलावृष्टि से किसानों का काफी नुकसान हुआ है।

अंधड के कारण काफी संख्या में विद्युत पोल टूटने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। पोल टूटने से बदहाल हुई विद्युत आपूर्ति कुछ ठाामीण क्षेत्रों में शनिवार शाम तक भी सुचारु नहीं हो पाई। ठााम संतोकपुरा के पास पेड़ के टूटने से बाइक सवार गांव संतोकपुरा निवासी हरी सिंह मीना के सिर में गंभीर चोट आई है। गांव संतोंकपुरा में ही घर में पेड़ की डाली टूटकर गिरने से राजू प्रजापत के पैर में गंभीर चोट आई है।

अतिक्रमण हटाने से पहले हटाया सामान

भरतपुर (निस)। भरतपुर नगर निगम की टीम की ओर से शनिवार को रेड क्रॉस सर्किल के पास अतिक्रमण हटाया गया। यहां टीम ने 4 दुकानों और 1 गोदाम को तोड़ा।

यह जमीन ट्रस्ट के नाम थी, जिस पर दुकान और गोदाम बनाकर कॉमर्शियल यूज लिया जा रहा था। नगर निगम के आयुक्त श्रवण विश्नोई ने बताया कि रेड क्रॉस सर्किल के पास कुछ जमीन एक ट्रस्ट को दी गई थी। इसका धार्मिक तरीके से उपयोग करना था। इसमें धर्मशाला, सत्संग भवन बनाया जाए लेकिन, उस जमीन का कमर्शियल उपयोग किया जा रहा है। इसे लेकर हमारे पास शिकायत आई थी। जमीन पर कब्जर करने वाले लोगों को 10 दिन पहले नोटिस दिया गया था। लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। इसके बाद शनिवार को नगर निगम की टीम खुद मौके पर पहुंची और बुलडोजर से सभी पक्के निर्माण को तोड़ा गया। जमीन पर लोग स्टे लेकर आए थे। इसलिए ड्रेनेज और सड़क का काम रुका हुआ था। अतिक्रमण हटाने के बाद ड्रेनेज और सड़क का काम भी शुरू कर दिया जाएगा। 4 दुकानें और एक गोदाम को तोड़ा गया है। जमीन को पूरी तरह के खाली करवाया जा रहा है। निर्माण तोड़ने से पहले दुकानों को खाली करवाया गया है। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकान वालों ने नगर निगम की टीम का विरोध किया। उनका कहना था कि सोमवार तक नगर निगम समय दे। नगर निगम को इस बात का डर था की अतिक्रमणकारी फिर से स्टे नहीं ले आये। उससे पहले नगर निगम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

नाले के अवरोध से सड़क बनी तालाब

पावटा। प्रागपुरा कस्बे में सीताराम मंदिर के पास मुख्य सड़क नाले के अवरोध के चलते गंदे पानी से लबालब भर गई है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हालात इतने खराब हैं कि सडक अब तालाब जैसी नजर आने लगी है और लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर 181 हेल्पलाइन पर चार बार शिकायत दर्ज करवाई जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। प्रशासन की इस उदासीनता से लोगों में रोष व्याप्त है।

पावटा में रेहड़ियों को शिफ्ट किया

पावटा। कस्बे में अतिक्रमण व यातायात व्यवस्था को सुधारने के उद्देश्य से प्रशासन ने बडी कार्रवाई करते हुए पावटा कस्बा स्थित बस स्टैंड, नालों के किनारे लगी फल-फ्रूट की रेहड़ियों को हटाकर अन्य स्थान नवोदय कट के पास शिफ्ट किया। कार्रवाई के दौरान नगरपालिका व प्रशासनिक टीम मौके पर मौजूद रही और रेहड़ी संचालकों को वैकल्पिक स्थान पर जाने के निर्देश दिए गए। प्रशासन द्वारा बस स्टैंड को भी अस्थायी रूप से अन्य स्थान पर शिफ्ट करने का निर्णय लेते हुए सब्जी मंडी कट के सामने व नवोदय कट के सामने शिफ्ट किया, ताकि क्षेत्र में यातायात का दबाव कम किया जा सके और जाम की समस्या से राहत मिल सके। हालांकि इस फैसले को लेकर आमजन व यात्रियों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली। कार्रवाई के बावजूद स्थानीय लोगों में नाराजगी भी सामने आई। नागरिकों का कहना है कि जहां छोटे व्यापारियों पर सख्ती दिखाई जा रही है, वहीं दोनों अंडरपास के पास लंबे समय से हो रही वाहनों की अवैध पार्किंग पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोगों का आरोप है कि अवैध पार्किंग के कारण रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे राहगीरों व यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ती है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर गंभीर नजर नहीं आ रहे।

मां शाकंभरी की पावन धरा पर पहली दफा होगा

- दिल्ली के पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा हास्य कवि सहित राष्ट्रीय स्तर की हस्तियां करेंगी शिरकत

सांभरझील, (निसं)। यहां मां शाकंभरी की अनुकंपा से नंदीकेश्वर मेला कमेटी के अध्यक्ष कुलदीप व्यास की शुद्ध इच्छा शक्ति व सात्विक प्रयासों के परिणाम स्वरूप सांभर की ऐतिहासिक व धार्मिक भूमि पर विप्र फाउंडेशन की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी का भव्य अभिनंदन समारोह आगामी 12 अप्रैल को इतिहास में दर्ज होने जा रहा है।

इसके लिए सभी विप्र बंधुओं को समरोह में अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराने हेतु खास अनुरोध किया गया है। विप्रो फाउंडेशन के नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुलदीप व्यास बताते हैं कि यह सांभर के लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की ओर से उन्हें इस अभिनंदन समारोह के प्रोठााम को ऑर्गेनाइज करने की खास जिम्मेदारी दी गई है। मुझे उम्मीद ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि सभी विप्र बंधु हर्ष और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम की भव्यता को चार चांद लगाने में अपना खास योगदान देंगे। मां शाकंभर मंदिर प्रबंधन न्यास के अध्यक्ष कुलदीप व्यास बताते हैं कि विप्र शिरोमणि सुशील ओझा के सानिध्य में सभी को नई ऊर्जा तो मिलेगी ही साथ ही उनका मार्गदर्शन व सहयोग अविस्मरणीय रहेगा। अभिनंदन समारोह में संरक्षक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा "गुरुजी" व विप्रो फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीमाली का आशीर्वचन व विप्र बांधुओ को दिया जाने वाला संदेश समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

नगर परिषद के हालात बेहाल, मुख्य सड़कों पर भरा नालियों का गंदा पानी

कोटपूतली कस्बे में सफाई व्यवस्था दिन-प्रतिदिन बदतर होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

- स्वास्थ्य संबंधी बढ़ रहे खतरे, नगर परिषद प्रशासन से शीघ्र प्रभावी कार्यवाही की मांग

कोटपूतली। कस्बे में सफाई व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। नगर परिषद की लापरवाही के चलते मुख्य सडकों पर नालियों का गंदा पानी भरा रहने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को मजबूरन गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ गये हैं। भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार बंसल ने नाराजगी जताते हुये बताया कि श्रीराम भवन एवं कस्बे के सबसे बड़े राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विधालय के पास स्थित नालों में भारी गंदगी जमा है। जगह-जगह टूटी हुई नालियों के कारण गंदे नालों का पानी लगातार सड़कों पर बह रहा है। इससे छात्रों, अभिभावकों व राहगीरों को काफी असुविधा हो रही है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रफुल्ल रमन ने बताया कि नगर परिषद द्वारा सफाई व्यवस्था के लिये प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का टेंडर जारी किया जाता है। इसके बावजूद धरातल पर सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई नजर आ रही है। नगर परिषद द्वारा नालों की सफाई के टेंडर अलग से किये जा चुके हैं, बावजूद इसके वार्डों में सफाई नहीं हो रही है। पूर्व पार्षद प्रतिनिधि अनिल शरण बंसल ने बताया कि वार्ड नं. 19 एवं नगर परिषद पार्क के पीछे नालियों में बदबूदार गंदा पानी भरा हुआ हैं, जरा सी बारिश आते ही नालियों का गंदा बदबूदार पानी सड़कों पर आ जाता है। वार्ड नं. 18 के पूर्व पार्षद प्रमोद गुरुजी का आरोप है कि सफाई ठेकेदार के पास टेंडर के अनुसार आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध नहीं हैं।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

डॉ. विवेक भारद्वाज सम्मानित

भरतपुर (निस)। भरतपुर संभाग के जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज में प्रिंसिपल पद पर नियुक्त होने पर फिजिशियन डॉ. विवेक भारद्वाज का स्वागत सम्मान किया गया। मुखर्जी नगर पर उनके निज निवास पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशलेश शर्मा की नेतृत्व में भरतपुर के आराध्यदेव बिहारी जी काप्रतीक चिन्ह, पटका एवं माला भेंट कर स्वागत सम्मान किया एवं डॉ. विवेक भारद्वाज को पदभार ठाहण करने पर हार्दिक बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गयी। इस ऐतिहासिक अवसर पर कौशलेश शर्मा ने कहा कि भरतपुर के किसी डॉक्टर का इतने बड़े कॉलेज में प्राचार्य के रूप में नियुक्त होना बड़े ही हर्ष का विषय है। ऊँचे पद पर पहुँचकर भी जमीन से जुड़े रहना डॉक्टर साहव के व्यक्तित्व को निखारता है भारद्वाज जी समाज के सच्चे नायक हैं क्योकि जीवन में विचार और व्यवहार दो ही चीजें हैं जो. इंसान के व्यक्तित्व को निखार देती है दोनों ही गुण डॉक्टर साहब में समाहित है। इस अवसर पर ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशलेश शर्मा, केदार नाथ पाराशर आदि मौजूद थे।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य राजेन्द्र कुमार मीणा पुत्र श्री कानाराम मीणा प्लाट संख्या-30 उदक पापड रोड नम्बर-1 वी.के.आई. एरिया जयपुर ने ग्राम गुवारडी पटवार क्षेत्र जयसिंहपुरा, तहसील चौमू जिला जयपुर में स्थित कृषि भूमि के निम्न खसरा संख्या 960 नया 2067, 961 नया 2092, 962/1113 नया 2081, 956/1568 नया 2067, 962/1570 नया 2082, 962/1573 नया 2093, 964 नया 2089, 2217 967 नया 2098, 970 नया 2064, 966/1576 नया 2099, 968/1577 नया 2097, 965/1622 नया 2102 व 965 नया 2212, 2001, 810/1469 नया 2213 व 963 नया 2090, 969 नया 2095, 971 नया 2095, 962/1572 नया 2083 में सांवरमल, मंगल, रूडमल पुत्रान प्रभात का समस्त हिस्सा उक्त खसराओ का जरिये मुख्त्यार श्री रामू व श्री शंकर से क्रय कर उक्त खसराओं की भूमि में उक्त व्यक्तियों के हिस्से को अपनी पत्नी श्रीमती ममता के हित में दान पत्र पंजीबद्ध करवा दिया है तथा भूमि पर वास्तविक, भौतिक कब्जा मेरे अभिभाष्य का है। कोई भी व्यक्ति, संस्था या निकाय उक्त खसरा संख्या की भूमि के प्रति कोई क्रय विक्रय का संव्यवहार न करें न ही ऋण भार इत्यादि उक्त भूमि पर रहन इत्यादि से कारित करं, बावजूद सूचना के कोई भी संव्यवहार, ऋण, रहन, क्रय विक्रय आदि किया जाता है जो ऐसा प्रत्येक प्रकार का कत्य मेरे अभिभाष्य के उक्त भूमि के अधिकारों के प्रति प्रभावशून्य होगा। अतएव एवं सूचित रहें।
जयपुर (सतीश मोदी) एडवोकेट
दिनांक-04.04.2026 मो. 9314833316

नाम परिवर्तन मैं, चन्द्र शेखर सुरोलिया पुत्र श्री रवि सुरोलिया, निवासी ग्राम श्याम नगर, पोस्ट काचरोदा, जिला जयपुर (राजस्थान) शपथपूर्वक घोषणा करता हूँ कि मेरे नाम में कुछ दस्तावेजों में भिन्नता पाई गई है। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक खाते में मेरा नाम Chandra Shekhar Surolia दर्ज है जबकि पासपोर्ट में मेरा नाम Chandra Shekhar तथा माता का नाम Sonika Devi अंकित है, जबकि मेरी माता के स्वयं के सभी दस्तावेजों में Sonika Surolia दज है। अतः मैं घोषित करता हूँ कि Chandra Shekhar एवं Chandra Shekhar Surolia दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

नाम परिवर्तन

मै राज कुमार शेरवाल पुत्र श्री तेजपाल निवासी फ्लैट-608 सौम्या स्काई एलीट, सन फ्लोरल किड्स स्कूल के पास, जगतपुरा जयपुर राज.302017 हूँ। 10वीं मार्कशीट में मेरा नाम राजकुमार है अन्य सभी दस्तावेजों में राज कुमार शेरवाल है इसलिए मैंने अपना नाम बदलकर राज कुमार शेरवाल कर लिया है।

I A NAVYA Spouse of JC-462139N Rank SUB Name SATHYA KUMAR A present unit 8 MARATHA LI residing at Vill-BHARAT NAGAR Post-Bharat Nagar, Teh-Bangarpet, Dist-Kolar, State-Karnataka Pin-563115. have changed my Name from A NAVYA to ATKURI NAVYA vide affidavit dated 03 Apr 2026. The Rahul Yadav & Notary, Jaipur (Raj.)

I have changed my name from Virendra Kumar Agarwal to Virendra Agrawal for all purpose R/o 113 chitragupt nagar-1 imli phatak Jaipur (Raj.

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या 25 रजनी विहार अजमेर रेड, जयपुर का सोसायटी पट्टा एवं रसीद कहीं गुम हो गये है सूचित करें-आलोक अग्रवाल-9829069113

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)
क्रमांक-एफ.55()वि. जोन/न.नि.ज./2026/14
सार्वजनिक सूचना दिनांक-02.04.2026
भूखण्ड सं. 243 चॉद बिहारी नगर, झोटवाडा, जयपुर (शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीमती संतोष कंवर पत्नी श्री नरपत सिंह के पक्ष में क्षेत्रफल 190.00 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। श्रीमती संतोष कंवर पत्नी श्री नरपत सिंह ने जरिए पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 28.05.2019 को उक्त भूखण्ड में से दक्षिणी भाग क्षेत्रफल 95 वर्गगज श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी श्री पूनम चन्द सोनी को विक्रय कर दिया। नगर निगम जयपुर द्वारा जरिए पत्र क्रमांक 1138 दिनांक 16.07.2020 को भूखण्ड संख्या 243 (दक्षिणी भाग) चॉद बिहारी नगर झोटवाडा, जयपुर क्षेत्रफल 95.00 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण पत्र श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी श्री पूनम चन्द सोनी के नाम जारी किया गया। श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी श्री पूनम चन्द सोनी ने जरिए पंजीकृत वसीयत नामा उक्त भूखण्ड श्री मुकेश सोनी पुत्र श्री पूनम चन्द सोनी के पक्ष में वसीयत कर दी। दिनांक 02.02.2026 को श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी श्री पूनम चन्द सोनी की मृत्यु हो गई। उक्त दस्तावेजों के आधार पर श्री मुकेश सोनी पुत्र श्री पूनम चन्द सानी द्वारा भूखण्ड संख्या 243 (दक्षिणी भाग) चॉद बिहारी नगर, झोटवाडा, जयपुर (शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति) क्षेत्र 95.00 वर्गगज का नाम हस्तान्रण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बायत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन, नगर निगम जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नंबर: DEV/JAIPUR-1/TRUST/2026/1988
चूंकि प्रार्थी श्री Sanjay Kumar Jain, B-180, A-2, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaiur-302015 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अंतर्गत प्रन्यास, सर्वोदय अहिंसा, C-119, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur के संबंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णीत किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।
आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 03/06/2026
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2070
चूंकि प्रार्थी श्री बजरंग लाल सेठिया, 14, नेहरू पथ, कृष्णा नगर-द्वितीय, लाल कोठी, जयपुर-302015 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास महाप्रज्ञ जन कल्याण केन्द्र, 14, नेहरू पथ, कृष्णा नगर-द्वितीय, लाल कोठी, जयपुर-302015 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 05.06.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2075
चूंकि प्रार्थी श्री शेर सिंह शॉप नं. 7, द्वितीय फ्लोर भगवती रेजीडेन्सी चित्रकूट कॉलोनी, झोटवाडा जयपुर 302012 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास कर्मा फाउण्डनेशन शॉप नं. 7, द्वितीय फ्लोर भगवती रेजीडेन्सी चित्रकूट कॉलोनी, झोटवाडा जयपुर 302012 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 04.06.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2058
चूंकि प्रार्थी श्री AMIT GOYAL, A-476, VAISHALI NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास तिरूपति कॉलेज ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन सोसायटी A-476, VAISHALI NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02.06.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नाम परिवर्तन

I, KAVITA Spouse of No. JC-462204H Rank SUB Name DABHADE PRADIP BALASO present unit 8 MARATHA LI residing at Post - Dattnagar, Teh-Shirol, Dist-Kolhapur, State - Maharashtra, Pin-416120, have changed my Name from KAVITA to KAVITA PRADIP DABHADE vide affidavit dated 23 Mar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj.)

I, MANGAL Mother of No. JC-462204H Rank SUB Name DABHADE PRADIP BALASO present unit 8 MARATHA LI residing at Post - Dattnagar, Teh-Shirol, Dist-Kolhapur, State - Maharashtra, Pin-416120, have changed my Name from MANGAL to MANGALA BALASO DABHADE vide affidavit dated 23 Mar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj.)

I, BALASO Father of No. JC-462204H Rank SUB Name DABHADE PRADIP BALASO present unit 8 MARATHA LI residing at Post - Dattnagar, Teh-Shirol, Dist-Kolhapur, State - Maharashtra, Pin-416120, have changed my Name from BALASO to BALASO HINDU RAO DABHADE vide affidavit dated 23 Mar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj.)

I GEETA CHOUDHARY Spouse of No. 2822751P Rank SEP Name PRADEEP KUMAR present unit 8 MARATHA LI residing at Vill - Sihavali, Post - Chharra, Teh - Atroli, Dist-Aligarh, State - Uttar Pradesh, Pin - 202130 have changed my Name from GEETA CHOUDHARY to GEETA CHAUDHARY vide affidavit dated 24 Mar 2026. The Dinesh Paldiya & Notary (Central), Kota (Raj.)

I PRIYA Spouse of No. JC-463102Y RANK nb sub NAME tanpure pravin rambhau PRESENT UNIT 8 maratha li RESIDING AT Vill - Shiur, Post-Jamkhed, Teh-Jamkhed, Dist-Ahmed Nagar, State-Maharashtra, Pin-413201, have changed my Name affidavit dated 23 Mar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj.)

I SATYAVVA Mother of No. 2810283N Rank SEP Name RAVEENDRA RAMAPPA AJJAPPANAVAR present unit 8 MARATHA LI residing at Post-Sundholi, Teh-GOKAK Dist-Belagavi, State-Karnataka, Pin-591227, have changed my Name from SATYAVVA to SATYAVVA AJJAPPANAVAR and Date of Birth 22.07.1961 to 01.01.1957 vide affidavit dated 23 ar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj).

I SEEMABAI Spouse of No. 2813183N Rank Hav Name SHYAM LAL DANGI present unit 8 MARATHA LI residing at Vill-Lakhoni, Post-Lakhoni, Teh-Zirapur, Dist-Rajgarh, State-Madhya Pradesh, Pin-465693, have changed my Name from SEEMABAI to SEEMA KUMARI DANGI vide affidavit dated 24 Mar 2026. The Dinesh Paldiya & Notary (Central), Kota (Raj.)

I MANEESHA Spouse of No. 2812039M Rank SEP Name NEETESH RATHOR present unit 8 MARATHA LI residing at Ward No. 14, Purane Petrol Pump Ke Piche, Jamai, Post- Junnardeo, Teh-Junnardeo, Dist-Chhindwara, State Madhya Pradesh, Pin-480551 have changed my Name from MANEESHA to MANEESHA RATHOR vide affidavit dated 24 Mar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj.)

I SUSHILA RATHOR mother of No. 2812039M Rank SEP Name NEETESH RATHOR Present unit 8 MARATHA LI residing at Vill-Tanda (Tumda) Post-Hirdagarh, Teh-Junnardeo. Dist-Chhindwara, State-Madhya Pradesh Pin-480551 have changed my Name from SUSHILA RATHOR to CHOUSHEELA RATHOR vide affidavit dated 23 Mar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj.)

I VANDANA Spouse of No. 2810114M Rank HAV Name BARE SANDIP SAHEBRAO present unit 8 MARATHA LI residing at Vill-Rampur Post-Naitale, Teh-Nipha, Dist-Nashik, State-Maharashtra, Pin-422303 have changed my Name from VANDANA to VANDANA SANDIP BARE vide affidavit dated 24 Mar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj.)

I MEGHA Spouse of No. 2808887N Rank HAV Name JAGTAP SAMBHAJI SHIVAJI present unit 8 MARATHA LI residing at Post-Loni Bhapakar, Teh-Baramati, Dist-Pune, State-Maharashtra, Pin 413110, have changed my Name from MEGHA to JAGTAP MEGHA SAMBHAJI vide affidavit dated 24 Mar 2026. The Dinesh Paldiya & Notary (Central), Kota (Raj.)

I SAQUAN mother of JC-462139N Rank SUB Name SATHYA KUMAR A present unit 8 MARATHA LI residing at Post-Bharat Nagar, Teh-Bangarpet, Dist-Kolar, State-Karnataka, Pin-563115, have changed my Name from SAQUAN to SUGUNA N and Date of Birth 26.08.1949 to 01.01.1948 vide affidavit dated 03 Apr 2026. The Rahul Yadav & Notary, Jaipur (Raj.)

भर्ती परीक्षाओं में ब्लूटूथ डिवाइस से नकल करने वाला बदमाश गिरफ्तार

हाईकोर्ट की लिपिक ग्रेड द्वितीय सीधी भर्ती परीक्षा में नकल करने का मामला

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं में ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए नकल करने वाले 25 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी डेढ़ साल से फरार था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पदों पर सीधी भर्ती के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 12 मार्च 2023 एवं 19 मार्च 2023 को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में आरोपी राजेश कुमार रेवाड़ (निवासी रूखासर, थाना रतनगढ़, जिला चूरू) ने जयपुर स्थित परीक्षा केंद्र नेहरू ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल

आरोपी राजेश कुमार रेवाड़

की थी। जांच में सामने आया कि संगठित नकल गिरोह के मुख्य आरोपी पावर कालेर ने मोबाइल

- आरोपी राजेश कुमार रेवाड़ पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था, वह डेढ़ साल से फरार चल रहा था
- आरोपी की पत्नी भी इसी तरह नकल करने के मामले में एसओजी ने पकड़ा था

फोन के जरिए ब्लूटूथ डिवाइस से प्रश्न पत्र के उत्तर आरोपी तक पहुंचाए थे। इस गिरोह ने कई अभ्यर्थियों से लाखों रुपए लेकर इसी तरीके से नकल करवाई थी। मामले के खुलासे के बाद राज्य सरकार ने संबंधित परीक्षा को निरस्त कर दिया था। इसी आरोपी ने 14 मई 2023 को आयोजित राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशासी अधिकारी (ईओ/आरओ) भर्ती परीक्षा में भी इसी तरीके से नकल की थी। इन मामलों में आरोपी लंबे समय से फरार था और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। एसओजी थाना जयपुर में दर्ज प्रकरण संख्या 09/2025 में जांच के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम ने 3 अप्रैल को आरोपी राजेश कुमार रेवाड़ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पत्नी बीबिता रेवाड को भी 19 अक्टूबर 2024 को इसी प्रकार ब्लूटूथ डिवाइस से नकल करने के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। फिलहाल पुलिस आरोपी और गिरोह के अन्य सदस्यों की भूमिका की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

जयपुर सहित 16 शहरों में हुई बारिश, 5 जगह ओले भी गिरे

जयपुर । प्रदेश में पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से लगातार आंधी-बारिश और ओलावृष्टि का दौर बना हुआ है। शनिवार को जयपुर सहित 16 शहरों में बारिश हुई। इस दौरान आधा दर्जन शहरों में ओलावृष्टि दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से दोपहर बाद मौसम बदला। इस दौरान कोटा, टोंक, बूंदी, दौसा और श्रीगंगानगर में बारिश के साथ ओले गिरे। अचानक बदले मौसम से लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिली, लेकिन फसलों को नुकसान हुआ है। शनिवार को अजमेर, वनस्थली, जयपुर, पिलानी, सीकर, कोटा, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, नागौर, जालोर और दौसा में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश अजमेर में 19 मिलीमीटर दर्ज की गई। शनिवार को चित्तौड़गढ़ सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 35.2 और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके असर से पिछले 24 घंटों में कुछ भागों में तेज आंधी बारिश दर्ज की गई। पश्चिमी राज में सर्वाधिक बारिश 11.5 मिमी करनपुर, श्रीगंगानगर व पूर्वी राज में 32 मिमी कोटड़ा, उदयपुर में रिकॉर्ड की गई। शनिवार को जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर में कहीं-कहीं तेज आंधी (40-50 कि.मी. प्रति घे) बारिश, ओलावृष्टि दर्ज

बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान को दिखाते किसान।

की गई। बीकानेर, जोधपुर संभाग के अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में 6 अप्रेल को दोपहर बाद एक और नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के कुछ भागों में पुन: तेज आंधी-बारिश गतिविधियां दर्ज होने की प्रबल संभावना है। 7 अप्रेल को विक्षोभ का सर्वाधिक असर होने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में तेज मेघगर्जन, आंधी (50-60 किमी प्रतिघंटा) व कहीं-कहीं ओलावृष्टि, मध्यम से तेज बारिश होने की प्रबल संभावना है। 8 अप्रेल को उत्तरी व पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने किसानों के लिए चेतावनी जारी की कि खुले आसमान में पककर तैयार फसलों, कृषि मंडियों व धान मंडियों में खुले में रखे हुए अनाज व जिंसो को ढककर रखें या सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें ताकि उन्हें भीगने से बचाया जा सके।

जयपुर में शनिवार को दिनभर हल्के से मध्यम बादल छाए रहे और अलग-अलग हिस्सों में सुबह-शाम हल्की बारिश दर्ज की गई। हालांकि बादलों के बीच से धूप की आंख मिचौली भी देखने को मिली। जयपुर के पारे में एक डिग्री से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर के अधिकतम तापमान में 1.2 और न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री दर्ज किया गया।

नया शैक्षिणक सत्र ऋषभ देव पखवाड़े के साथ शुरू

जयपुर । राजस्थान सरकार प्रमुख भजनलाल शर्मा और शिक्षा विभाग प्रमुख मदन दिलावर के दिशा निर्देश पर विद्यालयी शिक्षा विभाग के द्वारा राजस्थान में पहली बार नवीन शैक्षिणक सत्र का शुभारम्भ ऋषभदेव पखवाड़े से शुरू करने के निर्देश जारी हुए है। यह ऐतिहासिक निर्णय जो विद्यार्थियों को भारतीय पुरातन संस्कृति के साथ आध्यात्मिक परम्परा से परिचित कराने का एक सार्थक प्रयास है इससे विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव की भावना का विकास होगा,जो उनके समग्र व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तीर्थंकर ऋषभ देव की सभी धर्मावलंबी किसी न किसी रूप में वंदना करते है।

अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर के अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपुरा ने बताया कि तीन वर्गों में प्रतियोगिताएं होंगी। पूर्व प्राथमिक स्तर में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चें को शामिल किया गया है। इसमें ऋषभदेव की स्तुति, प्रार्थना, कहानी सुनना, श्रमणों के प्रवचन, चित्रकारी व पोस्टर निर्माण होगा। प्राथमिक स्तर में 7 से 11 वर्ष के बच्चों को ऋषभदेव की स्तुति, प्रार्थना, कहानी सुनना, श्रमणों के प्रवचन, चित्रकला, पोस्टर निर्माण, निबन्ध लेखन, कविता और एकल गायन प्रतियोगिताओं से जोड़ा जाएगा। वहीं माध्यमिक स्तर में 12-18 वर्ष तक के बच्चों के लिए भी कई प्रतियोगिताएं होंगी।

द्रव्यवती नदी के पास सांगानेर का गूलर बांध पुनर्जीवित करेगी भजनलाल सरकार

करीब 25 करोड़ रुपए की लागत से बांध पर करवाए जाएंगे विकास कार्य

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा को मूर्त रूप देने के लिए जल संसाधन विभाग ने ठोस पहल शुरू कर दी है। जयपुर शहर की द्रव्यवती नदी पर स्थित सांगानेर का गूलर बांध को पुनर्जीवित किया जा रहा है। बांध के सौंदर्यीकरण, नवीनीकरण एवं पर्यटन विकास के लिए लगभग 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के निर्देशन

- पर्यटन केन्द्र के रूप में गूलर बांध को विकसित करने की तैयारियां शुरू

में विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कर कार्यादेश जारी कर दिया है। विभाग के मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव भुवन भास्कर ने गूलर बांध का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुरेश खतानिया, अधीक्षण अभियंता रमाशंकर एवं अधिशासी अभियंता अनिल थालौर भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने निर्माण कार्य में उपयोग हो रही सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच करने और दस्तावेजों के सुव्यवस्थित संधारण के निर्देश दिए। निरीक्षण में बांध के ओवरफ्लो स्ट्रक्चर की स्थिति अत्यंत खराब होने की स्थिति में उन्होंने इस संरचना के तकनीकी पुन:डिजाइन और नए निर्माण के निर्देश दिए। मुख्य अभियंता ने बताया कि परियोजना

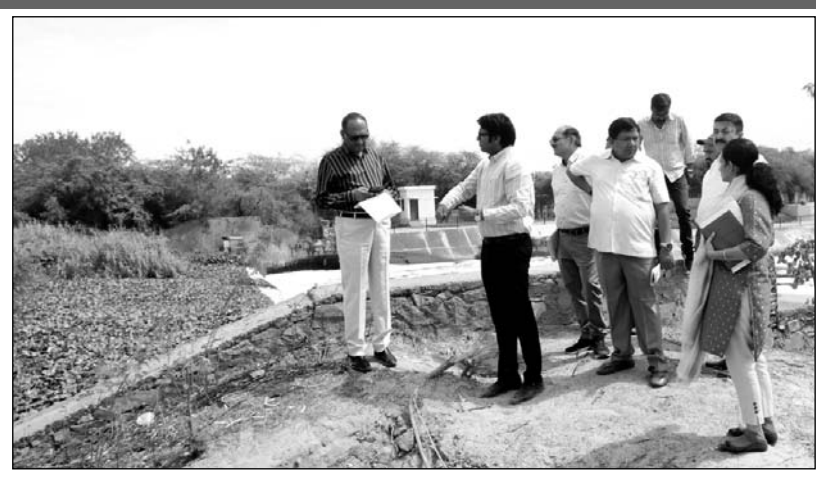

जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव भुवन भास्कर ने गूलर बांध का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

के अंतर्गत गूलर बांध को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत आकर्षक घाट और सुव्यवस्थित गार्डन का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्य अभियंता ने लैंडस्केपिंग के लिए एक समग्र एवं दीर्घकालिक योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। गूलर बांध के निरीक्षण के बाद मुख्य अभियंता ने नेवटा बांध का भी दौरा किया। इसे भी पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता थालौर ने बताया कि बरसात के दौरान अतिरिक्त जल प्रवाह से उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए बांध पर गेट लगाए जाएंगे, जिससे नहरों में जल प्रवाह को नियंत्रित किया जा सकेगा। साथ ही, चंदलाई की ओर जाने वाली नहर के दोनों ओर सुरक्षा दीवार का निर्माण भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग द्वारा कानोता, नेवटा, चंदलाई और गूलर जैसे प्रमुख बांधों के जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण की व्यापक योजना पर कार्य कर रहा है। इन प्रयासों से सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी। साथ ही, मानसून में जल प्रबंधन और शहरी जल निकासी की समस्याओं का भी स्थायी समाधान होगा।

एससी वर्ग के सभी समाजों को भाजपा से जोड़े : राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मोर्चा पदाधिकारियों का आव्हान करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग की सभी जातियों को भाजपा से जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को भाजपा ने सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है तथा 'पंचतीर्थ' के माध्यम से उन्हें उचित सम्मान प्रदान किया गया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है।

सार-समाचार

डॉक्टर्स लीग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले

जयपुर (कासं)। एसआरके हॉस्पिटल डॉक्टर्स प्रीमियर टेनिस लीग सीज़न 6 तथा नवनीत इमेजिंग डॉक्टर्स पिकल बाल लीग सीजन 1 में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के साथ क्वॉटर फाइनल मुक़ाबले संपन्न हुए है। जय क्लब में डीपीटीएल सीज़न 6 में शनिवार का दिन रोमांचक मुकाबलों से भरा रहा। लीग पेट्रन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि जय क्लब में डीपीटीएल में आज खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया व बड़े मुक़ाबलों के साथ क्वाटर फाइनल मुकाबले संपन्न हुए। लीग ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन व ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अनिल यादव ने बताया कि टीम इवेंट में ग्रुप ए के मैचों में केडिया हॉट शॉट्स ने सवाई चैप स्टार्स को 2-1 से हराया, जबकि थापर टाइटन्स ने प्रिसीजन पाथ लैब पैंथर्स को 2-1 से हराकर जीत दर्ज की। ग्रुप डी में महला वॉरियर्स ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल टीम को 2-1 से हराया। सिंगल्स अंडर 40 के क्वार्टर फाइनल में महाक्षित ने आयुष जानू को 5-0 से हराया, वहीं डॉ जेफिन ने सुनील जितारवाल को 6-0 से मात दी। डीपीपीएल के चीफ़ कॉर्डिनेटर डॉ हरीश भारद्वाज व डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि टीम इवेंट में ग्रुप डी के मैच में तरणी थंडर्स ने रोहिणी'स पिंपल पैडलर्स को 3-2 से हराया। ग्रुप बी में सोमानी स्पिन मास्टर्स ने मेडिस्पा रॉयल्स को 4-1 से और द मेड मेवरिक्स ने भी मेडिस्पा रॉयल्स को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। ओपन डबल्स मेल्स के आर-32 मुकाबले में सौरभ जैन / डॉ राहुल यादव की जोड़ी ने दिवांशु शर्मा / आदित्य सिंघल को 21-10 से हराया।

किसान-मजदूर बेहाल; तुरंत मदद दें : जूली

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश के किसान और मजदूर वर्ग की वर्तमान दशा पर गहरी संवेदना और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान का अन्नदाता और श्रमिक वर्ग अत्यंत पीडादायक दौर से गुजर रहा है। यह अत्यंत दुखद है कि जब जनता को सरकार के साथ और सहारे की सबसे अधिक आवश्यकता है, तब प्रशासन की बेरुखी और संवेदनहीनता ने उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। एक तरफ कुदरत का कहर है, तो दूसरी तरफ सरकार की कछुआ चाल ने प्रदेश के मेहनतकश वर्ग को अपने ही हाल पर छोड़ दिया है। जूली ने कहा कि राजस्थान के किसान पर मौसम की दोहरी मार पडी है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर बीकानेर संभाग के लूणकरणसर और अरजनसर में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने खेतों में खड़ी और कटी हुई फसलों को तबाह कर दिया है। समाचार हैं कि कई स्थानों पर गेहूं, ईसबगोल और तारामीरा की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। कुछ क्षेत्र में ईसबगोल की तो 70 प्रतिशत तक फसल खराब होने का समाचार है। किसान आज दाने-दाने को मोहताज है और कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। सरकार की ओर से तुरंत आर्थिक मदद के बजाय केवल औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं, जबकि मदद की जरूरत आज है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार से पुरजोर मांग की है कि ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश की मार झेल रहे किसानों के जख्मों पर मरहम लगाने के लिए बिना किसी देरी के विशेष आर्थिक पैकेज और उचित मुआवजे की घोषणा की जाए।

जयपुर मिलिट्री स्टेशन में गर्भ संस्कार

जयपुर । गर्भ संस्कार कार्यक्रम का सफल शुभारंभ शनिवार को जयपुर मिलिट्री स्टेशन में किया गया। 'मातृत्व से राष्ट्र निर्माण' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन तथा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत पालन-पोषण के लिएआवश्यक मार्गदर्शन को सम्मिलित किया गया। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) जयपुर (राजस्थान) ले कर्नल निखिल धवन के अनुसार यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य आयोजन सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ तथा विभिन्न स्टेशनों ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक साथ सहभागिता की। इस अवसर पर प्रख्यात वक्ताओं में सीनियर गाइनोकोलॉजिस्टस एवं गर्भ संस्कार के क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ शामिल रहे। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से 1000 से अधिक परिवारों ने भाग लिया, जो मातृत्व सम्बन्धित देखभाल के प्रति बढ़ती जागरूकता और महत्व को दर्शाता है। इस पहल का उद्देश्य गर्भवती एवं प्रसवोत्तर महिलाओं के शारीरिक, भावनात्मक तथा मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनकी समग्र देखभाल को प्रोत्साहित करना है। साथ ही, यह पहल अभिभावक बनने की योजना बना रहे व्यक्तियों और परिवारों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शक के रूप में भी कार्य करेगा और उन्हें जीवन के इस महत्वपूर्ण चरण में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा।

फुले जयंती की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर । सामाजिक समरसता और जागरूकता के संदेश के साथ महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती 11 अप्रैल को सांगानेर क्षेत्र में धूमधाम से मनाई जाएगी। यह आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले टर्मिनल मार्केट में कार्यरत वर्ग और माली सैनी समाज सांगानेर के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। जयंती कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुहाना मंडी स्थित ओम तंवर सब्जी ब्लॉक में जयपुर फल एवं सब्जी थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगेश तंवर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडी में कार्यरत आढ़तियों, मजदूरों और अन्य वर्गों ने भाग लिया तथा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जयंती के अवसर पर महात्मा फुले को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही फल एवं आइसक्रीम वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जयंती की पूर्व संध्या पर दीपदान कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस दौरान सुनील गोयल, इंदर सैनी, सत्यनारायण सैनी, गणेश बगरु, पुष्पेंद्र मावर, सुरेंद्र सैनी, जीतू और सतीश रावत उपस्थित रहे।

अलवर की दंपत्ति ने मनाया इंस्पेक्टर गुंजन सोनी का जन्मदिन

जयपुर । भागदौड़, जिम्मेदारियों और दिनभर की सख्त ड्यूटी के बीच पुलिस की जिंदगी अक्सर भावनाओं से दूर मानी जाती है, लेकिन जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय के पास जो दृश्य सामने आया। उसने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया। पुलिस की गाड़ी खड़ी थी... बोनट पर एक छोटा सा केक... आसपास खड़े वर्दीधारी जवान और कुछ आम लोग... चेहरे पर मुस्कान, माहौल में अपनापन। पहली नजर में यह एक सामान्य सा जन्मदिन लग सकता था, लेकिन इसकी कहानी असाधारण थी।

यह जन्मदिन किसी बच्चे का नहीं, बल्कि ड्यूटी पर तैनात महिला इंस्पेक्टर गुंजन सोनी का था और केक लाने वाले कोई रिश्तेदार नहीं, बल्कि एक ऐसा दंपती था, जिनकी जिंदगी कभी बिखरने की कगार पर थी। कुछ समय पहले अलवर में अपनी पोस्टिंग के दौरान इंस्पेक्टर गुंजन सोनी ने इस दंपती के रिश्ते में आई दरार को अपने धैर्य,समझ और संवेदनशीलता से भर दिया था। गलतफहमियों के उस अंधेरे में उन्होंने उम्मीद की रोशनी जलाई, और एक टूटते घर को फिर से बसने का मौका दिया। शायद वही पल इस दंपती के जीवन का सबसे बड़ा मोड़ बन गया। तभी से हर साल, बिना भूले, वे गुंजन सोनी के जन्मदिन पर केक लेकर आते हैं-एक छोटे से उपहार में छिपा होता है उनका असीम आभार और स्नेह। इस बार भी, जब इंस्पेक्टर ड्यूटी पर थीं, वे वहीं पहुंचे... सडक किनारे, पुलिस की गाड़ी के पास... और वहीं मनाया गया यह सादा लेकिन बेहद भावुक जन्मदिन। यह दृश्य सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं था, बल्कि यह याद दिलाने वाला पल था कि पुलिस की वर्दी के पीछे भी एक संवेदनशील दिल धड़कता है-जो केवल कानून नहीं, रिश्तों को भी संभालता है।

शिवदासपुरा थाने में पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शनिवार को शिवदासपुरा थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश भी दिए।

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शनिवार को शिवदासपुरा थाने में जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश भी दिए।

इस दौरान विशेष पुलिस कमिश्नर ऑपरेशंस ओम प्रकाश,अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) अजय सिंह, पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा एवं सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू व संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान कई परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत देने के लिए थाना स्तर में प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र में आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित

- परिवादियों की समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट हुआ निस्तारण

समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान चाकसू सर्किल के चाकसू, शिवदासपुरा, सांगानेर सदर एवं कोटखावदा पुलिस थाना क्षेत्र के परिवादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस आयुक्त को बताकर समाधान पाया। वहीं जनसुनवाई की खास बात यह रही कि परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाता है। समय लगने वाली अन्य समस्याओं के जल्द समाधान के लिए भी निर्देश दिया जाता है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस कमिश्नर द्वारा एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा, सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर, भांकरोटा एवं बस्सी में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

हाऊसिंग बोर्ड ने भूमि अवाप्ति के 36 साल बाद भी खातेदार को नहीं दिया मुआवजा

अब राजस्थान हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 11 मई को होने तक जमीन का कब्जा लेने से हाऊसिंग बोर्ड को रोका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड द्वारा वर्ष 1990 में सांगानेर के नगरियावाला में खातेदार को बिना मुआवजा दिए 1 बीघा 9 बिस्वा जमीन अवाप्ति के लिए शुरू की गई प्रक्रिया को राजस्थान हाईकोर्ट ने गलत ठहराया है। साथ ही हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 11 मई 2026 को मामले की अगली सुनवाई से पूर्व मौके पर काबिज खातेदार को नहीं हटाया जायेगा। न्यायाधीश अनुरूप सिंघी ने यह आदेश बाबूलाल शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अनिरूद्ध माथुर और कृष्णवीर सिंह पैरवी के लिए पेश हुए थे।

अधिवक्ता अनिरूद्ध माथुर ने अदालत को बताया कि राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने वर्ष 1990 में

- सांगानेर के नगरियावाला गांव में 1 बीघा 9 बिस्वा जमीन अवाप्ति का मामला

सांगानेर के नगरियावाला गांव में खसरा नंबर 620 की 1 बीघा 9 बिस्वा जमीन को अवाप्त करने के लिए अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद हाऊसिंग बोर्ड ने वर्ष 1994 में अवार्ड तो जारी कर दिया, लेकिन खातेदार को ना तो मुआवजा राशि दी गई और ना ही कोई रकम कोर्ट में जमा करवायी गई। जब पीड़ित खातेदार ने हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों के समक्ष प्रार्थना पत्र देकर जमीन अवाप्ति का मुआवजा मांगा तो तत्कालीन अधिकारियों ने उसे टाल दिया। इसके बाद पीड़ित ने वर्ष 1996 में तत्कालीन सांगानेर एस.डी.ओ. द्वितीय के समक्ष पहुंचकर जमीन का मुआवजा मांगा, लेकिन उन्होंने ने भी खातेदार को राहत देने के बजाय अगली तारीख तक मुआवजा जारी नहीं करने के आदेश दे दिए। इसके बाद प्रकरण जयपुर कलेक्ट्रेट में पहुंचा तो वर्ष 2008 में तत्कालीन अतिरिक्त कलेक्टर ने खातेदार बाबूलाल शर्मा के पिता को जायज खातेदार मानते हुए मुआवजा राशि देने के आदेश दिए, परंतु उसके बावजूद भी कोई पैसा खातेदार को नहीं मिला। इसी बीच वर्ष 2013 में भूमि अवाप्ति कानून-2013 लागू हो गया। वर्ष 2015 में याचिकाकर्ता बाबूलाल शर्मा के पिता, जो कि इस भूमि के मालिक थे, उनका निधन हो गया। वर्ष 2024 में राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन जारी करके भूमि अवाप्ति 2013 कानून के मुताबिक मुआवजा देने की घोषणा की, लेकिन काश्तकार ने भूमि देने से इनकार कर दिया। लंबे इंतजार के बाद वर्ष 2026 में बाबूलाल शर्मा ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गुहार लगाई कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार नया भूमि अधिग्रहण कानून लागू होने तक पूर्व के मामलों में अगर मुआवजा राशि नहीं दी गई हो, अथवा भूमि अवार्ड जारी होने के 5 वर्षों तक कब्जा नहीं लिया गया तो यह प्रक्रिया स्वत: ही निरस्त मानी जाएगी। ऐसे में अदालत इस भूमि अवाप्ति प्रक्रिया को निरस्त करते हुए एन.ओ.जी. जारी करे। क्योंकि वर्ष 1990 से लेकर आज दिनांक तक मौके पर खातेदार का ही कब्जा है। पूरे सुनवाई की सुनवाई के बाद अदालत ने राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की भूमि अवाप्ति प्रक्रिया को गलत ठहराते हुए आदेश दिए हैं कि, 11 मई 2026 को इस प्रकरण की अगली सुनवाई होने तक मौके से खातेदार का कब्जा हटाने की कार्रवाई नहीं की जाए।

ARBiT
it happens here...

Reflecting on Values: International Day of Conscience

Observed every year on April 5, the International Day of Conscience highlights the importance of ethical awareness, moral responsibility, and peaceful coexistence in society. The day encourages individuals and communities to reflect on their actions and make choices guided by compassion, fairness, and respect for others. Promoted by the United Nations, it aims to strengthen a global culture of peace by nurturing values such as empathy, integrity, and accountability. Through education, dialogue, and community initiatives, the day reminds people that a strong conscience can inspire positive change and help build a more just, humane, and harmonious world for present and future generations.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
05 April 2026
A-B

#OUR OWN

Indian Intellectual Ownership In Printing

Machilipatnam and Pedana: Andhra's Textile Towns Turning into Global Fashion Icons

Tucked away on the coast of Andhra Pradesh, the towns of Machilipatnam and Pedana are quietly but powerfully making their mark on the global fashion map. Known for their centuries-old mastery of Kalamkari and Chintz textiles, these heritage-rich towns are experiencing a revival, one that blends ancient craftsmanship with modern fashion sensibilities.

A Glorious Past, Woven into Fabric

Machilipatnam was once a flourishing port under the rule of the Golconda Sultanate, and later, a significant trading hub for European powers. Alongside its port, the region's artisanal traditions flourished, especially textile printing and dyeing. Among these, Kalamkari and Chintz became standout exports, reaching as far as Europe, Persia, and Southeast Asia.

Kalamkari, meaning 'pen work,' traditionally involves hand-drawn or block-printed patterns made using natural dyes. The style is rich in detail and storytelling, featuring motifs from Hindu mythology, nature, and folklore. The Pedana style, a variant of Machilipatnam Kalamkari, is block-printed using carved wooden stamps and washed multiple times to enhance vibrancy and longevity.

Chintz, another prized textile, is a glazed cotton fabric adorned with vibrant floral and natural motifs. In the 17th and 18th centuries, Chintz from India became so popular in Europe that countries like France and England imposed bans on its import to protect their domestic textile industries. Despite this, its influence persisted in fashion, upholstery, and décor.

A Global Comeback

Today, with the global fashion world embracing sustainable, slow and heritage fashion, these textiles are witnessing a spectacular comeback. Designers from India and abroad are incorporating Kalamkari and Chintz into their collections, celebrating their natural origins, handcraftsmanship, and narrative depth. Major fashion houses and ethical labels are increasingly turning to artisan clusters in Pedana for eco-friendly prints and naturally dyed textiles, while high-end interior designers are rediscovering Chintz for luxury home décor. From New York to Milan, elements of Andhra's textile tradition are making their way into global showrooms and catwalks.

Craft Meets Contemporary

This resurgence is not just about preserving the past, it's about redefining Indian textile identity in the present. Collaborations between artisans and contemporary designers are leading to fresh innovations in patterns, colors, and garment styles. What was once reserved for saris and wall hangings is now being used in jackets, dresses, scarves, and even footwear.

Government bodies and NGOs are also stepping in to support this growth, offering training, design intervention, and marketing assistance to help artisans reach wider markets without compromising the authenticity of their craft.

Weaving the Future

As Machilipatnam and Pedana step into the global spotlight, they represent more than just craftsmanship. They embody the power of local traditions in a globalized world, the timeless relevance of handmade artistry, and the possibility of sustainable livelihoods through cultural pride. In a fashion world increasingly defined by fast cycles and synthetic production, the story of these Andhra towns is a refreshing return to roots, where every thread tells a story, and every print carries the legacy of centuries.

Rabindranath Tagore saw great potential in Canada

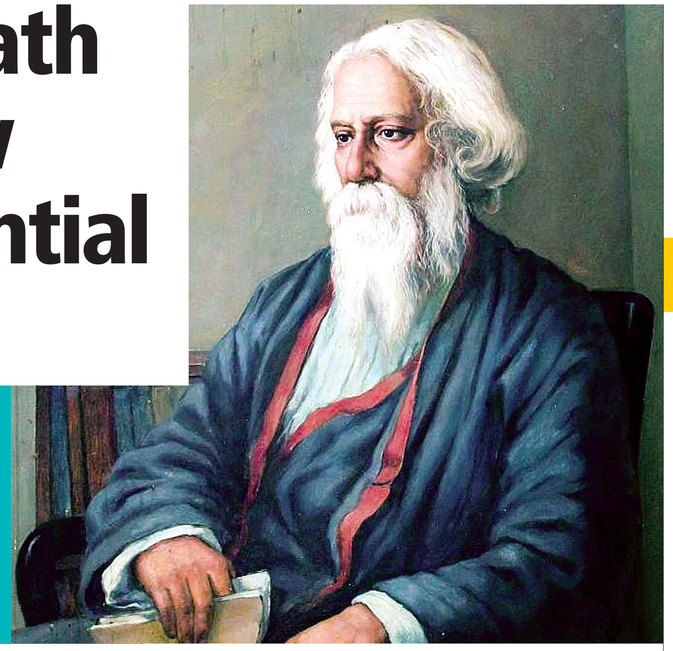

Tagore liked whatever little he saw of Canada and was full of praise for the country. In his last address before leaving for the United States, he said, "Canada is too young to fall victim to the malady of disillusionment and scepticism and she must believe in the great ideals in the face of contradiction, for she has the great gift of youth; she has the direct consciousness of the stir of growth within her which should make her trust herself, which is the only sure way of trusting the world."

● Ajay Kamalakaran

On an April morning in 1929, a small welcoming party waited patiently at the harbour in Victoria, Canada, for Empress of Asia. The steamship was arriving from across the Pacific with an esteemed passenger who had been described by the Associated Press as 'India's sublime poet and philosopher,' Rabindranath Tagore.

"Arrayed in a long flowing robe of gray, the white haired poet, with his long beard, presented a picturesque figure as he surveyed the scene at the promenade deck of the liner," the Associated Press said. "Sir Rabindranath had just concluded a long visit in the Far East in pursuit of both his studies and his teachings."

Although the poet had been reluctant to come, Tagore's brief visit endeared him to Canada, a country that was founded just seven decades earlier. "The Poet had been repeatedly invited to visit Canada by the National Council of Education of Vancouver, but had always declined to do for a variety of reasons," scientist and statistician Prasanta Chandra Mahalanobis, who served as Tagore's secretary, wrote in his book *Rabindranath Tagore's Visit to Canada and Japan*. "This year, however, it was represented to him from certain influential quarters that he should accept the invitation for the sake of a better understanding between the peoples of India and Canada, and he finally agreed to do so."

The poet set sail from Bombay in the last week of February, halting at Colombo, Penang, Singapore, Hong Kong, Shanghai, Moji, Kobe and Yokohama. Along the way, he spoke to the media about education since he was travelling to Canada to attend the Triennial Conference of the National Council of Education.

"All my life I have devoted (myself) to the cause of education, and I do not see any factor which will lighten India's load except the free and intensive dissemination of learning among the lower classes," Tagore told the United Press correspondent in Shanghai. "In this programme, I look to America and Canada for aid, since it is in these countries that education has attained its highest form and the student class has the greatest freedom."

Philosophy of Leisure

The local media in Victoria took great interest in Tagore right from the moment of his arrival. For one, journalists were fascinated with the Nobel laureate's physical appearance. "In his long robe, with his beard and long curls falling upon his massive shoulders, he was an arresting figure," The Gazette wrote. "His features with dark glowing eyes, aquiline nose and fine mouth appeared to be of great beauty and there was an air of calmness and utter detachment as he told Western Civilization what he thought of it."

On the very day that Tagore arrived in Victoria, he delivered his lecture titled 'Philosophy of Leisure.' In it, he spoke of Western materialism and how a disproportionate focus on accumulation of wealth and possessions would lead to intellectual and spiritual decline.

"The creative genius of man is every day losing its dignity," Tagore said. "It accepts cheap payments from the multitude. It makes faces at things men hold sacred."

The conference participants listened carefully as he continued with his strong critique. "In the present age, the larger part of our growth takes place on the outside, and our inner spirit has no time to accept it, we grow accustomed to a spiritual slovenliness," Tagore said. "The mind chronically pursued by a frenzied haste develops a chronic dyspepsia. It comes to believe that reality is truly represented by nightmare."

Tagore called on Western society to slow down. "It is evident that the modern age is riding on a tornado of rapidity, jealously competing with its own past, every moment in speed and production," he said. "We cannot stop its course, and should not, even if we could. Our only anxiety with regard to it is that we may forget that slow and mature productions of treasure are of immense value to man, for these only, can give balance to a bloated atmosphere of infinity in a width of leisure across which come invisible measures of life and light, bringing their silent voices of creation."

Life of Difficulty

He said people should give more importance to leisure. "And we say time is money, while we forget to say that leisure is wealth, the wealth that is a creation of human spirit whose material may be money."

He stressed that the use of leisure could not be standardised. "Some people must have physical recreation after their working hours to enable them to keep fit for the serious affairs of life. Others require some other form of diversion. Indeed, exercise in a bowling alley might be more useful to some people in their time of leisure than anything else. Even, the motion picture comedy, by acting as a mental stimulant, might be more helpful to many superior natures than a peaceful contemplation of the moon and stars."

Tagore touched upon how life was difficult for the masses in India. "Man must live before he can hope to live well. Countless millions in India find it difficult to live at all," he said. Since the poet was not in the best of health, he kept his engagements in British Columbia to a minimum. From Victoria, he went to Vancouver, where he visited a gurudwara and met some members of the Indian community.

When members of the public found out that the Nobel laureate was going to give a speech in the city, a huge queue formed outside the Vancouver Theatre.

"Thousands sought to see and hear Tagore Monday night, but could not get admission," the Vancouver Sun said on April 9, 1929. "They stood in long lines for hours outside the theatre, and even after he had commenced speaking, they waited before the theatre door reluctant to leave."

Those who managed to get inside the theatre listened to the speech in awe and with admiration. "To the two thousand persons who crowded the Vancouver Theatre, the picture of a serene old man, in whose mind burn the unquenchable fires of genius, enunciating his credo, will outlive his words," the Vancouver Sun added. "He carried his audience far beyond the outposts of every day thought, past the details of, and immediate activities of life, into the realm of pure aesthetics."

Harmony Among Races

Tagore liked whatever little he saw of Canada and was full of praise for the country. In his last address before leaving for the United States, he said, "Canada is too young to fall victim to the malady of disillusionment and scepticism and she must believe in the great ideals in the face of contradiction, for she has the great gift of youth; she has the direct consciousness of the stir of growth within her which should make her trust herself, which is the only sure way of trusting the world."

He saw immense potential in Canada's future. "Let her feel the expectation of human destiny is upon her as upon other sister countries which have just entered into the cycle of their promise," he said. "Canada will have to solve for the salvation of man the most difficult of all problems, the race problem, which has become insistent with the close contact of communities that had their isolation for centuries in their geographical and cultural exclusiveness."

Acknowledging that the country possessed powers of character and material resources, Tagore said of Canada, 'She will have to reconcile the efficiency of the machine with the creative genius of man, which must build its paradise of self expression, reconcile science with religion, individual right with social obligation that it must acknowledge."

Close to a century after Rabindranath Tagore's visit, Canada stands out as a country that makes an effort to solve the 'race problem.' It is committed, at least in principle, to atone for the atrocities committed on its indigenous peoples. Leisure is taken seriously by it. Vancouver, which briefly hosted the great poet, has a Tagore Society, which actively promotes Indian art and culture.

rajeshsharma1049@gmail.com

#REMEMBERED

Victoria Harbour, Canada.

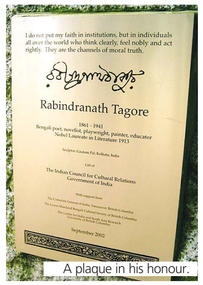

A plaque in his honour.

Rabindranath Tagore visited the West 2nd Avenue Gurudwara.

Tagore's bust in Vancouver, Canada.

#POETIC TRADITION OF BEAUTY

"No such roses see I in her cheeks"

"O my lady, your eyes are not like lotuses, they are like the leaves of the tamarind tree"

Throughout history, poets have often praised the beauty of women using specific, repeated metaphors, with the most common descriptions found in both Sanskrit and Western literature. Yet, not all poets were content to remain within these well-worn paths. In particular, poets like Nilakantha Dikshita and Mallinatha Suri questioned the tradition of idealized descriptions of female beauty, advocating for innovation and novelty in poetry. Their works provide a fascinating contrast to the more conventional, formulaic depictions of beauty found in earlier verses.

Traditional Praises of Beauty in Sanskrit Poetry

Sanskrit poets, especially during the classical period, often employed a fixed set of metaphors to describe the beauty of women. The beauty of a woman's eyes was commonly compared to lotuses (padma), her teeth to pearls (mukta), her hair to dark clouds (megha), and her face to the moon (chandra). These images were intended to convey an idealized form of femininity, an almost divine or celestial purity.

While these descriptions had aesthetic and cultural significance, they also became repetitive and predictable, sometimes lacking the depth to capture the true variety of human experience. This sameness, however, did not go unnoticed by some poets.

Nilakantha Dikshita: Critiquing the Poetic Formula

Nilakantha Dikshita, a 17th-century poet-scholar, was one of the critics of the overly formulaic use of such metaphors in Sanskrit poetry. He was not pleased by the fact that the beauty of women was continually compared to 'lotuses,' 'pearls,' and other similar objects without any sense of originality. In his work, he questioned the habitual reliance on these overused comparisons, urging poets to uncover novelty and explore fresh ways of representing beauty.

Nilakantha believed that true art in poetry arose not from repetition but from the creative reimagining of subjects. He advocated for a new way of describing the female form, one that didn't just rely on traditional imagery but also recognized the diversity of beauty that existed in the world.

Mallinatha Suri.

Mallinatha Suri: Rejecting the Conventional Metaphors

Mallinatha Suri, a poet of the 14th century, took a different approach altogether, opting for a satirical and playful twist on the conventional imagery of beauty. Rather than following the standard tradition of comparing a woman's eyes to lotuses and her waist to a lion's tail, Mallinatha Suri challenged these traditional descriptions with humour and irreverence.

In his verses, he famously turned the traditional metaphors upside down. For example, instead of saying 'your eyes are like lotuses,' he boldly stated, "O my lady, your eyes are not like lotuses, they are like the leaves of the tamarind tree," a much less glamorous image. Similarly, he described a woman's waist not as delicate but "like a celestial kettledrum," and her chest not as full and round, but as "dried-up arka fruit."

By rejecting the conventional praise of beauty, Mallinatha Suri made an important statement about the limitations of traditional poetic conventions. Rather than adhering to idealized and overly polished descriptions, he invited a more grounded, possibly more human, perspective. His work reminded readers that beauty could also be found in the everyday and the unidealized.

Shakespeare and the Subversion of Beauty Conventions in the West

Shakespeare's sonnet mocks the usual poetic descriptions of women's beauty. By doing this, he seeks to reveal the inherent flaws in these overblown praises, suggesting that true beauty lies not in artificial comparisons, but in authenticity and sincerity. Shakespeare's 'no such roses see I in her cheeks' becomes an assertion that beauty does not have to conform to idealized standards to be real or powerful.

Debunking Poetic Conventions: Common Threads

Both in Sanskrit and Western literature, poets like Nilakantha Dikshita, Mallinatha Suri, and Shakespeare critiqued the repetitive and overly idealized descriptions of beauty, urging their audiences to look beyond conventional imagery and embrace new, more authentic representations.

In Sanskrit literature, the praise of beauty was often tied to divine, perfect forms, focusing on a woman's physical traits through objects like lotuses and pearls. However, poets like Nilakantha and Mallinatha broke away from these conventions, adding complexity and subverting expectations. Mallinatha, in particular, was radical in his use of humour and realism, suggesting that beauty could be found in less-than-ideal forms.

Similarly, in Western literature, Shakespeare's challenge to the typical poetic praise of female beauty led to a more grounded, less idealized portrayal of women. His critique aimed at freeing women from the unrealistic standards imposed by poets and providing a more honest and human portrayal of beauty.

THE WALL

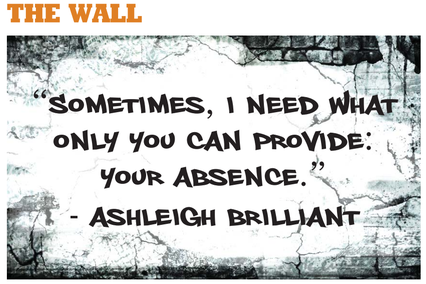

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

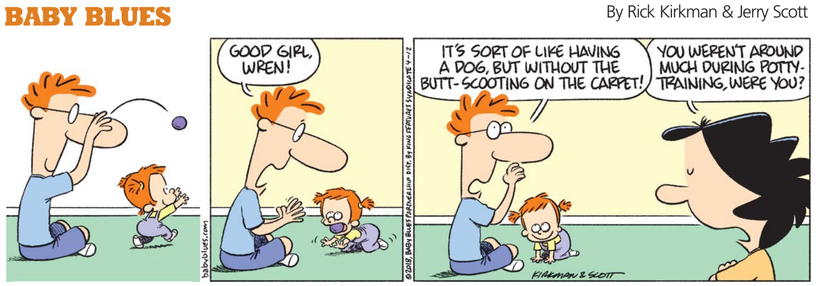

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

बिरला ने चम्बल नदी पर बनने वाले पुल का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया

कार्यक्रम में हाईलेवल ब्रिज के साथ 281 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास हुआ

कोटा, (निसं)। कनेक्टिविटी और विकास को नई गति देने की दिशा में क्षेत्र को महत्वपूर्ण परियोजना का सौगात मिली है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कोटा जिले के इटावा खंड स्थित ढीपरी चम्बल और बूंदी जिले के चाणदा खुर्द के बीच चम्बल नदी पर बनने वाले बहुप्रतीक्षित 256 करोड़ रुपए के उच्च स्तरीय पुल का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हाईलेवल ब्रिज के साथ सड़क, पेयजल, सामुदायिक भवन, शिक्षा सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े 281 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास हुआ।

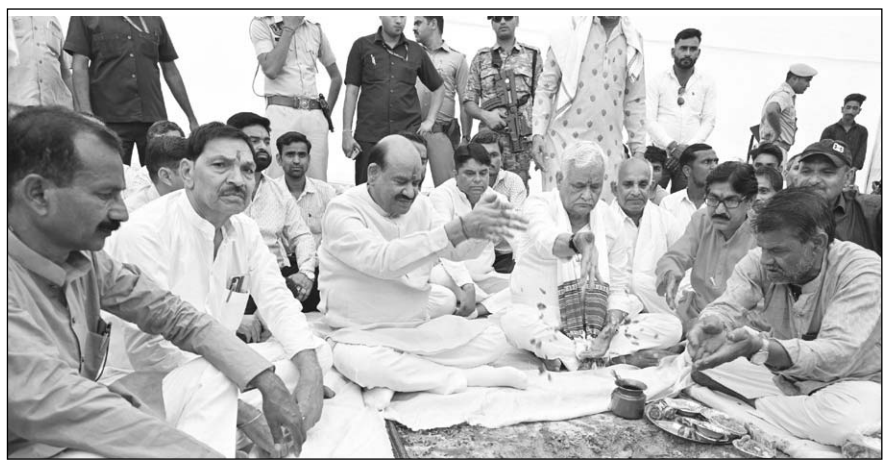

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने हाईलेवल ब्रिज का शिलान्यास किया।

- ढीपरी पुल बनने के बाद एक्सप्रेस-वे तक पहुंच और आसान होगी : ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस पुल के साथ कई परियोजनाएं वन विभाग की आपत्तियों के कारण वर्षों से अटकी हुई थी, जिन्हें अब दूर कर दिया गया है। चंबल क्षेत्र में करीब 30 किलोमीटर के दायरे में कई पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इन परियोजनाओं से क्षेत्र की कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव आएगा। झरेल पुल के निर्माण से सवाईमाधोपुर से संपर्क बेहतर होगा और शहनावदा और मध्यप्रदेश के पनवाड़ा के बीच पार्वती नदी पर नए हाईलेवल ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। बिरला ने कहा कि ढीपरी पुल बनने के बाद एक्सप्रेस-वे तक पहुंच और आसान होगी। साथ ही दिल्ली की दूरी करीब 4 घंटे और उज्जैन महाकाल मंदिर तक पहुंच लगभग 3.30 घंटे रह जाएगी। श्योपुर से दीगोद तक रेल कनेक्टिविटी के लिए सर्वे पूरा हो चुका है और भविष्य में यह क्षेत्र रेल सेवा से भी जुड़ेगा।

बिरला ने कहा कि चम्बल का पानी अंतिम छोर तक पहुंचे इस लक्ष्य से काम कर रहे हैं, नौनेरा डेम के माध्यम से हर घर तक नल से जल पहुंचाया जाएगा, जिससे माताओं-बहनों को विशेष लाभ मिलेगा।

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि हाड़ौती और पूर्वी राजस्थान को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की सौगात मिलना क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि चंबल का पानी अलवर तक पहुंचेगा, लेकिन डबल इंजन सरकार की ताकत से यह संभव हो रहा है। लगभग 78 हजार करोड़ रुपये की लागत से राम जल सेतु परियोजना के माध्यम से राजस्थान के 21 जिलों तक पानी पहुंचाया जाएगा। अब वो दिन दूर नहीं जब हमारे किसानों के खेत भी सरसब्ज होंगे।

कृषि मंत्री मीणा ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित किसानों और गरीबों को मुआवजा दिलाना सरकार का संकल्प है, इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। नकली खाद के खिलाफ कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि 127 लाइसेंस रद्द किए जा चुके हैं और भविष्य में केन्द्र सरकार सख्त कानून लान वाली है। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर पूर्व मंत्री रामगोपाल बैरवा, इटावा प्रधान रिंकू मीणा, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रहलाद पंवार, पूर्व प्रधान विजय शंकर नागर, एसटी मोर्चा प्रदेश महामंत्री अशोक मीणा, जिला महामंत्री विशाल शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष आशा त्रिवेदी, जिला उपाध्यक्ष पवन हाड़ा, जिला मंत्री सुल्तान बैरवा, लेखराज बैरवा, राजेश प्रजापति, वरिष्ठजन प्रमुख सीताराम मीणा, रणजीत आर्य, खातौली मंडल अध्यक्ष विरेन्द्र सुमन, ढीपरी चम्बल अध्यक्ष मुकेश नागर व इन्द्रगढ़ ग्रामीण अध्यक्ष कैलाश गोचर व बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

रोहित गौदारा गैंग का सक्रिय सदस्य गुजरात से गिरफ्तार

- फिरौती, हत्या का प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित चार मुकदमों में वांछित चल रहा था
- पुलिस ने आरोपी के साथी को भी गिरफ्तार किया

चूरू/जयपुर। सरदारशहर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात रोहित गौदारा गैंग के सक्रिय सदस्य एवं 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी और उसके साथी को गुजरात से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और कई गंभीर मामलों में वांछित था।

जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद ने बताया कि राजस्थान पुलिस द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार के निर्देशन तथा पुलिस उप अधीक्षक सरदारशहर कुलदीप वालिया के सुपरविजन में थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। थाना सरदारशहर के प्रकरण में वांछितों की गिरफ्तारी के लिए टीम प्रभारी एएसआई हिम्मत सिंह ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मजबूत मुखबिर तंत्र के आधार पर की तलाश की। पुलिस टीम ने गुजरात के सूरत, वापी, दमन सहित कई स्थानों पर दबिश दी और अंततः उमरगांव से दोनों आरोपियों को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में सुभाष सारण उर्फ भाला (25) निवासी रामसीसर भेडवालिया, सरदारशहर तथा दिनेश (19) निवासी भावनदेसर, राजलदेसर शामिल हैं। मुख्य आरोपी सुभाष सारण उर्फ भाला कुख्यात रोहित गौदारा गैंग का सक्रिय सदस्य है। आरोपी सरदारशहर, कुचामन सिटी तथा फरीदाबाद में हत्या के प्रयास, फिरौती, मारपीट और आर्म्स एक्ट के 4 मामलों में वांछित था। इसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था और आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था और पहचान छुपाकर रह रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी के अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की संभावना सामने आई है। पुलिस टीम द्वारा उससे गहन पूछताछ की जा रही है और गैंग के अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा रही है। इस कार्रवाई में एएसआई हिम्मत सिंह की विशेष भूमिका रही, वहीं टीम में कांस्टेबल शिव कुमार व विनोद कुमार भी शामिल थे।

नदी में युवक का शव तैरता मिला

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम को राठौड़ का गुडा स्थित नदी में एक व्यक्ति का शव पानी में तैरता हुआ मिला। शाम करीब 6.30 बजे जब स्थानीय लोगों ने नदी में लाश देखी तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना तुरंत अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) दीपेंद्र सिंह राठौड़ को दी गई। एडीएम ने राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। नागरिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ सहायक गोविंद जग्रवाल के दिशा-निर्देशन में रेस्क्यू टीम तुरंत राठौढ़ का गुडा नदी पहुंची। टीम ने बिना देरी किए ऑपरेशन शुरू किया और करीब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पानी के बीच फंसे शव को बाहर निकालकर किनारे पर लाया। शव को बाहर निकालने के बाद सिविल डिफेंस की टीम ने उसे सुखेर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए मोर्चरी में रखवाया है। फिलहाल शनिवार तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के इलाकों में हाल ही में लापता हुए लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा कि व्यक्ति की मौत डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई और कारण है।

ससुर पर छेड़छाड़ और सास पर मारपीट का आरोप

- पुलिस ने महिला की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की
- विवाहिता का कहना है कि सास-ससुर उसके प्रेम विवाह से नाराज थे

नोखा, (निसं)। विवाहिता से मारपीट और छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता ने ससुर पर छेड़छाड़ और सास पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। विवाहिता ने पुलिस को दी अपनी रिपोर्ट में बताया कि 2 अप्रैल की रात वह अपने गांव के घर में अकेली थी। इसी दौरान उसके ससुर ने उसके साथ छेड़छाड़ की। महिला के विरोध करने पर ससुर ने उसे बांध दिया। आरोप है कि ससुर ने बाद में अपनी पत्नी (विवाहिता की सास) के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट भी की। विवाहिता ने बताया कि उसके सास-ससुर उसके प्रेम विवाह से नाराज थे, जिसके चलते वे उसे परेशान करते थे। घटना के बाद पीड़िता ने उसी रात नोखा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच अधिकारी एएसआई जगदीश बिश्नोई ने बताया कि विवाहिता ने करीब 8 साल पहले लव मैरिज की थी। उनके दो बच्चे भी है। पीड़िता का पति लकड़ी का काम करता था, जबकि उसके (पीड़िता के) माता पिता भी वहीं मजदूरी करते थे। दोनों में आपस में प्रेम हो गया और शादी कर ली। एएसआई ने बताया कि पीड़िता के पति के 2 भाई और हैं, जो बाहर काम करते हैं। घटना के समय ये विवाहिता का पति लकड़ी के काम से बड़ौदा गया हुआ था। घर में ससुर, सास और बहू थी। प्रथम जांच में सामने आया कि सास और बहू का झगड़ा हुआ था, जिसे ससुर ने छुड़ाया था। मामले की जांच की जा रही है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

अजमेर, (निसं)। शहर के कृष्णगंज थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, युवती ने हाल ही में थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि धनराज नामक युवक ने उससे शादी का वादा कर नजदीकियां बढ़ाईं और बाद में उसके साथ दुष्कर्म किया। रिपोर्ट में युवती ने बताया कि आरोपी ने उसे विश्वास में लेकर लंबे समय तक संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी से मुकर गया। मामले की जांच कर रही पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी धनराज को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

उदयपुर-मेवाड़ क्षेत्र में पर्यटन विकास को गति देने हेतु बैठक आयोजित

जयपुर। फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान का एक विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल, जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा ने की, ने इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट कुलदीप सिंह चंदेला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पचार, कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह राठौड़, महासचिव तरुण बंसल तथा कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह जोधा के साथ मेवाड़ के डॉ. लक्ष्यराज सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राजस्थान के बदलते पर्यटन परिदृश्य के लिए एक सुदृढ़ रोडमैप पर सार्थक चर्चा की गई। सतत विकास से लेकर वैश्विक पहचान तक, इस संवाद का मुख्य उद्देश्य राज्य के आतिथ्य क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना था, साथ ही इसकी अतुलनीय विरासत से गहराई से जुड़े रहना भी सुनिश्चित करना था। एफएचटीआर, डॉ. लक्ष्यराज सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान के विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल ने मेवाड़ के डॉ. लक्ष्यराज सिंह से भेंट की।

दक्षिणी राजस्थान में पर्यटन को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से, एफएचटीआर ने उदयपुर-मेवाड़ क्षेत्र के रणनीतिक विकास हेतु एक उच्चस्तरीय इंटरएक्टिव हितधारक बैठक का आयोजन भी किया। इस सत्र की मेजबानी एफएचटीआर के कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह राठौड़ द्वारा की गई, जिसमें उन्होंने देशी एवं विदेशी पर्यटकों की बदलती अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए एक एकीकृत और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बैठक एक प्रभावी संवाद मंच के रूप में सामने आई, जिसमें प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया, जिनमें उदयपुर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुदर्शन देव करोही, ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ उदयपुर के सचिव आनंद सिंह भाटी, उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज से मनीष गलुंडिया, यशवर्धन राणावत एवं अन्य प्रमुख उद्योग भागीदार शामिल थे। सभी प्रतिभागियों ने रचनात्मक विचार-विमर्श करते हुए वर्तमान चुनौतियों की पहचान, नए अवसरों की संभावनाओं को तलाशने तथा क्षेत्र में सतत एवं समावेशी पर्यटन विकास के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा की।

डोडा-पोस्त के वांछित इनामी को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस जिला पश्चिम की तरफ से इन दिनों मादक पदार्थ तस्करों एवं अवैध हथियारों के प्रकरण में वांछित चल रहे अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों की धरपकड़ चल रही है। इसी कड़ी में जिला पश्चिम पुलिस ने अब पांच हजार के इनामी अपराधी को पकड़ा है, जोकि मादक पदार्थ तस्करी में वांटेड था। प्रकरण में तीन आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भिजवाया गया था।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमल शेखावत ने बताया कि ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पांच हजार के इनामी अभियुक्त फींच लूणी निवासी सुभाष पुत्र हाउराम को गिरफ्तार किया गया है। वह चार महिने से फरार था। वह बालोतरा जिले के समदड़ी एवं कुड़ी भगतासनी थाना जोधपुर में वांटेड था।

उदयपुर में मौसम बदलने के बाद तापमान में कमी आई

उदयपुर, (कासं)। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव के चलते बीती रात उदयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हल्की बारिश हुई। शुक्रवार को एकाएक बदले मौसम के बाद लेकसिटी के तापमान में भी कमी आई और मौसम में ठंडक घुल गई। दिन में भी गर्मी के असर के बीच मौसम परिवर्तन से ठंडक का असर रहा। इधर मौसम विभाग ने शनिवार को उदयपुर संभाग में उदयपुर सहित कई जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों में राज्य में सर्वाधिक 32 मिलीमीटर बारिश उदयपुर के कोटडा में दर्ज की गयी। उदयपुर में 2 अप्रैल को अधिकतम तापमान 35 डिग्री से. था जो 3 अप्रैल को करीब 2.6 डिग्री से. घटकर 32.4 डिग्री से. हो गया। शनिवार को भी तापमान .6 डिग्री लुढकर 31.8 से. पर पहुंच गया। शुक्रवार की शाम को उदयपुर शहर में भी बादलों का डेरा था और शहर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई जिससे मौसम ठंडा हो गया था। बीती रात को उदयपुर और सलूंबर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुछ जगह पर रात को हल्की बारिश हुई।

मौसम एक्सपर्ट डॉ. आर.एस. देवड़ा का कहना है किआगामी दो दिन तक भी उदयपुर में भी इसी तरह का मौसम रहेगा।हवाओं के साथ खण्ड वर्षा हो सकती है और इस मौसम से दो दिन गर्मी नहीं बढ़ेगी।

इधर मौसम केंद्र जयपुर ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके तहत उदयपुर संभाग के उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ में ऑरेंज अलर्ट और बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा भास्कर आत्माराम सावंत ने प्रदेश में अचानक हुए मौसम परिवर्तन के मद्देनजर राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा कर समीक्षा की।

ब्राउन शुगर जब्त, दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने ऑपरेशन स्वच्छता के तहत अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान 7.70 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी और मोबाइल भी जब्त किया है।

कोतवाली थानाधिकारी अजयसिंह राव ने बताया कि मांडवा रोड पर टाइगर हिल क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस टीम ने दो संदिग्ध युवकों को रोका। तलाशी लेने पर स्कूटी की डिक्की से प्लास्टिक की थैली में भरा ब्राउन शुगर बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवाडेरा निवासी ओमप्रकाश और नवाडेरा मस्जिद के पास निवासी सफात शेख के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ओमप्रकाश एक हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पूर्व में 12 मामले दर्ज हैं।

बूंदी के नारायणपुर के पास बढ़ी पैंथर की गतिविधियां, लोगों में दहशत

डाटुन्दा क्षेत्र में पैंथर के पगमार्क देखे गये।

बूंदी, (निसं)। रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन की हिंडोली रेंज के डाटुन्दा क्षेत्र में शुक्रवार रात एक पैंथर ने बाड़े में बंधे बछड़े को शिकार बना डाला। पैंथर बछड़े को आधा खा गया। शनिवार सुबह किसान ने इसकी सूचना वन विभाग को दी जिस पर नाका प्रभारी राजेश शर्मा मौके पर पहुंचे तथा पगमार्क के आधार पर पैंथर की पुष्टि की। जानकारी के अनुसार नारायणपुर व धुँधलेश्वर महादेव के बीच एक किसान के बाड़े में बंधे बछड़े को मार डाला। गौरतलब है कि कालदां के जंगलों से जुड़े इस जंगल में दो दर्जन से अधिक पैंथर मौजूद है और बाघिन आरवीटी-8 की भी टेरेटरी है। इलाके में शाकाहारी वन्यजीवों की कमी के कारण आए दिन मवेशियों के शिकार की घटनाएं बढ़ रही है जो चिंता का विषय है।

हमला कर नगदी और जेवर छीनने का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के बेरू रिंग रोड पुल के पास कार सवार लोगों पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी मारपीट किए जाने के साथ नगदी और सोने का लॉकेट छीनकर ले

- पुलिस ने मामले की जांच शुरु की

गए। इस बारे में पीड़ित ने राजीव गांधी नगर थाने में रिपोर्ट दी है।

पुलिस ने बताया कि देवीपानाडा बेरू निवासी हरजीराम उर्फ हरीराम जाट ने यह रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि 3 अप्रैल की शाम के समय वह अपनी कार में साथियों संग बेरू रिंग रोड से निकल रहा था। तब पहले से मौजूद अशोक, मनीष, श्रवण, दमाराम, हीराराम आदि ने मिलकर उसकी कार को रूकवाया और मारपीट किए जाने के साथ लोहे के पाइप आदि से हमला कर दिया। उसकी गाड़ी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। उसकी जेब में 25 हजार रूपए और गले से सोने का लॉकेट छीन कर ले गए। राजीव गांधी नगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब नामजद आरोपियों की तलाश आरंभ की है।

अलवर के ग्राम पलखड़ी जाने वाली सड़क जर्जर हालत में, लोग परेशान

अलवर, (निसं)। अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में दादर जयंती फैक्टरी के पास से पलखड़ी जाने वाली सड़क जर्जर स्थिति में है। सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

- सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है
- ग्रामीण कई बार संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायतें कर चुके हैं

अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में दादर जयंती फैक्टरी के पास से पलखड़ी जाने वाली सड़क कई जगह से उखड़ गई है।

जगह-जगह गड्ढों और उखड़ी सड़क के कारण आए दिन बाइक, स्कूटी और साइकिल सवार दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

ग्रामीण मोहम्मद खान और जमशेद खान ने बताया कि इस सड़क का निर्माण लगभग 10 से 15 साल पहले हुआ था। बीच में एक बार मरम्मत का कार्य किया गया था, लेकिन वह केवल खानापूर्ति साबित हुआ। वर्तमान में सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे लोगों का आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या के संबंध में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। हादसों में घायल होने वाले लोगों को निजी या सरकारी अस्पतालों में उपचार कराना पड़ रहा है। सड़क खराब होने के कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। यह मार्ग जयंती फैक्टरी तक पहुंचने का सीधा और संपर्क मार्ग है, जो अलवर-राजगढ़ मेगा हाईवे से जुड़ा हुआ है।

इस संबंध में सार्वजनिक निर्माण विभाग की कनिष्ठ अभियंता चित्ता सैनी से बात की गई तो उन्होंने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं, सहायक अभियंता ने जानकारी दी कि बजट स्वीकृत होते ही सड़क का कार्य शीघ्र शुरू कराया जाएगा।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों की लापरवाही और मिलीभगत के कारण सड़क केवल कागजों में ही बनती नजर आती है, जबकि धरातल पर स्थिति में कोई सुधार नहीं है। उन्होंने प्रशासन से इस सड़क मार्ग का शीघ्र निर्माण कराकर आमजन को राहत प्रदान करने की मांग की है।

बस ने परिवार के लोगों को टक्कर मारी, मासूम की मौत, परिजन घायल

बीकानेर, (निसं)। रानी बाजार क्षेत्र में तेज गति से आई बस ने एक परिवार के लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में आठ साल के अबिर खान की सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई, जबकि उसके पिता इजहार आलम, मां राहीन और रिश्तेदार वाहिदा घायल हो गए। घायलों को पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। पीबीएम अस्पताल में गंभीर रूप से घायल बच्चे अबिर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई थीं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

घटना कोटगेट थाना क्षेत्र में किसान छात्रावास के पास उस समय हुई, जब इजहार आलम अपनी पत्नी राहीन, बेटे अबिर खान (8) और अहद खान (10) के साथ रिश्तेदार वाहिदा (25) के साथ रानी बाजार में बस का इंतजार कर रहे थे। तभी हादसा हो गया। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गौरतलब है कि रानी बाजार क्षेत्र से बसों और भारी वाहनों का नियमित संचालन बंद है। भारी वाहन और बसों के लिए रानी बाजार पुलिया से इंडस्ट्रियल एरिया होकर जाने का रूट तय किया हुआ है। इसके बावजूद बसें मुख्य बाजार की तंग सड़क से गुजरती है, जिससे अक्सर हादसों का खतरा बना रहता है।

नाबालिग बेटे ने पिता की हत्या को लेकर मां के खिलाफ कोर्ट में गवाही दी

कोर्ट ने बच्चे के मौखिक बयान सुनने के बाद आगे की गवाही को अगली तारीख तक के लिए स्थगित किया

अलवर, (निसं)। अलवर में 7 जून 2025 को महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति का मर्डर कर दिया था। कोर्ट में शनिवार को मां के खिलाफ नाबालिग बेटे ने गवाही दी। कोर्ट ने बच्चे के मौखिक बयान सुनने के बाद आगे की गवाही को अगली तारीख तक के लिए स्थगित (डेफर) कर दिया। बेटे ने बताया कि आरोपियों ने मेरे पापा की गर्दन मरोड़ दी, मुक्के मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से उनके शरीर पर निशान बना दिए। मेरे सामने पापा तड़पते रहे। मैं छिपकर सब देखता रहा।

अनिता जाटव आरोपी पत्नी, काशीराम प्रजापत आरोपी प्रेमी, मृतक वीरु जाटव।

- **बेटे ने बताया कि आरोपियों ने मेरे पापा की गर्दन मरोड़ दी, मुक्के मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से शरीर पर निशान बना दिए, पापा तड़पते रहे और मैं छिपकर सब देखता रहा**

जानकारी के अनुसार खेड़ली कस्बे में पत्नी अनीताराज ने अपने प्रेमी काशी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने पति वीरू की बेरहमी से हत्या करवा दी थी। इस पूरी घटना का चश्मदीद गवाह उसका नाबालिग बेटा ही है, जिसने अब कोर्ट में सात जून की रात की पूरी कहानी बयां की।

बेटे ने बताया कि घटना वाली रात मेरे पापा घर आए और फोन चार्ज पर लगाने के लिए कहा। मैं फोन चार्ज पर लगाकर टीवी देखने लगे। इसी दौरान मेरी मां ने मुझे सोने के लिए कहा। वह टीवी और हॉटस्पॉट बंद करके सो गया। देर रात काशी (आरोपी) घर आया, जिसके लिए मां ने दरवाजा खोला। काशी के साथ चार अन्य लोग भी थे, जिन्हें वह नहीं जानता था। बच्चे ने बताया कि काशी पहले भी घर आता-जाता था और उसे खाने-पीने की चीजें, जैसे काजू कतली, लाकर देता था। उस रात काशी ने मेरे पिता के मुंह पर तकिया रख दिया, जबकि पिता बाहर चारपाई पर सो रहे थे। जब पिता ने बचने की कोशिश की, तो काशी के साथ आए चार लोगों ने उनके हाथ-पैर पकड़ लिए और उन्हें मोड़ने लगे। काशी ने मेरे पिता से कहा कि अब बोल ना, अब क्यों नहीं बोलता। इसी दौरान मेरी मां ने कहा कि इस वीरू को मार दो, बेटे को मत मारना। इसके बाद काशी ने गर्दन मरोड़ दी, मुक्के मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से शरीर पर निशान बना दिए।

बेटे ने आगे बताया कि जब वह अपने पिता को बचाने की कोशिश कर रहा था, तो काशी ने उसे अंदर फेंक दिया। इसके बाद वह अंदर छिपकर पूरी घटना देखता रहा। जब उसके पिता की मौत हो गई, तो उसकी मां ने कहा- ये तो मर गया, अब क्या करूं। आरोपियों के जाने के बाद मां ने शव पर कंबल डाल दिया और मुंह और नाक से निकले खून को साफ किया। मां और काशी दोनों ने मुझे धमकाया और कहाकि किसी को कुछ मत बताना, अगर कोई पूछे तो कह देना कि वह सो रहा था।

पुलिस के अनुसार, अनीताराज ने वीरू से 2001 में प्रेम विवाह किया था। अनीता का पहले से एक बेटा था, जिसे छोड़कर उसने वीरू से शादी की थी। इसके बाद में उसे वीरू से भी एक बेटा हुआ। उसी बेटे ने अब अपनी मां के खिलाफ कोर्ट में गवाही देकर पूरे मामले का खुलासा किया। घटना के बाद तड़के करीब चार बजे अनीता ने रिश्तेदारों और परिजनों को फोन कर बताया कि उसके पति की तबीयत खराब है। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने इस मामले में हत्या का शक जताते हुए पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। फिलहाल कोर्ट में मामले की सुनवाई जारी है। अगली तारीख पर नाबालिग गवाह की गवाही दर्ज की जाएगी। इसके बाद अन्य गवाहों को सुनने के बाद फैसला सुनाया जाएगा।

श्रीगंगानगर में नशे की ओवरडोज से दो युवकों की मौत

मृतकों में से एक युवक की पहचान नहीं हो पाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला मुख्यालय पर दो युवकों की नशे की ओवरडोज से मौत हो गई। एक युवक की पहचान नहीं हो पाई। दूसरे युवक की मौत उसी समय हुई, जब उसके पिता का सड़क हादसे में निधन होने पर गांव में अंतिम संस्कार किया जा रहा था। पहला मामला जवाहरनगर थाना क्षेत्र का है।

- **दूसरे युवक की मौत उस समय हुई, जब उसके पिता का सड़क हादसे में निधन होने पर गांव में अंतिम संस्कार किया जा रहा था**

ड्यूटी अधिकारी एएसआई गुरदीपसिंह के अनुसार सुबह करीब 10 बजे सूचना मिली कि मौसम विभाग रोड पर छजगरिया बस्ती के उत्तर की तरफ खाली जगह एक युवक अचेत पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची तब युवक की नब्ज चल रही थी। युवक को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान आधे घंटे बाद उसकी मौत हो गई। मृतक 29 वर्षीय जगसीरसिंह संगरूर जिले की धुरी तहसील के गांव समुदरगढ़ का रहने वाला था। वह श्रीगंगानगर में एक निजी चिकित्सा संस्थान में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। एएसआई गुरदीपसिंह ने बताया कि उसके पिता कश्मीरसिंह जटसिख का सड़क हादसे में निधन हो गया था। गांव में उनका अंतिम संस्कार हो रहा था। उसी समय बेटे की भी मौत हो गई। दो दिन में पिता-पुत्र की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

जगसीरसिंह माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी दो बहनें हैं। दोनों शादीशुदा हैं। वह अविवाहित था। एक बहन का ससुराल सरवर खुईयां गांव में है। वह कनाडा में रहती है। युवक के पास मोबाइल फोन नहीं मिला। कागजों में एक मोबाइल नंबर मिला। उस पर फोन किया गया। बहन से बात हुई तो उसने अपने भाई के निधन की सूचना अपने ससुर चरणजीतसिंह को दी। सूचना मिलने के बाद वे श्रीगंगानगर पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव स्थित घर ले जाया गया।

मेडिकल कॉलेज के बगल वाली रोड के किनारे झाडियों में मृत मिला दूसरा मामला सदर थाना क्षेत्र में सामने आया। ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल सत्यनारायण कूकणा ने बताया कि सरकारी मेडिकल कॉलेज के साथ सदभावनानगर वाली रोड पर विकासपुरी की ओर एक फैक्ट्री के सामने झाड़ियों में युवक मृत मिला। युवक के पास पानी का मग पड़ा था। एक सीरिंज भी मिली। उसके हाथ से खून बहकर जमीन पर जमा था।

परीक्षा सील्ड बॉक्स की फोटो स्टेट्स पर लगाई, सरकारी कर्मचारी सस्पेंड

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में आयोजित में उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर संयुक्त परीक्षा 2025 के सील्ड बंद स्टील बॉक्स के फोटो खींचकर स्टेट्स लगाना सरकारी कर्मचारी को भारी पड़ गया। सरकारी कर्मचारी दीपक को विभाग की तरफ से सस्पेंड कर दिया गया। परीक्षा आयोजन तीन अप्रैल को हुआ था। इसके खिलाफ उदयमंदिर थाने में शिक्षा विभाग की तरफ से परिवाद भी दिया गया है।

उदयमंदिर थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि 3 अप्रैल को उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर संयुक्त परीक्षा 2025 की सील्ड बंद स्टील बॉक्स को कोषालय में रखते हुए सरकारी कार्मिक दीपक गहलोत ने फोटो खींच ली। बाद में उसे अपने मोबाइल के स्टेट्स पर लगा दिया। इसका पता लगने पर उसे विभाग की तरफ से निलंबित करने के आदेश जारी हो गए। वह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसोप भोपालगढ़ में बेसिक कंप्यूटर अनुदेशक लगा हुआ है। उसने कौतुहलवश फोटो खींचकर अपने व्हाटसएप पर स्टेटस लगाया था, जिसकी सूचना मिलने पर तुरंत प्रभाव से उक्त कार्मिक से पूछताछ की गई, जिससे उसने अज्ञानतावश स्टेट्स लगाना बताया। कार्मिक के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारम्भ करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निलंबित किया गया है तथा फोटो खींचने के सम्बन्ध में दिये गये परिवाद पर जांच की जा रही है।

शराब से भरी जीप जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के धामनण्डी थाना पुलिस एवं यातायात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव, अशोक आंजना के सुपरविजन में धानमण्डी थानाधिकारी जगदीश कुमार मय टीम एवं यातायात पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए देहलीगेट पर जीप को जिसके आगे व पिछे अलग-अलग नंबर होने से रोक कर तलाशी ली। इस पर उसमें 220 बोतल एवं 92 पव्वे शराब के मिले। इस पर चालक अविनाश कुमार पुत्र सुरेश भाई को गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अजमेर में महिला कपड़ा व्यापारी के साथ 94 लाख की ठगी

अजमेर, (निसं)। शहर में एक महिला कपड़ा व्यापारी के साथ 94 लाख रुपये की बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो सगे भाइयों ने डॉलर में भुगतान कराने और खर्चा बचाने का झांसा देकर नकद राशि ले ली, लेकिन न तो चीन में ऑर्डर कराया और न ही पैसे लौटाए। पीड़िता की शिकायत पर कृष्णगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **आरोप है कि दो सगे भाइयों ने डॉलर में भुगतान कराने और खर्चा बचाने का झांसा देकर नकद राशि ले ली, लेकिन न तो चीन में ऑर्डर कराया और न ही पैसे लौटाए**

पुलिस के अनुसार अभियंता नगर, चैससियावास रोड निवासी हेमा पारवानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह पूर्व में चीन में कपड़ों का कारोबार करती थी, लेकिन कोरोना काल के बाद अजमेर में रह रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने परिचितों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर चीन की एक कंपनी को करीब एक लाख डॉलर के लेगिंग्स का ऑर्डर दिया था। इस दौरान उनके पति के परिचित कमल तिलोकानी और उसके भाई सुमित तिलोकानी ने उन्हें सलाह दी कि यदि वे भारत में ही नकद राशि दे दें तो वे डॉलर में भुगतान कर देंगे। आरोपियों ने यह भी कहा कि इससे टैक्स के अलावा मुद्रा परिवर्तन का अतिरिक्त खर्च बच जाएगा। उनकी बातों में आकर पीड़िता ने 15 से 17 जनवरी के बीच अलग-अलग परिचितों और रिश्तेदारों से रकम एकत्र कर 94 लाख 28 हजार 100 रुपये नकद आरोपियों को सौंप दिए। रिपोर्ट में बताया गया कि काफी समय बीतने के बाद भी जब चीन की कंपनी को भुगतान नहीं हुआ तो पीड़िता को संदेह हुआ। इस पर संपर्क करने पर आरोपी सुमित उर्फ सन्नी ने एक फर्जी रसीद थमा दी। इसके बाद भी न तो ऑर्डर किया गया और न ही राशि वापस की गई। मामले में कृष्णगंज थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और पूरे लेन-देन की जांच की जा रही है।

मादक पदार्थ में लिप्त तीन जने गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की खरीद-फरोख्त में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने थाना बपावर कलां के एनडीपीएस एक्ट अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की खरीद-फरोख्त के दर्ज प्रकरण में कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मामले में जिला बारां के कालपा जागीर निवासी रामस्वरूप, जिला बारां के भीलखेड़ा सेतकोलू निवासी सोनू लववंशी और जिला बारां के लाबांखेड़ा निवासी सोनू कुमार को गिरफ्तार किया है, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

अवैध सिलिका रेत से भरे डंपर जब्त, जुर्माना वसूला

बीकानेर, (निसं)। खनन विभाग की ओर से अवैध रेत से भरे पांच डंपर जब्त किए हैं। इसके साथ ही चार लाख से ज्यादा का जुर्माना लगाया है। जानकारी के अनुसार कलैक्टर निशांत जैन ने पहली ही बैठक में साफ कर दिया था कि गड़बड़ी करने पर सीधे कार्रवाई होगी। ऐसे में खनन विभाग भी एक्टिव मोड पर आ गया है। खनन और पुलिस विभाग ने मिलकर बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपए की सिलिका रेत ले जा रहे वाहनों की धरपकड़ की गई है।

खनिज अभियंता एमपी पुरोहित ने बताया कि एक डंपर अवैध सिलिका रेत से भरा हुआ पकड़ा था, जिसे श्रीडूंगरगढ़ थाने ले जाया गया। जबकि दो अन्य डंपर मौके से बरामद हुए थे। इन तीनों वाहनों पर कुल 4 लाख 76 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया, जिसमें से 2 लाख 88 हजार रुपए की राशि मौके पर ही वसूल ली गई। वहीं नाल क्षेत्र में भी कार्रवाई करते हुए सिलिका रेत से भरे दो डम्परों को जब्त किया गया। इन वाहनों पर 2 लाख 88 रुपए जुर्माना लगाते हुए पूरी राशि की वसूली कर ली गई। पुरोहित ने बताया कि अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

अधेड़ ने फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के सूरसागर पुलिस थाना क्षेत्र में नई रकासनी गांव में रहने वाले एक अधेड़ ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया।

सूरसागर थाना पुलिस ने बताया कि नई रकासनी निवासी 45 साल के नरेश पुत्र ओमप्रकाश ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी की। उसके आत्महत्या का पता लगने पर फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। उसके भाई मनीष की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

जयपुर : प्रेमप्रकाश मंडल के चैत्र मेले में वासुदेव देवनानी ने शिरकत की

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जयपुर के अमरापुर स्थान पर आयोजित प्रेमप्रकाश मंडल के 105 वें वार्षिक चैत्र मेले में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर देवनानी ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और प्रभु भक्ति में लीन होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ और भक्तिमय वातावरण ने आयोजन को भव्य एवं दिव्य स्वरूप प्रदान किया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जयपुर के अमरापुर स्थान पर आयोजित प्रेमप्रकाश मंडल के वार्षिक चैत्र मेले में धर्मलाभ लिया।

देवनानी ने संतों के सानिध्य में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह मेला भाईचारे, सेवा भावना और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है, जो समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने भजन-कीर्तन और सेवा कार्यों से परिपूर्ण इस आयोजन को प्रेरणादायक बताते हुए संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया और कहा कि संतों के विचार समाज के कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। अंत में उन्होंने प्रदेश और देशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

सड़क हादसे में सपोटरा थाना अधिकारी हनुमान मीणा की मौत

हादसे में दो कांस्टेबल घायल हो गये, अस्पताल में भर्ती कराया

दौसा, (निसं.)। जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे पर स्थित नांगल बेला गांव के पास एक सड़क हादसे में करौली जिले के सपोटरा थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर हनुमान मीणा (55) की मौत हो गई तथा दो कांस्टेबल घायल हो गये।

- **दिल्ली से लौटते समय जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे पर नांगल बेला गांव के पास तेज रफ्तार से चल रही पुलिस की कार ट्रेलर में जा घुसी**
- **सब इंस्पेक्टर हनुमान मीणा, कॉन्स्टेबल कजोड़ जाट, रामराज बैरवा और रामनरेश मीणा के साथ एक केस के सिलसिले में मेरठ (उत्तर प्रदेश) गए थे**

सपोटरा थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर हनुमान मीणा, कॉन्स्टेबल कजोड़ जाट, रामराज बैरवा और रामनरेश मीणा के साथ एक केस के सिलसिले में मेरठ (उत्तर प्रदेश) गए थे। दिल्ली से लौटते समय प्रात: पांच बजे जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे पर स्थित नांगल बेला गांव के पास तेज रफ्तार से चल रही उनकी कार ट्रेलर में जा घुसी, जिसके चलते आगे की सीट पर बैठे एसआई हनुमान मीणा की मौके पर ही मौत हो गई तथा कार में सवार कॉन्स्टेबल कजोड़ जाट, रामराज बैरवा और रामनरेश मीणा घायल हो गये। इधर घटना की जानकारी मिलने के साथ ही आंधी थानाधिकारी गोपाल सिंह मय जाब्ते के घटना स्थल पर पहुंचे तथा घायलों को तुरंत श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने एसआई हनुमान मीणा को मृत घोषित कर दिया तथा घायल पुलिसकर्मियों का इलाज किया गया। वहीं दूसरी ओर चिकित्सकों ने मृतक एसआई के पार्थिव देह का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। घायल रामनरेश मीणा ने बताया कि संभवत: कार ड्राइवर को सुबह के वक्त नींद की झपकी आ गई थी। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी, जिसका सीधा असर आगे वाली सीट पर बैठे एसआई हनुमान मीणा पर पड़ा तथा उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बीकानेर कलैक्टर ने फसल के नुकसान का सर्वे कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये

बीकानेर में बारिश-ओलावृष्टि से फसलें तबाह, गेहूं-ईसबगोल की खेती बर्बाद

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर जिले में बारिश-ओले गिरने से फसलें उजड़ गई और गेहूं की खेती बर्बाद हो गई। ईसबगोल की 70 प्रतिशत फसल खराब हो गई। किसानों का कहना है कि अब तो घर में खाने का भी संकट हो गया है। शुक्रवार को बीकानेर में बारिश के साथ गिरे ओलों की चादर सी बिछ गई थी। बीकानेर कलैक्टर निशांत जैन ने अफसरों को नुकसान का सर्वे कर जल्द से जल्द रिपोर्ट पेश करने के निर्देश हैं।

- **लूणकरणसर, अरजनसर और महाजन इलाके में ओले गिरे थे**

जानकारी के अनुसार लूणकरणसर, अरजनसर और महाजन इलाके में शुक्रवार को ओले गिरे, खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई। किसानों ने खेत से निकली बर्फ की सिल्ली दिखाई। ये भी दिखाया कि अब तक जड़ों में बर्फ जमी है। अरजनसर के किसान शिव कुमार शर्मा कहते हैं कि बीकानेर में गेहूं, ईसबगोल और तारामीरा की फसलें खेत में कटाई के लिए पड़ी थी, तो कुछ कटी हुई रखी थी। लूणकरणसर, अरजनसर के किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

शिव कुमार का कहना है कि लूणकरणसर तहसील के रामसरा, चक असरासर, चक 99 आरडी, चक 103 आरडी, नया खानीसर और चक जोड़ तक फसलें खराब हुई हैं। इसके आगे श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ तक इसका असर हुआ है। सूरतगढ़ के मोकलसर, चक 79, चक 85, चक 92 आरडी और राजियासर गांव की रोही में भी ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। यह पूरा क्षेत्र एक पट्टी के रूप में प्रभावित हुआ है। ये पूरा एरिया करीब 175 किमी का है। शिव कुमार कहते हैं- मैंने 50 बीघा में गेहूं की फसल की थी। ये कटने को तैयार थी, इससे पहले आसमान से बरसी आफत ने पूरा नुकसान कर दिया। मेरी 100 फीसदी फसल खराब हो गई। ठीक ऐसी ही स्थिति महाजन क्षेत्र के किसान शक्ति सिंह की है। शक्ति सिंह का कहना है कि मैंने 50 बीघा जमीन पर गेहूं की बुवाई की थी। बीच-बीच में हुई बारिश से फसल अच्छी तरह पक चुकी थी और जल्द ही अच्छी कमाई की उम्मीद थी। शुक्रवार को हुई ओलावृष्टि ने सब बर्बाद कर दिया। मेरा पूरा खेत बर्फ से ढक गया, जो गेहूं की फसल 1 दिन पहले तक खड़ी थी, वह बर्फ के नीचे दब गई। लूणकरणसर के किसान नरेंद्र कड़वासरा ने बताया कि इस पूरे इलाके में 500 बीघा के इलाके में फसल बर्बाद हो गई है। एक बीघा में औसतन 15 क्विंटल गेहूं होता है। इस हिसाब से 50 बीघा वाले किसान की करीब 750 क्विंटल गेहूं की उपज नष्ट हो गई। किसान को लाखों का नुकसान हुआ है।

हत्या के आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर (निसं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने बालिका की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने वाले मुख्य आरोपी के साथी को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त की। इस मामले में मुख्य आरोपी घटना के बाद आत्महत्या कर चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के निर्देश पर ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी के नेतृत्व में गठित दल ने नाबालिग बालिका क अपहरण कर उसकी हतया कर शव को फांसी के फंदे पर लगाने वाले मुख्य आरोपी मगनलाल ने भी फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में आरोपी मगन का सहयोग करने वाले विनोद पुत्र कमलेश निवासी बिलख सोमावत देवीघाटी ऋषभदेव को पूछताछ के बाद गिरपतार कर इसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी थाने में एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपित सहित तीन लोगों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही युवती ने रिपोर्ट दी है कि करीब चार वर्ष पहले उसकी पहचान आरोपी से हुई थी। पढ़ाई के सिलसिले में दोनों की मुलाकातें होती रहती थी। युवती ने बताया कि आरोपी ने एक दिन जन्मदिन मनाने के बहाने उसे कमरे पर बुलाया और मिठाई खिलाई, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ रेप किया और आपत्तिजनक वीडियो बना लिया।

होश में आने पर विरोध करने पर आरोपित ने शादी का झांसा देकर उसे शांत कराया। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देकर कई बार उसके कमरे और आरोपित के कमरे के अलावा शहर के कुछ होटलों में भी दुष्कर्म किया। युवती के अनुसार इस दौरान वह गर्भवती हो गई तो आरोपित उसे एक डॉक्टर के पास ले गया और दवाइयों से गर्भपात करवा दिया।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया कि बाद में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया और वीडियो से ब्लैकमेल करता रहा। युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे झांसे में लेकर फोन-पे के माध्यम से कई बार पैसे भी लिए और उसकी सोने की चैन व अंगूठी भी ले गया। युवती ने आरोपी के मामा पर भी धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच एसआई नगेन्द्र सिंह को सौंपी गई है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक कार्य से लौटकर घर की ओर जा रहा था, कि दादाबाड़ी इलाके के शिवपुरा में सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में घायल युवक को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दादाबाड़ी थाने के एएसआई वहीद अहमद ने बताया कि मृतक शिवपुरा निवासी किशनचंद (35) था, जो शुक्रवार रात्रि को बाइक से कार्य से घर की ओर जा रहा था, कि शिवपुरा क्षेत्र में सामने से आ रहे बाइक सवार से टकरा गया, हादसे में बाइक सवार के सिर में चोट आई, जिसे अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। एएसआई ने बताया कि शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मृतक के परिजनों की शिकायत पर खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

इस मानसून में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा भजनलाल सरकार ने

प्रदेश में नमो वन एवं नमो नर्सरी तथा चंदन वन की स्थापना की जाएगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को हरित बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि ''हरियालो राजस्थान'' राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आगामी मानसून सीजन में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य तय किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय में वन एवं पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने और पौधारोपण कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और मुख्य सचिव स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पौधारोपण अभियान की शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस से होगी, जबकि जुलाई, अगस्त और सितंबर में इसे व्यापक स्तर पर गति दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग पहले से स्थान चयन, गड्ढे तैयार करने और फेंसिंग जैसे कार्य समय पर पूरे कर लें। शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग के सहयोग से उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाए। साथ ही भारतीय रेलवे के साथ समन्वय कर रेलवे परिसंपत्तियों पर भी पौधारोपण किया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग को प्रमुख सडकों और चारागाह भूमि पर वृक्षारोपण की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री ने मिट्टी की उत्पादकता के अनुरूप पौधारोपण करने और विशेष रूप से गूलर जैसे वृक्षों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ''हरियालो राजस्थान'' को लेकर शनिवार को वन एवं पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर वन राज्यमंत्री संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

- पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग की जाएगी, किसानों को फलदार पौधे दिए जाएंगे
- रेलवे परिसंपत्तियों, प्रमुख सड़कों के पास तथा चारागाह भूमि में वृक्षारोपण करें : मुख्यमंत्री

उन्होंने सीएसआर के माध्यम से पौधों की सिंचाई के लिए टैंकर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा 'वृक्षिमत्रों' की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के तहत किसानों को नि:शुल्क फलदार पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।साथ ही उदयपुर, सिरोही और बांसवाड़ा जिलों में चंदन वन विकसित करने की योजना पर भी काम किया जाएगा, जिसमें ड्रिप सिंचाई और तारबंदी जैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में 'नमो नर्सरी' स्थापित करने और पंचायत समिति स्तर पर 'नमो वन' विकसित करने की योजना को प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने पहाड़ी और वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग तकनीक के उपयोग को भी बढ़ावा देने की बात कही।

उल्लेखनीय है कि 'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत वर्ष 2024 से 2028 तक कुल 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2024 में 7.22 करोड़ और 2025 में 11.74 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्यों से अधिक है। बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

खनन क्षेत्र के ऑटोमाइज्ड अधिकृत तुलाई कांटों का 8 जुलाई को लाइव परीक्षण

व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम से जुड़ेंगे खनिज परिवहन वाहन : एसीएस माइंस

जयपुर । राज्य में खनन क्षेत्र के ऑटोमाइज्ड अधीकृत तुलाई कांटों का 8 अप्रेल से लाइव परीक्षण आरंभ किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि माइनिंग सेक्टर में राज्य के खानधारकों और राज्य सरकार दोनों के व्यापक हितों को देखते हुए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम आरएफआईडी चालू करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि पहले चरण में वे-ब्रिज ऑटोमाइजेशन और जीपीएस आरएफआईडी आधारित व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम वीटीएस के माड्यूल्स तैयार कर चरणवद्ध तरीके से तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों के ऑटोमाइजेशन का काम शुरु कर दिया गया है। विभाग के संबंधित फील्ड अधिकारियों को अवकाश के दिनों में भी ऑटोमाइजेशन का कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि राज्य सरकार के उन्नति कार्यक्रम में आरएफआईडी के कार्य को शामिल किया गया है और यह कार्य अनवरत होने के बावजूद अगस्त तक तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों के ऑटोमाइजेशन कार्य का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए तय समयसीमा में कार्य कराने और प्रभावी मोनेटरिंग के लिए फील्ड स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

- फील्ड अधिकारी बनाएं सहायक नोडल अधिकारी, मॉड्यूल इंस्टालेशन व लाइव कराने का अहम् दायित्व : अपर्णा अरोरा

अरोरा ने बताया कि आरएफआईडी के तहत होने वाले इस कार्य के कियान्वयन की टाइमलाइन तय कर दी गई है। 8 अप्रेल को वीटीएस और जीपीएस सिस्टम का ट्रायल रन किया जाएगा। 8 अप्रेल को ही विभागीय अधिकारी खनिज अभियंता और सहायक खनिज अभियंताओं का ओरियंटेशन कार्यक्रम भी होगा। उन्होंने बताया कि तुलाई कांटों के ऑटोमाइजेशन और खनिज परिवहन वाहनों में वीटीएस सिस्टम प्रभावी तरीके से प्रयोग में आने से माइनिंग सेक्टर में पारदर्शिता और व्यवस्था का सरलीकरण हो सकेगा। इससे सबसे अधिक लाभ खानधारकों को होगा वहीं राज्य सरकार के राजस्व में होने वाली छीजत पर भी रोक लग सकेगी।

अधीक्षण खनि अभियंता जयपुर एनएस शक्तावत ने बताया कि अतिरक्त मुख्य सचिव श्रीमती अरोरा जयपुर एसएमई कार्यक्षेत्र के चयनित तुलाई कांटे के ऑटोमाइजेशन के कार्य को लाइव करेंगी। इसके साथ ही ऑटोमाइज्ड कांटों का लाइव प्रदर्शन शुरु हो जाएगा।

अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय एवं नोडल अधिकारी आरएफआइडी महेश माथुर ने बताया कि विभाग के खनि अभियंताओं और सहायक खनि अभियंताओं को सहायक नोडल अधिकारी बनाते हुए उन्हें चिन्हित तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों में ऑटोमाइजेशन के कार्य को तय समय सीमा में कराने के निर्देश दिए गए हैं। हाईब्रिड बैठक में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा, संयुक्त सचिव अरविन्द सारस्वत, विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, अतिरिक्त निदेशक आईटी शीतल अग्रवाल व संबंधित अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

एनर्जी मिक्स से करें ऊर्जा की दीर्घकालिक मांग का समुचित प्रबंधन : केन्द्रीय विद्युत सचिव

पीक ऑवर्स में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विभिन्न ऊर्जा स्त्रोतों के मिश्रण (एनर्जी मिक्स) पर आधारित परियोजनाओं को गति देने के निर्देश प्रदेश के विद्युत निगमों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय एवं गैर नवीकरणीय स्त्रोतों की बंडलिंग से राज्य में ऊर्जा की बढ़ती मांग का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। केन्द्रीय विद्युत सचिव शनिवार को विद्युत भवन में राज्य के एनर्जी सेक्टर से संबंधित विषयों पर ऊर्जा विभाग एवं विद्युत निगमों के वरिष्ठ अधिकारियों से फीडबैक ले रहे थे।

- पीएम कुसुम में अब तक करीब 3800 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं राजस्थान में स्थापित हो चुकी : आरती डोगरा

उन्होंने कहा कि राजस्थान में पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से विकेन्द्रित सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा मिला है। केन्द्रीय विद्युत सचिव ने कहा कि डिसेन्ट्रलाइज सोलर परियोजनाएं विकसित होने के बाद ग्रिड में उत्पादित सौर ऊर्जा के इंटीग्रेशन की चुनौती भी पैदा हो रही है। ऐसे में वितरण निगम ग्रिड स्थिरता की दिशा में स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करें। उन्होंने पीक ऑवर्स में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली सहित अन्य परियोजनाओं को समय पर विकसित करने पर जोर दिया।

केन्द्रीय विद्युत सचिव ने राज्य के 24 जिलों में कृषि क्षेत्र को दिन में सप्लाई, लॉस रिडक्शन, आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत स्मार्ट मीटर की प्रगति, रिसोर्स एडीक्वेसी प्लान आदि पर चर्चा की। उन्होंने प्रदेश में ट्रांसमिशन परियोजनाओं के विस्तार, एसटीयू नेटवर्क पर नवीकरणीय ऊर्जा की कनेक्टिविटी आदि की भी जानकारी ली। इस अवसर पर रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन (आरईसी) के सीएमडी जितेन्द्र श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। ऊर्जा विभाग की शासन सचिव आरती डोगरा ने केन्द्रीय विद्युत सचिव को अवगत कराया कि पीएम कुसुम में अब तक करीब 3800 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं। उन्होंने जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम द्वारा लॉस रिडक्शन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ सिहाग, उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने भी केन्द्रीय सचिव को संबंधित विषयों से अवगत कराया। इस दौरान केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव (वितरण) शशांक मिश्रा सहित केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने शनिवार को विद्युत भवन में राज्य के एनर्जी सेक्टर से संबंधित विषयों पर चर्चा की।

हाईकोर्ट ने खारिज की पीआईएल

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सांगानेर न्यायालय में पारिवारिक मामलों का क्षेत्राधिकार दिए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह निर्देश पारिवारिक न्यायालय बार एसोसिएशन जयपुर के तत्कालीन महासचिव विष्णु शर्मा की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में कहा कि आमजन को सुलभ न्याय देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 24 अगस्त 2022 के आदेश से सांगानेर बस्सी एवं चौमू के एडीजे न्यायालय को पारिवारिक न्यायालय का क्षेत्राधिकार दिया था। इसके पालन में ही हाईकोर्ट ने 30 अगस्त को आदेश पारित किया। जिसे जनहित याचिका में चुनौती दी गई। इस याचिका में सांगानेर बार एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष महावीर सुरेंद्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने पक्षकार बनने का प्रार्थना पत्र दायर किया। सांगानेर बार एसोसिएशन की ओर से पैरवी करते हुए सीनियर एडवोकेट सुरेश पारीक व अधिवक्ता मनु पंचोली ने बताया कि मामलों का क्षेत्राधिकार पूर्व से एडीजे कोर्ट को दिया जा चुका है। प्रदेश में भी सभी मुख्यालयों पर एडीजे कोर्ट को ही पारिवारिक मामलों का क्षेत्राधिकार है। ऐसे में जनहित याचिका को खारिज किया जाए।

देवदूत बने राजस्थान पुलिस के जांबाज

जयपुर। ब्रह्मपुरी इलाके में शुक्रवार शाम का मंजर किसी डरावने सपने से कम नहीं था। तेज अंधड़ और बारिश ने एक टीन शेड वाले घर को पलभर में मलबे में बदल दिया था। मलबे के नीचे दबी कराहती व मदद को पुकारती एक महिला... ऊपर बिखरे टीन के टुकड़े... और चारों तरफ फैले टूटे बिजली के तार, जिनमें दौड़ रहा था करंट। हर सेकंड खतरा बढढ़ हा था, हर पल मौत करीब आ रही थी।

बिजली के खुले तारों को देखकर कोई भी शख्स महिला को निकालने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। लेकिन तभी मिली सूचना पर बिजली की गति से वहां पहुंचे दो चेहरे-हेड कांस्टेबल भागीरथ और चालक हंसराज-जो उस दिन सिर्फ पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि जिंदगी की आखिरी उम्मीद और देवदूत बनकर आए।

हालात ऐसे थे जहां एक कदम आगे बढ़ाना भी जान जोखिम में डालने जैसा था। मगर इन दोनों ने न हालात देखे, न खतरा... बस देखा तो एक जिंदगी, जो मदद को पुकार रही थी। करंट से भरे तारों के बीच, मलबे को हटाते हुए, हर पल खतरे से जूझते हुए उन्होंने उस महिला तक पहुंच बनाई। पसीने, डर और जोखिम के बीच आखिरकार उन्होंने उसे बाहर खींच लिया-जैसे मौत के मुंह से जिंदगी छीन ली हो। इसके बाद बिना समय गंवाए महिला को तुरंत एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां अब वह सुरक्षित है।यह सिर्फ एक रेस्क्यू नहीं था... यह उस जज्बे की कहानी थी, जहां वर्दी सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इंसानियत का प्रतीक बन जाती है। जब हर कोई पीछे हट जाता है, तब यही पुलिसकर्मी आगे बढ़ते हैं...और साबित कर देते हैं-आड़े वक्त में पुलिस सिर्फ कानून नहीं, जिंदगी भी बचाती है।

ब्रह्मपुरी इलाके में मलबे में दबे परिवार को पुलिसकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकालकर जान बचाई।

''ग्राम-2026'' के लिए देशभर में आयोजित होंगे रोड-शो

जयपुर । राजस्थान सरकार के कृषि विभाग द्वारा 23 से 25 मई को आयोजित होने जा रही ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 के प्रचार-प्रसार और निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से देशभर के प्रमुख शहरों में रोडशो आयोजित किए जाएंगे। ये रोड-शो 10 अप्रैल को जयपुर, 17 अप्रैल को दिल्ली, 24 अप्रैल को अहमदाबाद, 6 मई को हैदराबाद तथा 8 मई को पुणे में होंगे।

- जयपुर सहित नई दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में निवेशकों और एग्रीटेक कंपनियों से होगा संवाद

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 मई माह में की जाएगी। इन रोड-शो के माध्यम से निवेशकों, एग्रीटेक कंपनियों, शोध संस्थानों, स्टार्टअप्स और कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को ग्राम-2026 में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही उन्हें राजस्थान के कृषि क्षेत्र में उपलब्ध निवेश संभावनाओं और राज्य सरकार की विभिन्न पहलों की जानकारी दी जाएगी। रोडशो का उद्देश्य राजस्थान को कृषि निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करना तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीकों और आईटी आधारित समाधानों को बढ़ावा देना है। इन आयोजनों के दौरान संभावित निवेशकों, एग्रीटेक डेवलपर्स, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए राज्य में कृषि आधारित उद्योगों, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन से जुड़े अवसरों पर चर्चा की जाएगी। रोड शो के दौरान प्रतिभागियों को तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, स्मार्ट फार्म एवं पशु प्रदर्शनी, बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट बैठकें तथा निवेश संवाद के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

चाकसू में पति ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या की

जयपुर। चाकसू क्षेत्र के स्वामी का बास गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां पति ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी और पूरी रात शव के पास बैठा रहा। घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। थानाधिकारी मनोहर लाल के अनुसार सांगानेर के श्योपुर निवासी सुनीता (25) की शादी वर्ष 2020 में स्वामी का बास निवासी रामवतार रैगर से हुई थी। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। रामवतार बेरोजगार था। जिसके चलते आए दिन कहासुनी होती रहती थी। जहां शुक्रवार रात विवाद बढने पर आरोपी ने गुस्से में आकर पत्नी सुनीता का चाकू से गला रेत दिया। हमले के दौरान सुनीता ने बचने का प्रयास किया। जिससे कमरे में खून फैल गया। हत्या के बाद आरोपी ने खुद के गले पर भी चाकू से वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। लेकिन बच गया और रातभर पत्नी के शव के पास ही बैठा रहा।

जब शनिवार सुबह करीब 6 बजे परिजनों ने गेट के पास सुनीता का शव और पास में घायल रामवतार को देखा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी चाकसू की मोर्चरी भिजवाया। जबकि आरोपी को उपचार के बाद हिरासत में ले लिया गया। मृतका के भाई मुकेश ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीडन का आरोप लगाते हुए हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।

कांग्रेस को रसातल में पहुंचाने वाले गहलोत को पार्टी ने किया साइड लाइन : घनश्याम तिवाड़ी

''गहलोत अपनी खीझ मिटाने के लिए सोशल मीडिया पर कर रहे है मिथ्या ट्विट''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इंतजार शास्त्र पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत में शास्त्र तो 64 ही हुए है, शास्त्र जैसे पवित्र शब्द के साथ इंतजार जोड़ना नहीं चाहिए। वे चाहे तो इजहार नामा कर सकते है। गहलोत हारने के बाद अपनी उपेक्षा से पीड़ित होकर हताशा का इजहार कर सकते है। गहलोत जब-जब मुख्यमंत्री बने, उसके बाद उन्होंने पार्टी को रसातल में पहुंचाया और सत्ता भाजपा के पास आई। इसके चलते कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें साइड लाइन कर दिया। कांग्रेस पार्टी को रसातल में पहुंचाने वाले गहलोत साहब को दिल्ली में पायलट और राजस्थान में डोटासरा के चलते तवज्जो नहीं दी जा रही, ऐसे में वे सोशल मीडिया पर अपने कार्यों का इजहार कर रहे है। तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''फूलां बाई फूलगी, गेल का दिन भूलगी'' लोकोक्ति अशोक गहलोत पर चरितार्थ हो रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत अपना कार्यकाल कैसे भूल गए, जब प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपरलीक हुए और प्रदेश के युवाओं के साथ कुठाराघात किया गया। गहलोत कैसे भूल गए कि प्रदेश के लिए महत्वकांक्षी परियोजना ईआरसीपी और यमुना जल समझौते को कांग्रेस सरकार ने लटकाने का कार्य किया। गहलोत कैसे भूल गए कि जेजेएम घोटाले में उनकी सरकार के मंत्री से लेकर विभाग के अधिकारी तक जेल पहुंच गए। गहलोत के कार्यकाल में युवा रोजगार के लिए इंतजार कर रहे थे, पेपरलीक रूकने का इंतजार कर रहे थे, बहन-बेटियां सुरक्षा का इंतजार कर रही थी, किसान जमीन बचाने का इंतजार कर रहे थे और जनता भ्रष्टाचार से मुक्ति का इंतजार कर रही थी।

सांसद घनश्याम तिवाड़ी

- तिवाड़ी ने कहा ''गहलोत पर वह कहावत फिट बैठती है, ''फूलां बाई फूलगी, गेल का दिन भूलगी''
- 'गहलोत ने इंतजार के साथ शास्त्र जोड़ा, यह शास्त्र का अपमान, इंतजार शास्त्र की जगह करें इजहार नामा'

तिवाड़ी ने कहा कि सोशल मीडिया पर गहलोत सीरीज चला रहे है, जबकि आईपीडी टॉवर प्रोजेक्ट से लेकर टैंडर प्रक्रिया तक अनियमितताओं से भरा हुआ था। गहलोत सरकार के आंकलन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके ही कार्यकाल में परियोजना की लागत 400 करोड़ रुपए से बढ़कर 700 करोड़ रूपए हो गई, 1500 बेड वाले टावर के लिए पार्किंग व्यवस्था सिर्फ 190 की गई। यह उनकी जल्दबाजी एवं दिखावे की राजनीति थी। सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय आईपीडी टॉवर को लेकर भी सिर्फ झूठ फैलाया। इसका सिविल वर्क लगभग पूरा हो गया, उपकरणों की खरीद का कार्य प्रगति पर है। गहलोत भूल गए कि उनके कार्यकाल के पहले 2 साल में एक भी पीएचसी नहीं खोली गई, जबकि भजनलाल सरकार ने 6 नई पीएचसी स्थापित की। कांग्रेस ने पहले 2 साल में 53 सीएचसी, भजनलाल सरकार ने 84 सीएचसी खोली, उप जिला अस्पताल गहलोत के कार्यकाल में 1, भजनलाल सरकार ने 61, जिला अस्पताल गहलोत के कार्यकाल में 3 तो भजनलाल सरकार ने 14 और सेटेलाइट अस्पताल 2 के मुकाबले 18 खोलने का कार्य किया है। इतना ही नहीं, भजनलाल सरकार ने चिकित्सा क्षेत्र में दो साल में 50000 से अधिक भर्तियां की, 14 हजार से अधिक प्रक्रियाधीन है, जबकि गहलोत सरकार ने 5 साल में ही महज 29 हजार पदों पर ही भर्तियां की थी। पहले 49 जिला अस्पताल थे, आज 63 है। गहलोत साहब मेडिकल कॉलेज को लेकर भ्रम फैला रहे है,जबकि हकीकत यह है कि 2016 तक राजस्थान में सिर्फ 8 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 23 नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए।

घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि गहलोत ने चुनावी साल में घोषणाओं की बाढ़ ला दी थी, शिलान्यास तो कर दिए, लेकिन उनके लिए बजट में कोई ठोस प्रावधान तक नहीं किया था। गहलोत ने 5 साल में 4148 घोषणाएं की थी, जिनमें से 2208 पूरी ही नहीं हुई। करीब 626 घोषणाएं तो ऐसी थी जिन पर एक रुपए तक खर्च नहीं हुआ। जबकि भजनलाल सरकार ने 2719 बजट घोषणाएं की, जिसमें से 90 फीसदी पर स्वीकृतियां जारी कर दी गई है। इनमें से 34 प्रतिशत में कार्य पूर्ण हो गया, 56 प्रतिशत प्रगतिरत है और 10 प्रतिशत पर कार्य प्रारंभ होना है। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट हो या दिव्यांग विश्व विद्यालय, गहलोत ने सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया। सिविल लाइन्स आरओबी लेकर गहलोत साहब सफेद झूठ बोल रहे है। वर्ष 2021 में शुरू होने वाली योजना में 2022 तक सिर्फ 9 प्रतिशत कार्य हुआ। कांग्रेस के कार्यकाल में सिर्फ 20 प्रतिशत काम ही हुआ था।

सूने मकानों में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस की खोराबीसल थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने करधनी, कालवाड और खोराबीसल थाना क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक वारदातें करना कबूल किया है। जिनके पास से सोने-चांदी जेवरात सहित नगदी बरामद की है। साथ ही चोरी के औजार और वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी भी जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि खोराबीसल थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले देव प्रताप सिंह उर्फ देव (21) निवासी करणी विहार व हाल खोराबीसल तथा रुद्राक्ष मिश्रा उर्फ गोविंद (22) निवासी सोडाला हाल खोराबीसल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से सोने-चांदी के जेवर, 2,74,607 रुपए नकद, चोरी के औजार और वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी जब्त की है। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी जयपुर में किराए पर रहकर वारदात को अंजाम देते थे। शक से बचने के लिए खुद को ऑनलाइन बिजनेस करने वाला बताते थे। दिन में कॉलोनियों में घूम कर सूने मकानों की रेकी करते और रात में ताला तोड़कर जेवर, नकदी व कीमती सामान चुरा लेते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने करधनी क्षेत्र में किराए का मकान लेकर उसे सेफ हाउस बना रखा था। चोरी का माल और नकदी मकान की फॉल्स सीलिंग में छिपाकर रखते थे। जिससे किसी को भनक तक नहीं लगती थी। थानाधिकारी सुरेंद्र चौधरी के अनुसार आरोपियों से 3 जोड़ी सोने की बालियां, 4 सोने की पातड़ियां, 1 सोने की अंगूठी, 7 चांदी की अंगूठियां, 5 जोड़ी चांदी की पायजेब, चांदी के सिक्के सहित नकदी बरामद की गई है। पुलिस आरोपियों ने अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

आईपीएल 2026 की नीलामी के दौरान, फ्रेंचाइजी ने कई गेंदबाजों पर विचार किया था, लेकिन उनमें से कुछ को खरीदने से चूक गई, जिन्होंने बाद में शानदार फॉर्म दिखाया।

- स्टीफन फ्लेमिंग

सीएसके के मुख्य कोच, खिलाड़ियों को खरीदने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सुनील गावस्कर

भारत के पूर्व कप्तान और मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 की धमाकेदार शुरुआत की है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। इनमें लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर भी शामिल हैं, जिनका मानना है कि शारीरिक स्थिति में सुधार के बाद शर्मा का फुटवर्क पहले से तेज हो गया है। स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत में गावस्कर ने रोहित की बेहतर फिटनेस और बल्लेबाजी पर इसके प्रभाव के बारे में बात की। गावस्कर ने कहा कि हम सभी ने रोहित शर्मा की शारीरिक स्थिति में बदलाव देखा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से बहुत मेहनत की है, और इसके परिणाम साफ दिख रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... राहुल द्रविड़ दुनिया के पहले बल्लेबाज हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली सभी 10 टीमों (अपने समय में) के खिलाफ उन देशों में शतक लगाया है।

क्या सनराइजर्स के सामने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करेगा लखनऊ ?

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। आईपीएल 2026 का दूसरा डबल हेडर मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। दोपहर में लखनऊ सुपर जाएंट्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। लखनऊ ने अपना पिछला मुकाबला गंवाया था और अगर उसे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है जिससे कि लखनऊ के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। लखनऊ के लिए बल्लेबाजी क्रम में रणनीतिक फेरबदल भी काम नहीं आया। लखनऊ ने मार्श और मार्करम की अपनी स्थापित सलामी जोड़ी से हटकर भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को पारी का आगाज करने के लिए भेज दिया। पंत रन आउट होने से पहले केवल सात रन ही बना पाए, जिससे उनके बल्लेबाजी क्रम को लेकर बहस फिर से शुरू हो गई। उन्हें अब तीसरे नंबर पर भेजा जा सकता है।

पिछले साल उन्होंने इसी नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। पूरन ने भी इस नंबर पर खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन वेस्टइंडीज के इस स्टार खिलाड़ी को बीच के ओवरों की जिम्मेदारी संभालनी पड़ सकती है। एलएसजी की बल्लेबाजी में तालमेल की कमी नजर आ रही है और इसे देखते हुए उसके लिए मार्श और मार्करम की जोड़ी से पारी की शुरूआत करवाना अच्छा होगा। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम आईपीएल के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान इकाना में 141 रन पर आउट हो गई जिससे टीम की कई गंभीर समस्याएं उजागर हुईं।

राजस्थान ने रोमांचक मुकाबले में गुजरात को 6 रन से हराया, रवि बिश्नोई को चार विकेट

अहमदाबाद, 4 अप्रेल। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को गुजरात टाइटंस को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 6 रनों से मात दी। राजस्थान रॉयल्स ने ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 210 रन बनाए। इसके जवाब में गुजरात टाइटंस बीच के ओवरों में कई विकेट गंवाने के बावजूद आखिरी ओवर तक मुकाबले को लेकर गए, जहां टीम को 6 रन से हार का सामना करना पड़ा। गुजरात को आखिरी ओवर में जीत के लिए 11 रन चाहिए थे लेकिन टीम 4 रन ही बना सकी। राजस्थान के लिए तुषार देशपांडे ने आखिरी ओवर डाला।

गुजरात टाइटंस ने 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। साई सुदर्शन और कुशाठा के बीच पहले विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी हुई। कुशाठा 18 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन ने 44 गेंद में 73 रन की पारी खेली। ग्लेन फिलिप्स तीन और वॉशिंगटन सुंदर चार रन बनाकर पवेलियन लौटे। ये तीनों विकेट रवि बिश्नोई ने लिया। जोस बटलर 14 गेंद में 26 रन बनाकर आउट हुए। राहुल तेवतिया ने 6 गेंद में 12 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 210 रन बनाए हैं। राजस्थान की ओर से ध्रुव जुरेल ने सर्वाधिक 75 रन बनाए। गुजरात टाइटंस के लिए रबाडा ने दो विकेट लिए।

राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 18 गेंद में 31 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी के साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की। पावरप्ले में राजस्थान ने बिना विकेट गंवाए 69 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल 36 गेंद में 55 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान रियान पराग 4 गेंद में 8 रन ही बना सके। शिमरन हेटमायर ने 8 गेंद में 18 रन बनाए। फरेरा एक रन ही बना सके। ध्रुव जुरेल ने 42 गेंद में 75 रन की बेहतरीन पारी खेली। रविंद्र जडेजा ने नाबाद सात रन बनाए।

दिल्ली में चमका नया सितारा रिजवी

तूफानी पारी से मुंबई इंडियंस को चटाई धूल

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। अरुण जेटली स्टेडियम में हर कोई समीर रिजवी की ही चर्चा कर रहा था। उन्होंने मात्र 51 गेंदों में तूफानी 90 रन बनाकर सबको चौंका दिया और एक बार फिर अपनी प्रतिभा को सबके सामने उजागर कर दिया। रिजवी की इस पारी ने न सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस पर छह विकेट से शानदार जीत दिलाई, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि वह वाकई भारतीय क्रिकेट के प्रतिभाशाली युवा सितारों में से एक हैं। दिल्ली को 163 रनों का पीछा करना था, और सच कहें तो उन्होंने इसे बेहद आसान बना दिया और 11 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सीज़न में डीसी की यह लगातार दूसरी जीत है, और ऐसा लग रहा है कि वे आखिरकार लय में आ रहे हैं।

पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 70 रन की पारी खेलने वाले रिजवी जब क्रीज पर आए, तब दिल्ली का स्कोर दो विकेट पर सात रन था। उन्होंने 51 गेंदों में सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 90 रन की पारी खेलने के अलावा पाथुम निसांका (44) के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन और चौथे विकेट के लिए डेविड मिलर (नाबाद 21) के साथ 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत दिलाई। मुंबई के लिए दीपक चाहर, मिचेल सैंटनर और कोर्बिन बोश ने एक-एक विकेट लिए। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के अस्वस्थ होने के कारण टीम का नेतृत्व कर रहे सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। उन्होंने रोहित शर्मा (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 और नमन धीर (28) के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 रन की अहम साझेदारी की।

रोहित ने 26 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया, तो वहीं नमन ने 21 गेंदों की पारी में दो चौके और एक छक्का जड़ा। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने तीन ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। उन्हें अक्षर (22 रन पर एक विकेट), लुंगी एनगिडी (34 रन पर एक विकेट), विपराज निगम (24 रन पर एक विकेट) और टी. नटराजन (24 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही।

केएल राहुल (एक) पहले ओवर में ही दीपक चाहर की लेग स्टंप से बाहर जाती गेंद को ग्लांस करने की कोशिश में विकेटकीपर रिकेल्टन को कैच दे बैठे, तो वहीं अगले ओवर में नीतिश राणा खाता खोले बगैर जसप्रीत बुमराह के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। चाहर इस बीच अपनी ही गेंद पर निसांका के करारे प्रहार को लपकने में नाकाम रहे और श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने जीवनदान का जश्न अगले ओवर में सैंटनर के खिलाफ दो चौकों के साथ मनाया। वहीं, पिछले मैच में मैच जिताऊ पारी खेलने वाले समीर रिजवी ने शार्दुल ठाकुर के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर दबाव कम करने की कोशिश की।

दिल्ली ने पावरप्ले में दो विकेट पर 42 रन बनाए, जबकि आठवें ओवर की दूसरी गेंद पर टीम का अर्धशतक पूरा हुआ। बोश की गेंद पर नमन ने निसंका का मुश्किल कैच टपका दिया और रिजवी ने अगली गेंद पर शानदार छक्का जड़कर मुंबई के जख्मों पर नमक छिड़का। उन्होंने अगले ओवर में सैंटनर का स्वागत चौके से किया, लेकिन न्यूजीलैंड के इस अनुभवी गेंदबाज ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए निसांका की पारी पर विराम लगा दिया। रिजवी ने बोश के खिलाफ लगातार दो चौके जड़े, जिनमें विकेटकीपर के ऊपर से लगाया गया उनका रैंप शॉट दिलकश था। उन्होंने ओवर की आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के जड़कर मुंबई के गेंदबाजों द्वारा कायम दबाव को खत्म किया। दिल्ली ने पारी के इस 11वें ओवर से 20 रन बटोरे। रिजवी ने मार्कंडेय के खिलाफ कवर क्षेत्र के ऊपर से छक्का लगाकर 31 गेंदों में अपना अर्धशतक और दिल्ली के रनों का शतक पूरा किया। उन्होंने अगली गेंद पर कदमों का इस्तेमाल करते हुए मिडविकेट के ऊपर से गेंद को दर्शकों के पास भेज दिया।

तदर्थ समिति कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने चार्ज संभाला

जयपुर, 4 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ की तदर्थ समिति के नव नियुक्त कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने आज के एल सैनी स्टेडियम पर पूर्व कन्वीनर सुरेश शर्मा से चार्ज लिया। इस अवसर पर तदर्थ समिति के सदस्य आनंद सिंह राठौड़, महेश सैनी, रोहित झालानी व मेघराज यादव उपस्थित रहे। सभी ने राजेश ताम्बी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

पैट कमिंस आईपीएल 2026 कैंप छोड़कर ऑस्ट्रेलिया लौटे

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान और इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के नामित कप्तान पैट कमिंस आईपीएल 2026 कैंप छोड़कर ऑस्ट्रेलिया लौट गए हैं ताकि पीठ की चोट का अंतिम स्कैन करा सकें। यह जानकारी ईएसपीएनक्रिकइंफो ने दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कमिंस का स्कैन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की देखरेख में किया जाने वाला एक निर्धारित प्रक्रिया है। कमिंस गुरुवार को कोलकाता में सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मैच के बाद भारत से रवाना हुए थे। सीए से मंजूरी मिलने के बाद, उनके 17 अप्रैल को टीम में वापस आने की उम्मीद है। कमिंस, जो पिछले साल जुलाई से काफी हद तक निष्क्रिय रहे हैं - एडिलेड में एक एशेज टेस्ट में खेलने के अलावा - ने पहले कहा था कि उन्होंने नेट में गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है और एक संरचित पुनर्वास योजना के हिस्से के रूप में धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ा रहे हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, बिजनेस ऑफ स्पोर्ट पॉडकास्ट पर बातचीत करते हुए कमिंस ने कहा कि मैं अभी भी पीठ की चोट से उबर रहा हूं, लेकिन सब ठीक है। मैंने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है। तेज गेंदबाज ने स्वीकार किया कि वह आईपीएल के शुरुआती चरण में नहीं खेल पाएंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी कर लेंगे।

कमिंस ने कहा था कि आईपीएल जल्द ही शुरू होने वाला है। मैं इसकी शुरुआत में नहीं खेल पाऊंगा, लेकिन मुझे उम्मीद है कि जल्द ही मैं मैदान पर वापसी कर लूंगा। कमिंस की जगह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन 2026 सीजन में एसआरएच के कप्तान हैं। एसआरएच ने आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत खराब तरीके से की, क्योंकि उन्हें अपने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रनों से हराया। एसआरएच अब आईपीएल 2026 के अपने तीसरे मैच में 5 अप्रैल को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी।

अय्यर पर 25 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम को एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने का दोषी पाया गया था। आईपीएल आचार संहिता के तहत यह पीबीकेएस का इस सीजन का दूसरा उल्लंघन था। अनुच्छेद 2.22 के तहत, जुर्माना सिर्फ कप्तान तक ही सीमित नहीं रहा। इम्पैक्ट प्लेयर प्रियांश आर्य समेत प्लेइंग इलेवन के बाकी खिलाड़ियों पर भी 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया। इस तरह शानदार जीत के बावजूद मैदान के बाहर भी यह जुर्माना काफी महंगा साबित हुआ। मैदान से बाहर मिली निराशा के बावजूद, पीबीकेएस ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए सीएसके के खिलाफ 210 रनों के लक्ष्य का आसानी से पीछा किया। यह परिणाम उनकी बल्लेबाजी की गहराई और आक्रामक रणनीति दोनों को दर्शाता है, हालांकि धीमी ओवर-रेट के नियम ने एक शानदार प्रदर्शन के बाद के उत्साह को थोड़ा कम कर दिया। हालांकि यह इस सीज़न में पंजाब का दूसरा धीमी ओवर-रेट का उल्लंघन है, लेकिन आगामी मैचों में टीम द्वारा एक और उल्लंघन करने पर भी अय्यर को निलंबन का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसका मुख्य कारण आईपीएल द्वारा 2025 सीज़न से पहले लागू किया गया एक महत्वपूर्ण नियम परिवर्तन है। टूर्नामेंट ने एक सीज़न में तीन ओवर-रेट उल्लंघनों के बाद कप्तानों पर एक मैच के प्रतिबंध के पुराने प्रावधान को समाप्त कर दिया है। इसके बजाय, अब दंड केवल जुर्माने और खेल के दौरान फील्डिंग पर प्रतिबंध तक सीमित हैं, जिससे बार-बार उल्लंघन करने पर तत्काल निलंबन का खतरा कम हो गया है। हालांकि, अब एक व्यापक प्रणाली लागू हो गई है। आईपीएल ने आईसीसी के अनुरूप अपनी आचार संहिता में अवमूल्यन अंक शामिल कर दिए हैं। मैच रेफरी द्वारा लगाए गए किसी भी दंड के परिणामस्वरूप खिलाड़ी या अधिकारी के रिकॉर्ड में अंक जुड़ जाते हैं, जो 36 महीनों तक मान्य रहते हैं। समय के साथ इन अंकों के संचय से निलंबन भी हो सकता है, जिससे अनुशासन तात्कालिक समस्या के बजाय दीर्घकालिक चिंता का विषय बन जाता है।

आर लीग ए डिवीजन फुटबॉल लीग

जेरठी फुटबॉल क्लब ने जीत का स्वाद चखा

जयपुर, 4 अप्रैल। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत के अनुसार राजस्थान फुटबॉल संघ व पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आर लीग ए डिवीजन फुटबॉल लीग में शनिवार को तीन मुकाबले खेले गये। दिन का पहला मैच सनराइज फुटबॉल क्लब और फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड केबीच खेला गया । मैच के 5 वे मिनट में सुफियान के गोल से सनराइज ने मैच में जोरदार शुरूआत की। मध्यांतर तक दोनों टीमों ने गोल का भरसक प्रयास किया लेकिन दोनों टीम गोल नहीं कर सकी। मैच के 85 मिनट में सनराइज के कुशाग्रराज ने अपनी टीम के लिए दूसरा गोल किया। फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड ने गोल के भरसक प्रयास किये और मैच के 86 मिनट में विष्णु ने गोल करके अपनी टीम का स्कोर 2- 1 किया । मैच के अतिरिक्त टाईम में मिली पेनल्टी पर प्रीत ने गोल करके स्कोर 2- 2 बराबर कर दिया। इस तरह फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड और सनराइज फुटबॉल क्लब के बीच मैच बराबरी पर खत्म हुआ। दूसरे मुकाबले में जेरठी फुटबॉल क्लब ने रिहान फुटबॉल क्लब को 2-0 से हराया। जेरठी फुटबॉल क्लब की तरफ से कुमार प्रिंस ने मैच के 12 मिनट में अपनी टीम को बढ़त दिलाई विजयपाल ने 20 मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2 गोल से आगे कर दिया। जो मैच के अंत तक कायम रही। तीसरा दिन का अंतिम मुकाबला जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब और एसल फुटबॉल क्लब के बीच काफी रोमांचकारी हुआ।

धोनी के सच्चाई बताने के बाद लिया रिटायरमेंट : युवराज सिंह

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। 2011 वर्ल्ड कप के हीरो रहे युवराज सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा कि धोनी से पता चला था कि अब चयनकर्ता उनके नाम पर विचार नहीं कर रहे हैं। इसके बाद ही युवराज ने 10 जून 2019 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट सें संन्यास ले लिया था। युवराज ने कहा कि 36-37 साल की उम्र में जब वे टीम से अंदर-बाहर हो रहे थे, तब न तो नेशनल क्रिकेट एकेडमी न ही कप्तान विराट कोहली और न ही कोच रवि शास्त्री ने उनसे सीधे बात की। युवी ने कहा, उस समय मुझे लगा कि मैं बीच में फंस गया हूं। मैंने देश के लिए इतना क्रिकेट खेला, तो कम से कम थोड़ी इज्जत और साफ बात तो बनती थी, लेकिन मुझे कुछ भी साफ नहीं बताया गया। युवराज ने कहा कि उन्हें कहीं से कोई जवाब नहीं मिल रहा था, तब उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को फोन किया। धोनी उस समय कप्तान नहीं थे, लेकिन वे पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए थे। युवराज के मुताबिक, धोनी ने मुझे सही नजरिया दिया। उन्होंने साफ कहा कि सिलेक्टर्स अब आगे की तरफ देख रहे हैं और मैं उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हूं। धोनी की इस बात ने मुझे वह स्पष्टता दी जो मैनेजमेंट नहीं दे पा रहा था।

मास्टर्स टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में उलटफेर

जयपुर, 4 अप्रैल। जयपुर में आयोजित राजस्थान स्टेट मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में आज विभिन्न आयु वर्गों के मुकाबले उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुए। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के अनुभवी खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। आज के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे: मेंस सिंगल्स 60, विजेता - हरीश माथुर (जयपुर), उपविजेता - भोया दीपक (जयपुर), मेंस सिंगल्स 65, विजेता - राजीव अग्रवाल (जयपुर), उपविजेता - एस.के. माहेश्वरी (जयपुर), मेंस सिंगल्स 70, विजेता - सुभाष आचार्य (भीलवाड़ा), उपविजेता - मोती लाल (जयपुर) । मेंस सिंगल्स 75, विजेता - मुकुंद अग्रवाल, उपविजेता - एस.के. मेहता (जयपुर)। मेंस डबल्स 65, विजेता - त्रिलोक चंद एवं मनोहर, उपविजेता - चंद्रेश्वर एवं वासुदेव। मेंस डबल्स 70, विजेता - हरचरण एवं एस.एस. वर्मा, उपविजेता - मुकुंद अग्रवाल एवं एम. देवपुरा। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी राजीव गुप्ता, के अनुसार प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच कड़े एवं रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस चैंपियनशिप के माध्यम से वरिष्ठ खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का उत्कृष्ट मंच मिल रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कल भी कई महत्वपूर्ण मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 4 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को 7विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर राजीव गांधी क्रिकेट क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरुषि गर्ग के 17 रन, श्री चौधरी के 48 रन, ज्योति चौधरी के 39 रन से निर्धारित 27 ओवर में 7 विकेट पर 137 रन बनाए। जयपुर क्रिकेट एकेडमी के लिए शिवानी चौधरी ने 29 पर 3, सिद्धि शर्मा ने 33 पर 2 व वेदिका सिंह ने 11 पर एक विकेट लिया।जवाबी पारी में जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने शिवानी चौधरी ने 37 रन, वेदिका सिंह के 45 रन व मैना सियोल के नाबाद 42 रनो से 22.5 ओवर में 3 विकेट पर 140 रन बनाकर मैच जीत लिया। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब के लिए आशी ने 17 पर 2 व लावण्य शर्मा ने 29 पर एक विकेट लिया।

स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी और धैर्य का एशियन चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 4 अप्रैल। राजस्थान के युवा खिलाड़ियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई है। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया को चीन के पांझीहुआ शहर में आयोजित होने वाली 33वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। यह चैंपियनशिप 20 से 24 मई तक होगी। चैंपियनशिप में अंडर-13 से अंडर-19 आयु वर्ग के मुकाबले होंगे। प्रत्येक कैटेगरी में भारत के 4-4 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा ने शनिवार को यहां बताया कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए दोनों खिलाड़ियों का चयन चेन्नई में 31 से 4 2026 तक आयोजित ट्रायल्स के आधार पर किया गया है। सुरभि ने बताया कि ट्रायल में एकेडमी के चार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अंडर-13 वर्ग में दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया तथा अंडर-15 वर्ग में गौरी जायसवाल और फरीद अंद्राबी शामिल रहे। अंडर-13 वर्ग में दिव्यांशी जैन (गर्ल्स) और धैर्य गोगिया (बॉयज) का भारतीय टीम में चयन हुआ है। इन दोनों खिलाड़ियों ने ट्रायल्स के दौरान उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अंडर-15 वर्ग में गौरी जायसवाल और फरीद अंद्राबी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उन्हें रिजर्व प्लेयर्स की सूची में रखा गया है। सुरभि ने दोनों खिलाड़ियों के भारतीय दल में चयन को प्रदेश के खेल जगत के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए एशियन चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

तन्मय के ऑलराउंड खेल व चिरांग की गेंदबाजी से भदोरिया एकेडमी जीती

शिफान व सचिन काकोडिया के अर्धशतकों से राजीव गांधी जीती

जयपुर, 4 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये प्री क्वार्टर फाईनल में तन्मय तिवाडी 43 रन व 1 रन पर 2 विकेट के आलराउण्ड प्रदर्शन तथा चिरांग तंवर 17 रन पर 3 विकेट आदित्य चौधरी 6 रन पर 2 विकेट लोकेन्द्र चौधरी 21 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भदौरिया क्रिकेट एकेडमी ने शास्त्री क्रिकेट एकेडमी को 61 रन से हराकर क्वाटर फाइनर में प्रवेश किया। दूसरे मैच में शिफान खान व सचिन काकोडिया के अद्धशतको की बदौलत राजीव गांधी एकॅडमी ने स्टार क्रिकेट एकड़मी को 72 रन से हराकर क्वाटर फाईनल में प्रवेश किया । टॉस जीतकर भदौरिया एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तन्मय तिवाडी 43 रन, भवानी सुधार 35 रन तथा आदित्य चौधरी 17 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर बनाये गेंदबाजी में शास्त्री एकेडमी की ओर से राजशेखर 31 पर 3 तथा एस.एस. शर्मा 35 रन पर तीन विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में शास्त्री एकेडमी की ओर से जशन रमाना 28 रन आयुष बंसल 19 रन साहिल मुण्डोतिया 15 रन ही भदौरिया एकेडमी के गेंदबाजों चिराग तवर 17 रन पर 3 विकेट तन्मय तिवाडी 1रन 2 विकेट आदित्य चौधरी 6 रन पर 2 विकेट लोकेन्द्र चौधरी 21 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष शास्त्री की पूरी टीम 17.3 ओवर में 102 रन पर सिमट गई। इस मैच का मैने आफ दा मैच तन्मय तिवाडी भदौरिया क्रिकेट एकेडमी रहे।

शास्त्री क्रिकेट एकेडमी 102 ऑल आउट 17.3 ओवर में

जयपुर, 4 अप्रेल। हुकम सिंह गाउण्ड में दूसरे मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शिफान खान 61 रन (27 बाल 3 चौके व 6 छक्के तथा सचिन काकोडिया 50 रन नाबाद (31 गेंद 1 चौका 4 छक्के की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 185 रन बनाये गेंदबाजी में मयंक गिल व तेजकरण प्रत्येक 2-2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में स्टार क्रिकेट एकेडमी के विजय 49 रन व वरूण 25 रन की कुछ हद तक रन बनाने में सफल हो सकें। और निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोलकर 113 रन ही बना सकें। राजीव गांधी की ओर से सोरभ यादव देवाग सिगोदिया, विजय शर्मा श्याम सुन्दर व सचिन यादव प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच शिफान खान राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी रहें।

गाँव का युवा गाँव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अटल ज्ञान केन्द्रों पर ई-मित्र व ऑनलाइन क्लासेज़ की सुविधाएं विकसित करें

जयपुर, 4 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अटल ज्ञान केन्द्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब पंचायत स्तर पर ही आधुनिक लाइब्रेरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। राज्य सरकार की मंशा है कि गांव का युवा गांव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सके, इसके लिए अटल ज्ञान केन्द्रों को समुचित मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए, ताकि युवाओं को पढ़ाई के लिए शहरों की ओर पलायन न करना पड़े।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि अटल ज्ञान केन्द्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएं तथा डिजिटल संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, इन केन्द्रों पर ई-मित्र सेवाएं एवं ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा भी विकसित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल ज्ञान केन्द्रों के नवीन भवनों के निर्माण में गुणवत्ता एवं उपयोगिता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रत्येक केन्द्र का मानक नक्शा (मॉडल डिजाइन) तैयार कर उसे मॉडल के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्वायत्त शासन विभाग को अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए एकीकृत कंट्रोल रूम मॉडल को सुदृढ़ीकरण के साथ अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जयपुर को स्मार्ट मैनेजमेंट और उन्नत तकनीक आधारित मॉडल सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किए जाए, जिससे स्वच्छता, स्वास्थ्य और सार्वजनिक सुरक्षा को नई मजबूती मिल सकें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह भी निर्देश दिए कि मानसून से पहले सीवरेज कार्यों से प्रभावित सड़कों के गड्ढों व क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत करें ताकि आमजन को बारिश के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

शर्मा ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत सीवरेज कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में देरी से लागत बढ़ती है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी विकास कार्य में देरी के लिए जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मानसून से पूर्व सीवरेज कार्यों से प्रभावित सड़कों के गड्ढों एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत की जाए, ताकि आमजन को बारिश के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इस दौरान उन्होंने एफएसटीपी एवं शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट्स लगाए जाने के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

बैठक में पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर, नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, नगरीय विकास, स्वायत शासन एवं पंचायतीराज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

ईरान ने तैनात किया नया एयर डिफेंस

तेहरान, 04 अप्रैल। ईरान ने क्षेत्र में जारी सैन्य तनाव के बीच अपनी रक्षा रणनीति को मजबूत करते हुए नया एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने का दावा किया है।

ईरानी सेना के अनुसार, इस आधुनिक प्रणाली का उद्देश्य देश की हवाई सुरक्षा क्षमता को बढ़ ाना और दुश्मन के लड़ाकू विमानों को रोकना है।

ईरान के संयुक्त सैन्य कमांड ख़तम अल-अंबिया वायु रक्षा बेस ने

- ईरान ने दावा किया वह जल्दी ही अपने एयर स्पेस पर नियंत्रण हासिल कर लेगा।

कहा कि यह नया सिस्टम हाल ही में तैनात किया गया है और इसका इस्तेमाल अमेरिकी लड़ाकू विमान को निशाना बनाने के लिए भी किया गया। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

ईरानी सेना का कहना है कि एक महीने से अधिक समय से जारी अमेरिका-इज़रायल के हवाई हमलों के बावजूद वह जल्द ही अपने एयरस्पेस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेगा।

जोधपुर की पॉश सोसायटी के फ्लैट में मिनी ड्रग फैक्ट्री पकड़ी

एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स ने छापे में दो करोड़ रूपए की एमडी ड्रग, नशीली गोलियाँ व उपकरण जब्त किए

जोधपुर, 4 अप्रेल (कासं)। प्रदेश में नशे के सौदागरों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और जोधपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जोधपुर की पॉश सोसाइटी आशापूर्णा प्लेटिनम के एक फ्लैट में चल रही मिनी ड्रग फैक्टरी का भी भंडाफोड़ किया है। इस रेड में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो करोड़ रुपये से अधिक कीमत की एमडी ड्रग, नशीली गोलियां और उपकरण बरामद किए हैं। इस पूरे ऑपरेशन की रूपरेखा अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निर्देशन में तैयार की गई थी। एसपी ज्ञानचंद यादव और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में टीमों को सक्रिय किया गया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक राकेश जाखड़ व कांस्टेबल सुमेर सिंह की सटीक सूचनाओं ने इस ड्रग फैक्टरी के केन्द्र तक पहुंचने का रास्ता साफ किया।

मामले की शुरुआत दो अप्रैल को गणपतराम विश्नोई की गिरफ्तारी से हुई।

- दो अप्रेल को पकड़े गए मकान की छत पर ड्रग फैक्ट्री चलाने वाले गणपत राम से प्राप्त जानकारी पर ड्रग कारोबार के मास्टर माइंड भरत विश्नोई उर्फ आसुराम के आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नम्बर यूए 803 पर छापा मारकर एजीटीएफ ने ये सफलता प्राप्त की

बनाड़ क्षेत्र में एजीटीएफ ने आरोपी की मकान की छत पर बनी एक अन्य ड्रग फैक्टरी का खुलासा करते हुए तीन किलो से अधिक एमडी और 55 किलो से अधिक केमिकल बरामद किया था। पुलिस कस्टडी में गणपतराम ने खुलासा किया कि वह तो महज एक मोहरा है, असली मास्टरमाइंड भरत विश्नोई उर्फ आसुराम उर्फ लक्की है, जो अपनी पहचान छुपाकर आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नंबर यूए 803 में एक महिला के साथ रहता है और सफेद जहर तैयार कर रहा है।

जब पुलिस टीम ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ा तो अंदर अलमारी में रखा एक यूएमएमएयूएल लिखा बैग बरामद हुआ। इस बैग के अंदर नशे का जखीरा था। मौके पर बुलाई गई एफएसएल और एनसीबी की टीमों ने पुष्टि की कि बरामद सामान न केवल घातक एमडी ड्रग है, बल्कि उसमें उच्च गुणवत्ता वाला केमिकल भी शामिल है। पुलिस ने 366 ग्राम शुद्ध एमडी बरामद की। इसके साथ ही, 1.178 किलोग्राम ऐसा संदिग्ध केमिकल और पाउडर मिला, जो तैयार एमडी से भी अधिक उच्च श्रेणी का था। अल्ट्राटेक सीमेंट की पीली टेप से लिपटे पैकेटों और जीपर पाउच में 2000 से अधिक कुल 3.663 किलोग्राम नशीली गोलियां बरामद हुईं। मौके से एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, टेप रोल और आरोपी के बच्चों के आधार कार्ड सहित, कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए।

'केजरीवाल पर चड्ढा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता ने उन्हें, औपचारिक या अनौपचारिक रूप से, हस्ताक्षर करने के लिए नहीं कहा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

सांसद ने कहा कि संसद में उनका ध्यान जनता के मुद्दों, जैसे जीएसटी, आयकर, दिल्ली में वायु प्रदूषण, पंजाब में जल समस्याएँ, सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे यात्री मुद्दे, मासिक धर्म एवं स्वास्थ्य, बेरोजगारी और महंगाई पर केन्द्रित रहा।

चड्ढा ने कहा कि वे संसद में "प्रभाव पैदा करने के लिए जाते हैं, शोर मचाने के लिए नहीं", क्योंकि संसद करदाताओं के पैसे पर चलती है और उनकी जिम्मेदारी है कि वे उनके मुद्दों को उजागर करें। उन्होंने कहा, हर झूठ उजागर किया जायेगा।"

"आप" के अंदरूनी सूत्रों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल को चड्ढ़ा के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उकसाया गया, क्योंकि उनकी सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल के कारण वे बहुत लोकप्रिय हो रहे थे।

सूत्रों ने कहा, चड्ढ़ा के खिलाफ इस प्रतिशोध का कारण उन कई नेताओं की ईर्ष्या है, जिनकी बात केजरीवाल सुनते हैं।

उनकी फिल्म अभिनेत्री पत्नी परिणीति चोपड़ा से उन्हें वह प्रचार मिलता है, जो पार्टी के अन्य लोगों के पास नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण, उनके लिये कई दरवाजे स्वत: खुल जाते हैं।

भाजपा के बड़े नेता राघव को पार्टी में आने के लिये लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बताया जाता है कि वे इस समय वे कोई कदम नहीं उठाना चाहते। हालांकि वे गंभीरता से अपने भविष्य के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ईरान के खुज़ेस्तान में 6 पेट्रो केमिकल प्लांट पर हवाई हमला

तेहरान, 04 अप्रैल। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका और इज़रायल ने दक्षिण-पश्चिमी ईरान के खुज़ेस्तान प्रांत के कई पेट्रो केमिकल प्लांट पर हवाई हमले कर उन्हें निशाना बनाया है। ?

महशहर इलाके में हुए इन हमलों में कम-से-कम 5 लोग घायल हुए हैं, जबकि कई औद्योगिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। ताजा घटनाक्रम ने क्षेत्र में पहले से जारी सैन्य तनाव को और बढ़ ा दिया है।

ईरान की सरकारी समाचार संस्था प्रेसईडी टीवी के अनुसार, शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:45 बजे अमेरिका और इजराइल ने ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुज़ेस्तान में मौजूद छह पेट्रोकेमिकल प्लांट को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें कम-से-कम पांच लोग घायल हो गए हैं।

- हमले में 5 नागरिक घायल हो गए।

इसके अलावा महशहर शहर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में भी ये हमले किए गए।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, ईरान और इराक के बीच शालमचेह सीमा चौकी पर भी हमला किया गया। इस हमले से गंभीर नुकसान पहुंचा है।

शनिवार को जारी बयान में महशहर के पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के जनसंपर्क विभाग ने कहा कि सभी कर्मचारियों को प्लांट से निकाल लिया गया है और क्षेत्र की बिजली काट दी गई है। बयान में कहा गया है कि आपातकालीन बचाव दल, चिकित्सा कर्मी और अग्निशमन विभाग कर्मी क्षेत्र में मौजूद हैं और स्थिति नियंत्रण में है।

दिल्ली में एक बार फिर "कृत्रिम बारिश" का प्रयास होगा

गत वर्ष भी आईआईटी कानपुर के सहयोग से यह प्रयास किया गया था, पर, असफल रहा था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। जैसे-जैसे दिल्ली लगातार वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, अधिकारियों ने फिर से कृत्रिम बारिश की ओर रुख करने पर विचार किया है। आईआईटी कानपुर ने अप्रैल से जून के बीच क्लाउड सीडिंग (बादल बौछार) परीक्षण करने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अनुमति मांगी है।

क्लाउड सीडिंग परियोजना को पिछले साल पहली बार दिल्ली सरकार और आईआईटी कानपुर ने मिलकर शुरु किया गया था। यह एक आपातकालीन उपाय के रूप में प्रदूषण के उच्च स्तर के समय लागू किया गया, और इसे एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया।

असामान्य मौसम और नियामक अनुमतियों के कारण हुई महीनों की देरी के बाद, अक्टूबर 2025 के अंत में दो दौर के परीक्षण किए गए। ऑपरेशन में

- पर, दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से निपटने का "कृत्रिम बारिश" ही प्रभावी तरीका माना जाता है। अतः, एक बार फिर अप्रैल व जून में यह कोशिश की जाएगी।

इस्तेमाल किए गए विमानों में विशेष रूप से सुसज्जित "सेसना" विमान भी शामिल था, जिसने दिल्ली के कुछ हिस्सों में बादलों में सिल्वर आयोडाइड, आयोडाइज्ड नमक और रॉक सॉल्ट का मिश्रण छोड़ा, ताकि बारिश उत्पन्न हो और हवा में तैर रहे प्रदूषक जम सकें।

लेकिन यह प्रयास सफल नहीं रहा।

आईआईटी कानपुर ने अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट में कहा कि प्राप्त परिणाम का कारण बादलों में नमी की कम मात्रा थी और परिस्थितयाँ वर्षा के अनुकूल नहीं थी। विशेषज्ञ लगातार यह रेखांकित करते रहे ह" कि क्लाउड सीडिंग बादल नहीं बना सकती, यह केवल तब काम करती है, जब पर्याप्त बादल और आर्द्रता मौजूद हों।

सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की कि उन परिणामों के बाद, इस साल की शुरुआत में दिल्ली में एक और दौर के परीक्षण किए गए।

जहाँ अधिकारी इस विकल्प को आगे भी काम में लेना चाह रहे हैं, वहीं विशेषज्ञ इसे केवल एक अल्पकालिक, सहायक उपाय मानते हैं, जो प्रदूषण से केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकता है और केवल अनुकूल मौसम की स्थिति में ही प्रभावी होता है।

क्लाउड सीडिंग एक मौसम संशोधन तकनीक है, जिसमें सिल्वर आयोडाइड या नमक जैसे पदार्थ मौजूदा बादलों में फैलाए जाते हैं, ताकि वर्षा बढ़ सके। ये कण नाभिक के रूप में कार्य करते हैं, पानी की बूंदों के निर्माण में मदद करते हैं, जिससे बारिश हो सकती है।

भाजपा कार्यालय पर हमले में 5 गिरफ्तार

चंडीगढ़ , 04 अप्रैल। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में सेक्टर-37 स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड हमले का खुलासा किया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, एक .30 बोर जिगाना पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

- सभी पांच आरोपियों के तार पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई द्वारा संचालित आतंकी मॉड्यूल से बताए जा रहे हैं।

डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलविंदर लाल उर्फ शम्मी (गांव माजरी, एसबीएस नगर), जसवीर सिंह उर्फ जस्सी (गांव भरापुर, एसबीएस नगर), चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी (गांव सुजावलपुर, एसबीएस नगर), रूबल चौहान (गांव ठाणा, शिमला) और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा (धूरी, संगरूर) के रूप में हुई है।

अब तक का सबसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामिक भट्टाचार्य ममता बनर्जी और उनके वरिष्ठ पार्टी सदस्यों की तुलना में कहीं अधिक शिक्षित बंगाली हैं। वे अपने भाषणों में श्रेष्ठ बंगाली कविता का उपयोग करने में निपुण हैं। इस मामले में, वे बंगाल के पुराने राजनेताओं की परंपरा में आते हैं।

लेकिन सतही रूप से देखा जाए, तो बंगाल में चुनावी हिंसा और डराना-धमकाना 1977 में लेफ्ट फ्रंट के सत्ता में आने के बाद से ही प्रचलित है। केन्द्रीय बलों को तैनात किया गया है, फिर भी राज्य भर में तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा डराने-धमकाने की कई घटनाएं हुई हैं।

टीएमसी के राजू मंडल ने मतदाताओं को डराने और उन्हें भाजपा के पक्ष में एक भी वोट डालने से रोकने के लिए घर-घर जाकर धमकाया। शिकायत मिलने पर, राजू मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत में ले लिया गया। लेकिन तृणमूल कांग्रेस की मददगार टीम ने तुरंत काम किया और राजू को जमानत मिल गई। तुरंत ही राजू अपने पुराने काम में लौट आए और धमकी भरे दौरे दोबारा शुरू कर दिए।

इसी तरह, माल्दा और मुर्शिदाबाद जिलों में तृणमूल कांग्रेस के कुछ गुंडे अत्यधिक सक्रिय हैं और रोज़ अपनी धमकियों को बदलते रहते हैं। प्रतिशोध और जान के डर से कोई उनके खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कर रहा।

वर्तमान संकेतों के आधार पर, यह कहा जा सकता है कि इस बार बंगाल का चुनाव अत्यधिक हिंसक होगा, जिसका नेतृत्व कोई और नहीं, बल्कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही करेंगी।

ओलावृष्टि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी मौसम बिगड़ सकता है। एक तरफ जहां देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश और आंधी की संभावना जताई गई है, वहीं ओडिशा में मौसम विभाग ने भीषण गर्मी और उमस को लेकर भी चेतावनी जारी की है।

मौसम की सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। राजस्थान के कई जिलों में ओलावृष्टि के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने इसे प्राकृतिक आपदा करार दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी अधिकारियों को नुकसान का आकलन करने के लिए कहा गया है। सरकार संकट की इस घड़ी में पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के 86 जवान मारे गए

बलोचिस्तान के सशस्त्र विद्रोही ही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने घटना का जिम्मा लिया

इस्लामाबाद, 04 अप्रैल। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में आजादी की मांग को लेकर मुखर सशस्त्र विद्रोही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के 86 जवानों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए ने कहा कि सेना के कई रडार नष्ट कर दिए गये हैं। सैन्य काफिले, हवाई अड्डा और मौत के दस्ते पर हमले कर सुरक्षा बलों को पीछे हटने को मजबूर कर दिया गया।

- संगठन ने एक्स पर एक वीडियो भी जारी किया, 14 मिनट के वीडियो में हमले की पूरी घटना दिखाई गई है।

"द बलोचिस्तान पोस्ट" की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एक्स पर वीडियो जारी किया है। यह वीडियो 14 मिनट का है। इस वीडियो में रडार प्रणालियों का विनाश, शम्सी एयरबेस पर रॉकेट से हमला, झाल मगसी पर हमले, सोराब और कुर्दगाप में सैन्य काफिलों पर हमले और कदन और मस्तुंग में सैन्य शिविरों पर हमले दिखाए गए हैं। वीडियो में दावा किया गया है कि बीएलए ने दलबांदिन में खनन स्थल पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।

नासिक में बड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवार वाले एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। रात के अंधेरे में अचानक चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया और कार सीधे सड़क किनारे बने गहरे कुएं में गिर पड़ी।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। देर रात तक चले बचाव अभियान में कड़ी मशक्कत के बाद कार और शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद पुलिस ने कुएं के मालिक राजेंद्र राजे के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। साथ ही प्रदेश सरकार ने इस घटना में मृतकों के परिवार के लोगों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया गया है। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन और मंत्री नरहरि झिरवल ने घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। महाजन ने कहा कि इस घटना की जांच का भी आदेश मुख्यमंत्री ने दिया है। साथ उन्होंने जिला प्रशासन को इस खतरनाक बन चुके कुएं को तत्काल बंद करने का भी आदेश दिया है। यही नही अब सरकार सडक किनारे स्थित सभी कुओं का सर्वे भी कराएगी।

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्ज याचिका को भी रद्द किया है। आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष व सदस्यों ने अपील में एकलपीठ की ओर से दिए फैसले में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की गुहार की थी।

असफल अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेजर आरपी सिंह और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने परीक्षा रद्द करने की गुहार करते हुए कहा था कि आर.पी.एस.सी. के निलंबित सदस्य बाबूलाल कटारा ने परीक्षा से 35 दिन पहले तत्कालीन सदस्य रामूराम राइका को पेपर दिया था। कटारा ने अपने ड्राइवर के बेटे अजय प्रताप सिंह, रिश्तेदार विजय डामोर व राहुल कटारा, शिक्षक कुंदन, सहायक लेखाधिकारी संदीप कुमार व पुरुषोत्तम दाधीच, शिवसिंह एवं तत्कालीन पीएसओ राजकुमार यादव को भी पेपर दिया। राइका ने अपने बेटे-बेटी को यह पेपर दिया था। भर्ती में दोषियों की छंटनी मुश्किल है, इसलिए इसे रद्द किया जाए।

इसके विरोध में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, सफल अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर, वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा व वरिष्ठ अधिवक्ता विकास बालिया ने कहा कि पेपर लीक व्यापक स्तर पर नहीं हुआ था और दोषियों की छंटनी संभव है। कुछ चयनित अभ्यर्थियों की ओर से कहा गया कि वे पुरानी नौकरी छोड़कर आए थे और जांच में वे बेदाग निकले हैं, ऐसे में भर्ती रद्द करना ठीक नहीं है।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में एस.ओ.जी. की जांच रिपोर्ट एक अभ्यर्थी द्वारा पेश किए जाने पर भी सवाल उठाए गए थे, क्योंकि यह रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं थी। जिस पर कोर्ट ने कहा कि यह जनहित से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए यह बेहद छोटी-मोटी बातें है कि, जांच रिपोर्ट कहां मिली, कैसे मिली? यह देखने लायक बात है कि जांच रिपोर्ट में जो तथ्य है, वह बेहद जरूरी हैं और जनहित से जुड़े हुए हैं। कोर्ट ने जांच रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कहा कि, एस.ओ.जी. ने इस भर्ती पेपरलीक मामले में 138 लोगों को गिरफ्तार किया है, 133 के खिलाफ चार्जशीट पेश हुई हैं, 85 लोग फरार हैं। इसके साथ ही 51 एस.आई. ट्रेनी हैं, जिन्होंने परीक्षा पास कर ली थी, जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया। इस भर्ती परीक्षा को रद्द करवाने के लिए दायर मूल याचिकाकर्ता कैलाश चंद शर्मा की ओर से अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने पैरवी की थी।

ट्रम्प का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी भी तरह का अवरोध अंतरराष्ट्रीय बाजार पर बड़ा असर डाल सकता है। ट्रम्प ने संकेत दिया कि अगर ईरान ने इस मार्ग को खोलने में देरी की, तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

इसी के साथ, ट्रम्प ने नाटो पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने गठबंधन को कमजोर और गैर-भरोसेमंद करार देते हुए कहा कि मौजूदा हालात में यह अपने दायित्वों को प्रभावी ढ ंग से निभाने में विफल रहा है।

ट्रम्प ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका नाटो के साथ अपने संबंधों की समीक्षा कर सकता है। उन्होंने ईरान से जुड़े मौजूदा तनाव के दौरान कुछ सहयोगी देशों के रुख पर नाराजगी जताई।

केदारनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगामी 22 अप्रैल को कपाट खुलने की प्रस्तावित तिथि को देखते हुए प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सदस्य विनीत पोस्ती ने जानकारी देते हुए बताया कि धाम में बीती शाम से ही बर्फबारी जारी है। जिन स्थानों से बर्फ हटाई गई थी, वहां फिर से बर्फ जम गई है, जिससे व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि लगातार बर्फबारी के चलते यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से तैयार करने में कठिनाई आ रही है।

उत्तराखंड में मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपद में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। जबकि 3300 मीटर से उससे अधिक उत्तराखंड के शेष जनपदों के कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश गरज व चमक के साथ हो सकती है। उत्तराखंड में मौसम विभाग ने उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर व पिथौरागढ़ जनपदों में गरज के साथ बारिश होने का अंदेशा जताया है।

होर्मुज़ स्ट्रेट से भारत के 8 जहाज सुरक्षित निकले दो और निकलने वाले हैं

इसे भारत की भारी कूटनीतिक सफलता के रुप में देखा जा रहा है

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। पश्चिम दिशा में जारी जंग के दौरान भारत के एलपीजी टैंकर ग्रीन सानवी ने सफलता पूर्वक होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर आज एक बार फिर देश को काफी राहत वाली खबर दी है। अमेरिका और इज़रायल तथा ईरान के बीच जारी जंग की वजह से होर्मुज़ स्ट्रेट के रास्ते गुजरने वाले माल वाहक जहाज और ऑयल या गैस टैंकर की आवाजाही लगभग ठप पड़ी हुई है। ईरान द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकाबंदी कर देने के कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट का खतरा मंडराने लगा है। ऐसी स्थिति में भारत के ऑयल और गैस टैंकर्स के इस रास्ते से सुरक्षित गुजरने से भारत की कूटनीतिक सफलता जग जाहिर हो गई है।

होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण वहां दुनिया भर के जहाज फंसे

- युद्ध के बावजूद भी ईरान के साथ कूटनीतिक स्तर पर भारत की वार्ता जारी है।

हुए हैं। वहीं भारत एक-एक कर अपने जहाजों को वहां से सुरक्षित निकाल रहा है। ग्रीन सानवी समेत अभी तक कम से कम आठ भारतीय जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट से सुरक्षित निकल चुके हैं। इनमें ग्रीन सानवी के अलावा शिवालिक, नंदा देवी, जग लाड़की, पाइन गैस, जग वसंत, बीडब्ल्यू टायर और बीडब्ल्यू एल्म के नाम शामिल हैं।

इन आठ जहाजों के अलावा, दो और जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम के भी आने वाले दिनों में होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर भारत पहुंचने की उम्मीद है। इस तरह भारत का नाम उन देशों में शामिल हो गया है, जिनके सबसे ज़्यादा जहाज युद्ध प्रभावित होर्मुज़ स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरे हैं। इससे भारत की ऊर्जा सप्लाई बनी हुई है और आम लोगों की ईंधन की जरूरत पूरी हो रही है।

जानकारों का कहना है कि इन जहाजों के सुरक्षित गुजरने से यह साफ है कि भारत ने मुश्किल हालात में भी अपनी ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखा है। भारत के आठ जहाजों के सुरक्षित निकल जाने के बावजूद, इस समय 15 से ज्यादा भारतीय झंडे वाले जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट के मुहाने पर मौजूद हैं, जिन पर करीब 485 भारतीय नाविक सवार हैं। उम्मीद की जा रही है कि भारत सरकार ईरान से बातचीत कर जल्दी ही इन जहाजों को भी होर्मुज़ के रास्ते सुरक्षित निकालने में सफल रहेगी।

राहत की बात ये है कि युद्ध के बावजूद ईरान के साथ भारत सरकार लगातार कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रखे हुए है। इसी बातचीत के कारण पिछले सप्ताह ही ईरान ने कहा था कि अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देशों के अलावा मित्र देशों के जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में होर्मुज़ को पार कर सकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि होर्मुज़ स्ट्रेट उन देशों के लिए चालू है, जो तेहरान के साथ जुड़े हुए हैं और जिन्हें दोस्त माना जाता है। इस क्रम में उन्होंने भारत का उल्लेख भी दोस्त के रूप में किया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908